page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/18/2025 1:36 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 डीडीसी ने जिला पूंजीगत व्यय बजट के अंतर्गत प्रगति की समीक्षा की

5 जैनिक सिनर ने अल्कारेज को सीधे सेटों में हराकर लगातार दूसरी बार जीता खिताब

8 पतागोभी फसलः पोषक तत्वों से भरपूर

मौसम जम्मू — न्यूनतम 10 — अधिकतम 21

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-282 | जम्मू तवी, मंगलवार 18 नवम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

आतंकी विस्फोट के दोषियों को पाताल लोक से भी ढूंढ निकाला जाएगा: शाह

कहा कि आतंकवाद का सफाया सरकार की सामूहिक प्रतिबद्धता

- विस्फोट मामले में गिरफ्तार आरोपियों को एनआईए ने 10 दिन की हिरासत में लिया
- आरोपियों को कश्मीर लाया जाएगा
- आतंकी साजिश को तकनीकी सहायता देने के आरोप में मुख्य साजिशकर्ता गिरफ्तार

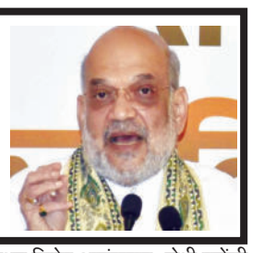

नई दिल्ली, 17 नवंबर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को एक कड़े संदेश में कहा कि सरकार दिल्ली बम विस्फोट के दोषियों को पाताल लोक से भी ढूंढ निकालेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिले। पिछले हफ्ते दिल्ली में प्रतिष्ठित लाल किले के पास एक कार में हुए विस्फोट में कम से कम 15 लोग मारे गए और 20 अन्य घायल हो गए। आत्मघाती हमलावर, जिसकी बाद में पहचान डॉ. उमर मोहम्मद के रूप में हुई, की भी विस्फोट में मौत हो गई। जांचकर्ताओं का मानना है कि डॉ. उमर ने ही विस्फोट करवाया था। जानकारी के अनुसार, अमित शाह ने यह टिप्पणी आज हरियाणा के फरीदाबाद में उत्तरी क्षेत्रीय परिषद (एनजेडसी) की 32वीं बैठक में की। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के नौगाम पुलिस स्टेशन पर हुए बम विस्फोट में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की और बैठक में दो मिनट का मौन रखा गया। शुक्रवार देर रात श्रीनगर के नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए एक उच्च-तीव्रता वाले विस्फोट में एक नायब तहसीलदार, राज्य जाँच एजेंसी के अधिकारी और एक दर्जी सहित नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि 32 अन्य घायल हो गए। यह विस्फोट तब हुआ जब हरियाणा के फरीदाबाद में जम्मू-कश्मीर द्वारा भंडाफोड़ किए गए एक कथित डॉक्टरों के आतंकी मॉड्यूल से ज़ब्त किए गए विस्फोटकों का एक भंडार गलती से पुलिस स्टेशन के अंदर फट गया। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकना सरकार की सामूहिक प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा, हम दिल्ली बम विस्फोट के दोषियों को पाताल लोक से भी ढूंढ निकालेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें कड़ी से कड़ी सज़ा मिले। उन्होंने यह भी कहा कि संवाद, सहयोग, समन्वय और नीतिगत तालमेल के लिए क्षेत्रीय परिषदें बहुत महत्वपूर्ण हैं। वे प्रधानमंत्री मोदी के मजबूत राज्य ही एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण करते हैं के दृष्टिकोण को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एनआईए को आत्मघाती हमलावर के सहयोगी की 10 दिन की हिरासत इस बीच, राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) को सोमवार को दिल्ली स्थित विशेष आतंकवाद-रोधी एजेंसी अदालत ने दिल्ली विस्फोट के आत्मघाती हमलावर के सहयोगी आमिर राशिद अली की 10 दिन की हिरासत प्रदान की। आतंकवाद-रोधी एजेंसी के अनुसार, आमिर को आत्मघाती हमलावर - डॉ. उमर - के साथ मिलकर दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास हुए आतंकवादी हमले की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जिसमें 10 लोगों की जान चली गई थी और 32 अन्य घायल हो गए थे। आमिर को आज अदालत में पेश किया गया।

ऑपरेशन सिंदूर तो बस एक ट्रेलर है, खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते : सेना प्रमुख

नई दिल्ली, 17 नवंबर। पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए, सेना प्रमुख (सीओएएस) जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सोमवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर तो बस एक ट्रेलर था, जो 88 घंटों में खत्म हो गया। उन्होंने कहा कि अगर कोई हमें ब्लैकमेल करना चाहता है, तो भारत किसी भी ब्लैकमेल से नहीं डरता।

नई दिल्ली में चाणक्य डिफेंस डायलॉग्स के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए, सेना प्रमुख ने कहा कि पाकिस्तान से पनप रहा आतंकवाद भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

उन्होंने कहा कि भारत अब किसी भी कीमत पर आतंकवाद बर्दाश्त नहीं करेगा और देश हर तरह के लंबे युद्ध के लिए तैयार है। भारत का नया सामान्य बिल्कुल स्पष्ट है, खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। बातचीत और आतंकवाद साथ-साथ नहीं चल सकते।

उन्होंने चेतावनी दी कि भारत राय प्रायोजित आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले किसी भी व्यक्ति को करारा जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। अगर हमें कोई अनावश्यक पत्र भी मिले, तो भी हम जानते हैं कि किसे जवाब देना है।

सेना प्रमुख ने कहा कि भारत शांति चाहता है, लेकिन पाकिस्तान को यह समझना होगा कि आतंकवाद का इस्तेमाल भारत को प्रभावित करने के लिए नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, हम कह रहे हैं कि शांति प्रक्रिया अपनाकर, हमारे काम में बाधा डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई ज़रूरी होगी।

"कहा भारत को ब्लैकमेल नहीं किया जाएगा; पाकिस्तान से आतंकवाद गंभीर चिंता का विषय

उन्होंने यह भी बताया कि भारत को यह सुनिश्चित करने की ज़रूरत है कि लंबी लड़ाई के लिए भी, ज़रूरत पड़ने पर चार साल तक भी, भोजन और गोला-बारूद की पर्याप्त आपूर्ति बनी रहे।हम आज भी यह नहीं कह सकते कि लड़ाई कितनी लंबी चलेगी। इस बार हमने 88 घंटे लड़ाई लड़ी, अगली बार यह चार महीने या चार साल भी चल सकती है। इसे देखते हुए, क्या हमारे पास उससे लड़ने के लिए पर्याप्त आपूर्ति और हथियार हैं? अगर हमारे पास नहीं हैं, तो हमें उसके लिए तैयारी करने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में सुरक्षा चुनौतियाँ बदल रही हैं और भारत को हर तरह की लंबी लड़ाई के लिए तैयार रहना होगा। भारत की रणनीति स्पष्ट है- शांति की पहल जारी रहेगी और ज़रूरी कार्रवाई भी की जाए

सामाजिक सुरक्षा अधिकारी 9,000 रुपये की रिश्वत मांगते और स्वीकार करते हुए गिरफ्तार

जम्मू, 17 नवंबर। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) जम्मू के क्षेत्रीय निदेशक कार्यालय के सामाजिक सुरक्षा अधिकारी को शिकायतकर्ता से 9,000 रुपये की रिश्वत मांगते और स्वीकार करते हुए गिरफ्तार किया है ने आज एक शिकायत के आधार पर तत्काल मामला दर्ज किया कि शिकायतकर्ता की पत्नी एक निजी फर्म चला रही थी जो बंद हो गई और शुरू से ही कोई व्यवसाय नहीं कर रही है। हालांकि ईएसआईसी क्षेत्रीय कार्यालय, जम्मू ईएसआईसी में अंशदान जमा न करने के लिए धारा 45 के तहत नोटिस जारी करके परेशान कर रहा था। जब शिकायतकर्ता सामाजिक सुरक्षा अधिकारी से मिला तो उन्होंने कार्यवाही बंद करने के लिए शिकायतकर्ता से 10,000 रुपये की अवैध रिश्वत की मांग की। सीबीआई ने सोमवार को ही जाल बिछाया और आरोपी को शिकायतकर्ता से 9,000 रुपये की रिश्वत मांगते और स्वीकार करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

J&K BOSE कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की तिथियां अधिसूचित

जम्मू ,17 नवंबर । जम्मू-कश्मीर स्कूल शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं, वार्षिक, नियमित, 2026 (फरवरी-मार्च सत्र) के लिए वार्षिक परीक्षा फॉर्म ऑनलाइन जमा करने की अधिसूचना जारी की है। री अधिसूचना के अनुसार, जम्मू संभाग के ग्रीष्मकालीन क्षेत्र के सभी पात्र छात्र सामान्य निर्धारित शुल्क का भुगतान करके 19 नवंबर से 3 दिसंबर तक ऑनलाइन मोड में अपने परीक्षा फॉर्म जमा कर सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर पुलिस नौगाम विस्फोट पीड़ितों के परिवारों के साथ खड़ी है : डीजीपी

श्रीनगर, 17 नवंबर। जम्मू-कश्मीर पुलिस नौगाम विस्फोट पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए और उनके साथ मजबूती से खड़ी है, इस बात पर ज़ोर देते हुए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात ने सोमवार को कहा कि पुलिस बल मृतकों के परिजनों और घायलों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विवरण के अनुसार, डीजीपी प्रभात ने पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) कश्मीर वी.के. बिरदी और अन्य शीर्ष अधिकारियों के साथ त्राल के हरिपरिगाम गाँव, श्रीनगर के ग़ज़ालियाबाद एचएमटी और कुलगाम के चनसार का दौरा किया और अपराध शाखा के फ़ोटोग्राफ़र जावेद मंसूर राठेर, वरिष्ठ श्रेणी कांस्टेबल एजाज अहमद मीर और

पुलिसकर्मी अर्शीद अहमद शाह के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

दौरों के दौरान, डीजीपी और आईजीपी ने परिवारों को जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि कर्मियों के बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

पत्रकारों से बात करते हुए डीजीपी प्रभात ने कहा, हम उन्हें कभी नहीं भूलेंगे। सभी प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त की और उन्हें आश्वासन दिया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस उनके साथ जुड़ी रहेगी।

डीजीपी ने कहा कि विस्फोट में मारे गए सभी नौ लोगों के परिवारों के लिए सहायता उपायों का समन्वय किया जा रहा है।

उन्होंने सभी औपचारिकताएँ पूरी करने और शहीदों के परिवारों के लिए समय पर सहायता और कल्याणकारी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए।

इस बीच, कश्मीर के आईजीपी वी.के. बिरदी ने कहा कि पुलिस विभाग शोक संतप्त परिवारों के साथ है और उन्होंने पुलिस बल की ओर से संवेदना व्यक्त की।

पुलिस ने आतंकवादी उपस्थिति की जानकारी देने वाले को 5 लाख के इनाम की घोषणा की

पुंछ, 17 नवंबर,। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सामुदायिक भागीदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक-सुरक्षा पहल में जिला पुलिस पुंछ ने पुंछ जिले के किसी भी हिस्से में आतंकवादियों या उनके सहयोगियों की उपस्थिति या आंदोलन के बारे में किसी भी विश्वसनीय, विशिष्ट और कार्रवाई योग्य जानकारी के लिए 5,00,000 (पांच लाख रुपये) के इनाम की घोषणा की है। पुंछ पुलिस ने दोहराया है कि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी मुखबिरों की पहचान बिल्कुल गोपनीय रखी जाएगी। जनता से सतर्क रहने और विशेष रूप से इसमें शामिल व्यक्तियों से संबंधित किसी भी जानकारी की तुरंत रिपोर्ट करने का आग्रह किया जाता है।

जम्मू रेलवे स्टेशन हाई अलर्ट पर, बढ़ाई गई सुरक्षा

जम्मू 17 नवंबर। हाल ही में एक सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ होने के बाद जम्मू रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है जबकि पुंछ पुलिस ने सीमावर्ती जिले में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना देने पर 5 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की है।अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों ने सोमवार दोपहर जम्मू रेलवे स्टेशन पर आने-जाने वाले सभी यात्रियों की अचानक तलाशी ली और उनके सामान की जाँच की। उन्होंने बताया कि देश में बड़े हमलों की योजना बनाने के आरोप में कई डॉक्टरों समेत आठ लोगों की गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सामुदायिक भागीदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण जन-सुरक्षा

पहल के तहत, पुंछ पुलिस ने जिले के किसी भी हिस्से में आतंकवादियों या उनके सहयोगियों की मौजूदगी या आवाजाही के बारे में किसी भी विश्वसनीय, विशिष्ट और कार्रवाई योग्य जानकारी देने पर 5 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। पुलिस ने आश्वासन दिया कि सूचना देने वालों की पहचान उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। उन्होंने जनता से सतर्क रहने और सूचना तुरंत साझा करने का आग्रह किया, विशेष रूप से उन व्यक्तियों के संबंध में जो आतंकवादियों को भोजन, आश्रय, रसद, परिवहन, सुरक्षित आवास या संचार सहायता प्रदान करते हैं।

नगर नियोजन अधिनियम-1963 में नगर नियोजन योजनाओं के लिए प्रमुख प्रावधानों का अभाव

जम्मू तवी, 17 नवंबर। जम्मू और कश्मीर सरकार द्वारा गठित एक समिति ने ध्यान दिलाया है कि जम्मू और कश्मीर नगर नियोजन अधिनियम-1963 में नगर नियोजन योजनाओं (टीपीएस) के निर्माण हेतु प्रमुख प्रावधानों का अभाव है।

संभागीय आयुक्त कश्मीर की अध्यक्षता वाली और प्रशासन, आवास एवं शहरी विकास विभाग, तथा विधि, न्याय एवं संसदीय कार्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों वाली समिति ने पाया है कि नगर नियोजन योजनाओं के निर्माण और कार्यान्वयन के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण प्रावधानों के संदर्भ में जम्मू और कश्मीर नगर नियोजन अधिनियम में कमी है।

रिपोर्ट में कहा गया है, जम्मू और कश्मीर नगर नियोजन अधिनियम, 1963 और उसके अंतर्गत 1974 में बनाए गए नियम ही जम्मू और कश्मीर में नगर नियोजन योजनाओं के निर्माण और कार्यान्वयन को नियंत्रित करने वाला एकमात्र कानून है। इस कानून में नगर नियोजन योजनाओं के निर्माण और कार्यान्वयन के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण प्रावधानों का अभाव है।

संभागीय आयुक्त कश्मीर की अध्यक्षता वाली समिति में श्रीनगर नगर निगम के आयुक्त; श्रीनगर के उपायुक्त; श्रीनगर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष; जम्मू-कश्मीर झील संरक्षण एवं प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष; नगर नियोजन संगठन के मुख्य नगर नियोजक; और विधि, न्याय एवं संसदीय कार्य विभाग के प्रतिनिधि। इस वर्ष 17 जून को गठित समिति को मास्टर प्लान श्रीनगर-2035 की अल्पकालिक समीक्षा करने का कार्य सौंपा गया था।

सऊदी अरब में बस दुर्घटना में 42 भारतीय उमराह तीर्थयात्रियों के मारे जाने की आशंका

नई दिल्ली, 17 नवंबर। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सोमवार को सऊदी अरब में मदीना के पास उमराह तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस के एक डीजल टैंकर से टकरा जाने से कम से कम 42 लोगों के मारे जाने की आशंका है, जिनमें से अधिकांश भारतीय नागरिक बताए जा रहे हैं। मृतकों में से कई हैदराबाद के रहने वाले बताए जा रहे हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर कहा कि वह इस त्रासदी से गहरा सदमा महसूस कर रहे हैं और रियाद स्थित भारतीय दूतावास और जेद्दा स्थित वाणिज्य दूतावास प्रभावित लोगों को पूरी सहायता प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, यह दुर्घटना तब हुई जब 46 तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस मक्का से मदीना जाते समय एक टैंकर से टकरा गई। रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि इस टक्कर में 45 भारतीय तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी से पता चलता है कि मारे गए लोगों में से कम से कम 16 हैदराबाद के मल्लेपल्ली स्थित बाज़ारघाट इलाके के निवासी थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सऊदी अरब बस हादसे में भारतीय तीर्थयात्रियों की मौत पर शोक व्यक्त किया

राज्य के अधिकारी पहचान सत्यापित करने के लिए केंद्रीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। रिश्तेदारों ने बताया कि यह समूह 9 नवंबर को हैदराबाद से निकला था और मक्का में उमराह की नमाज़ अदा करने के बाद मदीना लौट रहा था, तभी यह हादसा हुआ। वे अल मीना और नामपल्ली स्थित अल मक्का ट्रैवल्स के ज़रिए यात्रा कर रहे थे। दुर्घटना को देखते हुए, विदेश मंत्रालय ने घोषणा की है कि पीड़ितों के परिवारों और जानकारी चाहने वालों की सहायता के लिए जेद्दा स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में एक 24म7 नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

ट्रक में लगी आग, कोई जनहानि नहीं

जम्मू, 17 नवंबर। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में चिनाब नदी पर क्वार जलविद्युत परियोजना की सुरंग के अंदर एक ट्रक में आग लगने के बाद सोमवार को कई मजदूरों को सुरक्षित बचा लिया गया।

उन्होंने बताया कि घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन सुरंग में उस समय आग लग गई जब एक डंपर में आग लग गई जबकि कई मजदूर पद्यर्ना क्षेत्र में परियोजना स्थल पर सुरंग बनाने के काम में लगे हुए थे। उन्होंने बताया कि अग्निशमन और आपातकालीन सेवा विभाग मौके पर पहुंचा और परियोजना अधिकारियों के साथ मिलकर सभी श्रमिकों को सुरक्षित बचा लिया। उन्होंने बताया कि घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ।

नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए आकस्मिक विस्फोट के लिए ज़िम्मेदार चूक की जवाबदेही तय करने की ज़रूरत है : रूहुल्लाह

श्रीनगर, 17 नवंबर । नेशनल कॉन्फ्रेंस के लोकसभा सदस्य आगा सैयद रूहुल्लाह ने सोमवार को कहा कि नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए आकस्मिक विस्फोट की गहन जाँच होनी चाहिए और इस घटना के लिए ज़िम्मेदार चूक के लिए ज़िम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

श्रीनगर में एक निजी अस्पताल में घायलों से मिलने के बाद रूहुल्लाह ने संवाददाताओं से कहा कि आकस्मिक विस्फोट के लिए ज़िम्मेदार चूकों की जवाबदेही तय करने की ज़रूरत है। एक उचित जाँच की जानी चाहिए और एक रिपोर्ट तैयार की जानी चाहिए। जो भी चूक के लिए ज़िम्मेदार पाए जाएँ, उन्हें जवाबदेह बनाया जाना चाहिए।

श्रीनगर से लोकसभा सदस्य ने कहा कि यह स्थापित करने के लिए जाँच ज़रूरी है कि विस्फोट आकस्मिक था और सरकार के दावे के अनुसार आतंकवादी हमला नहीं था। उन्होंने कहा कि कहा जा रहा है कि यह एक दुर्घटना थी। इसे साबित करना होगा और अगर यह साबित हो जाता है कि यह वास्तव में एक दुर्घटना थी तो इस घटना के पीड़ितों के साथ न्याय उन लोगों को ज़िम्मेदार ठहराकर किया जाएगा जिनकी लापरवाही के कारण यह हुआ।

सांसद ने दावा किया कि इस घटना में बहुत सारी खामियाँ थीं। उन्होंने आरोप लगाया अत्यधिक विस्फोटक सामग्री को इतनी असंवेदनशीलता से संभाला गया, इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक एक रिहायशी इलाके में लाए गए और बिना किसी पेशेवर के अव्यवसायिक तरीके से संभाला गया।

उन्होंने आगे कहा कि इससे जान-माल का नुकसान हुआ है। संपत्ति के नुकसान की भरपाई तो की जा सकती है लेकिन जान-माल के नुकसान की भरपाई नहीं की जा सकती।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने निर्माण श्रमिकों के कल्याण के लिए 30.14 करोड़ स्वीकृत किए

जम्मू, 17 नवंबर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, जो जम्मू-कश्मीर भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं, ने आज बोर्ड की प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को सीधे ऑनलाइन हस्तांतरण हेतु 30.14 करोड़ स्वीकृत और जारी किए। पंजीकृत श्रमिकों के बैंक खातों में तत्काल धनराशि हस्तांतरित करने के लिए यह राशि सभी सहायक श्रम आयुक्तों को वितरित कर दी गई है। स्वीकृत सहायता में निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों की सहायता के उद्देश्य से कई प्रमुख योजनाएँ शामिल हैं। इनमें शिक्षा सहायता, विकलांगता सहायता, दीर्घकालिक बीमारी सहायता, मृतक श्रमिकों के परिजनों के लिए सहायता, विवाह सहायता और पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों के लिए मेधावी पुरस्कार शामिल हैं। इस वर्ष जुलाई में आयोजित जेकेबीओसीडब्ल्यूडब्ल्यूबी की 22वीं बैठक के दौरान जारी निर्देशों को याद करते हुए, मुख्यमंत्री ने निर्माण श्रमिक की एक व्यापक और अधिक समावेशी परिभाषा की आवश्यकता दोहराई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी कमजोर और असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को कल्याणकारी उपायों के दायरे में लाया जा सके। उन्होंने कवरेज का विस्तार करने, श्रमिकों के लिए वित्तीय सुरक्षा को मजबूत करने और श्रम कल्याण में राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ बोर्ड के कामकाज को संरेखित करने के लिए नवीन नीति तंत्रों की खोज के महत्व पर भी जोर दिया था।

सुनील सेठी ने जेकेसीए उपसमिति से दिया इस्तीफा

श्रीनगर, 17 नवंबर। जम्मू और कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन (जेकेसीए) के भीतर एक बड़े झटके में कानूनी मामलों के सदस्य सुनील सेठी ने जेकेसीए उप-समिति से इस्तीफा दे दिया है उन्होंने पूर्व लोकपाल द्वारा कथित तौर पर जारी किए गए पिछली तारीख के आदेशों पर चिंता जताई है। सेठी जो 2021 से उप-समिति का हिस्सा हैं ने अपना इस्तीफा बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास को संबोधित किया।

उनका प्रस्थान 27 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्देश दिए जाने के कुछ सप्ताह बाद हुआ है कि जेकेसीए चुनाव 12 सप्ताह के भीतर पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त अचल कुमार जोती की देखरेख में आयोजित किए जाएंगे। अपने निर्णय के पीछे के कारणों का विवरण देते हुए सेठी ने लिखा चूंकि

सुप्रीम कोर्ट ने जेकेसीए के चुनाव कराने का निर्देश दिया है और एक नए लोकपाल की नियुक्ति के प्रयास को आम सभा के गठन तक चुनाव अधिकारी द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया है, दुर्भाग्य से पूर्व लोकपाल द्वारा अब पिछली तारीख के आदेश जारी किए जा रहे हैं जो मार्च 2025 तक के हैं जबकि ऐसा कोई आदेश पारित नहीं किया गया था या मुझे इसकी सूचना नहीं दी गई थी। सेठी ने चिंता व्यक्त की कि ऐसे निर्देशों के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।?उन्होंने चेतावनी दी ये आदेश क्लब प्रबंधन और वोटिंग अधिकारों में बदलाव कर रहे हैं। यह वोटिंग नामकरण को बदलने का एक प्रयास है और मैं इसमें एक पक्ष नहीं बनना चाहता। अपने पत्र को समाप्त करते हुए, सेठी ने औपचारिक रूप से पद छोड़ दिया इस प्रकार मैं उप-समिति के सदस्य के रूप में अपना इस्तीफा देता हूं। कृपया स्वीकार करें और मुझे कार्यमुक्त करें। बोर्ड ने मुझे जो अवसर दिया है उसके लिए मैं आभारी हूं।

उनका इस्तीफा अदालत द्वारा निर्धारित चुनावों से पहले जेकेसीए के प्रशासनिक ढांचे को सुव्यवस्थित करने के चल रहे प्रयासों में जटिलता की एक और परत जोड़ता है।

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

रहस्यमय सौंदर्य की भूमि हैं सिक्किम की वादियां

हिमालय की गोद में बसे सिक्किम राज्य को प्रकृति के रहस्यमय सौंदर्य की भूमि या फूलों का प्रदेश कहना गलत नहीं होगा। वास्तव में यहां के नैसर्गिक सौंदर्य में जो आकर्षण है, वह अन्यत्र दुर्लभ है। नदियां, झीलें, बौद्ध मठ और स्तूप तथा हिमालय के बेहद लुभावने दृश्यों को देखने के अनेक स्थान, ये सभी हर प्रकृतिप्रेमी को बाहें फैलाए आमंत्रित करते हैं। विश्व की तीसरी सबसे ऊंची पर्वतचोटी कंचनजंगा (28156 फुट) यहां की सुंदरता में चार चांद लगाती है। सूर्य की सुनहली किरणों की आभा में नई-नवेली दुलहन की तरह दिखने वाली इस चोटी के हर क्षण बदलते मोहक दृश्य सुंदरता की नई-नई परिभाषाएं गढ़ते हुए से लगते हैं। मनुष्य की कल्पनाओं का सागर यहां हिलोरें मारने लगता है।

जीवंत वातावरण

भारत के उत्तर-पूर्व और पूर्व में फैले इस राज्य का क्षेत्रफल 7096 वर्ग किलोमीटर है और जनसंख्या लगभग पांच लाख। चीन के अधीनस्थ तिब्बत से व्यापारिक संबंधों के समय व्यावसायिक महत्व का स्थान रहा गंगटोक आज के सिक्किम की राजधानी है। इस शहर की स्थापना 19वीं शताब्दी के मध्य में हुई थी। इससे पहले राज्य के पश्चिमी भाग में युकसम और इसके बाद राबडेंसे नामक स्थानों को सिक्किम की राजधानी होने का गौरव प्राप्त था। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों, हनीमून मनाने वाले जोड़ों तथा राज्य के सुदूर क्षेत्रों में ट्रेकिंग और साहसिक पर्यटन के शौकीन लोगों की आवाजाही गंगटोक के वातावरण को हमेशा जीवंत बनाए रखती है।

पर्यटन की दृष्टि से सुविधापूर्वक सिक्किम दर्शन के लिए राज्य को चार भागों में बांटा जा सकता है। सबसे पहले पूर्व में गंगटोक तथा इसके आसपास कई दर्शनीय स्थल हैं। समुद्रतल से 5800 फुट की ऊंचाई पर स्थित गंगटोक का प्रारंभ से ही समुचित विकास होता आया है। यहां अच्छे से अच्छे रहने के स्थान, यातायात के साधन तथा संचार माध्यम उपलब्ध हैं। राज्य की पारंपरिक हस्तशिल्प और हथकरघा की वस्तुओं का केंद्र भी पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का स्थान है। यहां से केवल तीन किलोमीटर की दूरी पर 200 वर्ष पुराना महत्वपूर्ण बौद्ध मठ इंचे मॉनेस्ट्री है। ऐसा माना जाता है कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को लामा द्रुप्तोब कार्पो का आशीर्वाद मिलता है। लामा द्रुप्तोब यहां के लोकजीवन में

आस्था के एक गहरे प्रतीक के रूप में रचे-बसे हैं। हर साल जनवरी के आसपास यहां छाम नृत्य का उत्सव आयोजित किया जाता है। यह उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। व्हाइट हॉल के पास पूरे वर्ष फूलों की प्रदर्शनी भी लगाई जाती है।

बौद्ध अध्ययन का केंद्र

गंगटोक में ही स्थित नामग्याल इंस्टीट्यूट ऑफ टिबेटोलॉजी (एनआईटी) नाम का बौद्ध संस्थान दुर्लभ लेपचा, तिब्बती व संस्कृत पांडुलिपियों, मूर्तियों, थंका, कर्मकांड और पूजन विधि में प्रयोग आने वाले कपड़ों (टेपेस्ट्रीज) आदि दो सौ से अधिक बहुमूल्य वस्तुओं तथा कलाकृतियों का खजाना है। धार्मिक और ऐतिहासिक दोनों ही दृष्टियों से महत्वपूर्ण यह संस्थान आज पूरे विश्व के लिए बौद्ध दर्शन तथा धर्म का अध्ययन केंद्र बना हुआ है।

छोग्याल पाल्डेन थोंडुप नामग्याल की स्मृति में यहां एक पार्क बना हुआ है। छोग्याल अर्थात राजा। नामग्याल वंश के 17वें तथा धार्मिक कार्यो के लिए पवित्रीकरण संस्कार प्राप्त 12वें राजा पाल्डेन थोंडुप की आर्थिक और सामाजिक सुधारों में शुरू से गहरी आस्था थी। राजा पाल्डेन आधुनिक शासन प्रणाली के समर्थक थे। इनके शासनकाल में ही सिक्किम में आधारभूत सुविधाओं की नींव रखी गई। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने स्कूल, सड़कें, चिकित्सालय आदि बनाने, पेयजल उपलब्ध कराने, यातायात हेतु सिक्किम राष्ट्रीयकृत ट्रांसपोर्ट, हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पॉवर स्कीम तथा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए अन्य योजनाएं चलाने के लिए भी लगातार सहायता दी। 1982 में इनका देहांत हुआ। अंत तक वह बौद्धिक सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रहे।

पवित्र छांगू झील

छांगू लेक, जिसे स्थानीय लोग छो गो लेक कहते हैं, गंगटोक से 40 किलोमीटर दूर है। समुद्रतल से 3780 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह अंडाकार झील एक किलोमीटर लंबी और 15 मीटर गहरी है। स्थानीय लोगों की मान्यताओं के अनुसार यह एक पवित्र स्थान है। शीतकाल में यह जमी रहती है। मई से अगस्त के बीच इसके चारों ओर फैली पर्वतश्रृंखला व घाटियों में विभिन्न प्रकार के फूल खिले होते हैं। यहां खिलने वाले फूलों में रोडोडेंड्रोन, कई प्रकार के प्रिमुला, नीले और पीले पॉपीज, आइरिस आदि प्रमुख हैं। लाल पांडा तथा कई प्रजातियों के पक्षियों का यह पसंदीदा स्थान है। इसी दिशा में गंगटोक से 56 किलोमीटर दूर समुद्रतल से 14200 फुट की ऊंचाई पर स्थित नाथू ला है। ला अर्थात पास या एक पहाड़ को लांघकर दूसरी ओर जाने का रास्ता। नाथू ला भारत-चीन (तिब्बत का पठार) सीमा पर स्थित है। यहां जाने के लिए पंजीकृत ट्रेवल एजेंसी के माध्यम से सिक्किम पर्यटन विभाग से परमिट लेनी पड़ती है। नाथू ला की ओर जाने की परमिट केवल भारतीय नागरिक ही पा सकते हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में पाई जाने वाली जड़ी-बूटियां और पेड़-पौधे देखने के शौकीन लोगों के लिए इसी क्षेत्र में स्थित सरमसा गार्डन और जवाहरलाल नेहरू बोटेनिकल गार्डन दर्शनीय हैं। जबकि वन्य जीवन में रुचि लेने

वालों के लिए हिमालयन जूलोजिकल पार्क तथा फेम्बोंग लो वाइल्ड लाइफ सैंक्चुअरी दिलचस्प जगहें हो सकती हैं। इनके अलावा दो द्रुल छोरटेन, रुमटेक धर्म चक्र केंद्र, पाल जुरमांग कागयुद मॉनेस्ट्री, वाटर गार्डन, बाबा हरभजन सिंह मेमोरियल, ताशी व्यू प्वाइंट, गोन्जांग मॉनेस्ट्री, गणेश टोंक, हनुमान टोंक, नोर छो सुक तथा अरितार यहां के अन्य दर्शनीय स्थल हैं।

जहां मिट जाते हैं पाप

पश्चिमी सिक्किम में पेमायांगसे मॉनेस्ट्री सबसे प्राचीन बौद्ध मठों में से एक है। राज्य की पहली राजधानी युकसम यहीं है। तीन विद्वान लामाओं द्वारा सन् 1641 में सिक्किम राज्य के प्रथम छोग्याल (राजा) का पवित्रीकरण संस्कार यहीं किया गया था। इसका प्रमाण नोरबूगांग छोरटेन में आज भी मौजूद है, जहां पत्थरों के सिंहासन और एक पत्थर पर मुख्य लामा के पैर की छाप देखी जा सकती है। वस्तुतः इस राज्य का इतिहास यहीं से शुरू होता है। स्थानीय लोग इस क्षेत्र को अत्यंत पवित्र मानते हैं। जोंगरी-जेमाथांग

तथा कंचनजंगा बेस कैंप के लिए ट्रेकिंग कार्यक्रम भी युकसम से ही शुरू होते हैं। युकसम के बाद कुछ ही दूरी पर स्थित राबडेंसे राज्य की दूसरी राजधानी बनी थी। यहां अब केवल खंडहर शेष हैं। सन् 1814 तक यहीं से राजा ने राज्य का संचालन किया। ताशीडिंग मॉनेस्ट्री हृदय के आकार की पहाड़ी पर बनाई गई है, जिसके पीछे पवित्र कंचनजंगा पर्वत है। बौद्ध धर्मग्रंथों के अनुसार 8वीं शताब्दी में गुरु पद्मसंभाव, जिन्हें गुरु रिम्पूछे भी कहा जाता है, ने इस स्थान से ही सिक्किम की पवित्र भूमि को आशीर्वाद दिया था। ऐसा माना जाता है कि आज भी यहां आने वालों को गुरु रिम्पूछे का आशीर्वाद प्राप्त होता है। लेपचा समुदाय की बहुलता वाली इस घाटी में स्थित पवित्र गुरु इहेदू में गुरु रिम्पूछे के पैरों और हाथों के चिन्ह अभी भी सुरक्षित हैं। ताशीडिंग पवित्र छोरटेन (स्तूप) थोंग वा रांग डोल के लिए भी प्रसिद्ध है। इसका अर्थ है देखने भर से जीवनरक्षा करने वाला।

संधि भाईचारे की

उत्तरी सिक्किम में जेमू ग्लेशियर से निकलने वाली तीस्ता नदी राज्य का गौरव बढ़ाती है। व्हाइट वाटर राफ्टिंग और कयाकिंग आदि वाटर स्पोर्ट्स के शौकीन लोगों के लिए सिक्किम में यही आकर्षण का मुख्य केंद्र है। मई-जून में यहां साहसिक पर्यटन के शौकीन लोगों की खासी भीड़ जुटी होती है। भारत ही नहीं, दुनिया के अन्य देशों से भी लोग यहां रोमांचक खेलों का मजा लेने तथा प्रकृति की सुंदरता को निहारने के लिए आते हैं।

अगर आप वन्य प्राणियों के जीवन में रुचि लेते हैं तो उत्तरी सिक्किम में ही स्थित कंचनजंगा नेशनल पार्क बहुत मुफीद जगह है। 850 वर्ग किलोमीटर में फैले इस वन्य जीव अभ्यारण्य को बायोस्फीयर रिजर्व के नाम से भी जानते हैं। यहां तमाम दुर्लभ प्रजातियों के कई जीव स्वच्छंद विचरण करते हैं। इसके क्षेत्र में कई ग्लेशियर भी हैं, जिनमें जेमू ग्लेशियर सबसे लंबा और नयनाभिराम है। चिड़ियों की यहां कुल 550 प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें ब्लड फेजेंट, सेटायर ट्रैगोपन, ऑस्प्रे, हिमालयन ग्रिफॉन, लैमर्जियर, बर्फीला कबूतर, इंपेयन फेजेंट, सन बड्र्स और गरुड़ शामिल हैं।

कैसे पहुंचें

पृथ्वी की भौगोलिक असमानताओं में बिखरे प्राकृतिक सौंदर्य का अद्वितीय पक्ष सिक्किम राज्य सड़क, रेल तथा हवाई मार्गो के जरिये देश के विभिन्न महानगरों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। उत्तरी बंगाल में बागडोगरा हवाई अड्डा राजधानी गंगटोक के सबसे समीप है। हवाई अड्डे से 124 किलोमीटर की दूरी सड़क मार्ग से लगभग चार घंटों में तय हो जाती है। बागडोगरा विमान पत्तन कोलकाता, गुवाहाटी और नई दिल्ली से इंडियन एयरलाइंस और दूसरी एयरलाइनों की उड़ानों से जुड़ा हुआ है। सिक्किम पर्यटन विभाग का पांच सीटों वाला हेलीकॉप्टर बागडोगरा और गंगटोक के बीच प्रतिदिन हवाई सेवा प्रदान करता है। रेलमार्ग पर सबसे समीप दो स्टेशन सिलीगुड़ी तथा न्यू जलपाईगुड़ी हैं। गंगटोक से इनकी दूरी क्रमशः 114 व 125 किलोमीटर है।

परमिट की जरूरत

सीमांत प्रदेश होने के कारण विदेशी नागरिकों को यहां आने के लिए इनर लाइन परमिट (आईएलपी) लेना होता है। यह परमिट उन्हें भारत में प्रवेश हेतु मिले वीजा के आधार पर मिल जाता है। भारतीय दूतावासों तथा देश में पर्यटन कार्यालयों से या सिक्किम पहुंच कर भी यह परमिट प्राप्त किया जा सकता है, जिसकी अवधि 15 दिन होती है। यह अवधि बढ़वाई भी जा सकती है।

मौसम एवं तापमान

ग्रीष्म ऋतु में गंगटोक का तापमान अधिकतम 21 डिग्री तथा न्यूनतम 13 डिग्री सेंटीग्रेड होता है तथा शरद ऋतु में अधिकतम 13 डिग्री तथा न्यूनतम 05 .3 डिग्री सेंटीग्रेड। विश्व में सबसे अधिक वर्षा चेरापूंजी में होती है। यह स्थान सिक्किम से अधिक दूर नहीं है। अतः राज्य में भ्रमण के लिए सबसे उत्तम समय मार्च से जून तक तथा अक्टूबर से दिसंबर तक है। गंगटोक में प्रतिवर्ष औसतन वर्षा 3894 मिलीमीटर होती है। 15 साल के अंतराल के बाद गत फरवरी मास में यहां बर्फबारी हुई है।

विदेश में भी मौजूद हैं कई मंदिर जिन्हें देखकर आप भी कहेंगे वाह!

भारत को मंदिरों का देश भी कहा जाता है, ऐसा इसलिए क्योंकि यहां देवी-देवताओं के कई हजार मंदिर हैं। प्राचीन से लेकर नए मंदिरों के कारण भारत दुनियाभर में आकर्षण का केंद्र है। वहीं, क्या आप जानते हैं कि भारत के अलावा भी अन्य देशों में हिन्दू देवी-देवताओं के मंदिर हैं, जिन्हें दुनियाभर में मान्यता प्राप्त है। दुनियाभर में प्रसिद्ध इन मंदिरों के दर्शन के लिए लोग दूर-दूर से आया भी करते हैं। आज हम आपको उन्हीं मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं जो भारत के अलावा दूसरे देशों में मौजूद हैं, आइए जानते हैं...

मुन्नेस्वरम मंदिर, श्रीलंका

श्रीलंका के मुन्नेस्वर गांव में मुन्नेस्वरम नामक ये मंदिर काफी बड़ा है। इसके परिसर में कुल 5 मंदिर स्थित हैं। यहां मां काली और भगवान शिव का भी मंदिर है। ऐसी मान्यता है कि जब श्रीराम ने राम का वध किया था तब वो यहां शिव जी की पूजा करने के लिए आए थे। ये ही कारण है कि इस मंदिर को धार्मिक तौर पर बेहद खास माना जाता है। यहां काफी लोग घूमने और शिव जी के दर्शन करने के लिए आते हैं।

अंकोरवाट मंदिर, कंबोडिया

कंबोडिया में स्थित अंकोरवाट मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। हिन्दू मंदिरों में ये दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर माना जाता है। 12वीं सदी में इसका निर्माण कम्बुज के राजा सूर्यवर्मा ने करवाया था। इस मंदिर के चारों तरफ एक गहरी खाई है, जिसकी चौड़ाई 650 फुट और लंबाई ढाई मील है, जो इस मंदिर को खास बनाता है। इस मंदिर में हर वर्ष लाखों की संख्या में लोग आते हैं। यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों में से एक ये मंदिर है।

मुरूगन टेंपल, ऑस्ट्रेलिया

मुरूगन मंदिर ऑस्ट्रेलिया की राजधानी सिडनी में स्थित है। यहां पहड़ों के देवता कहलाए जाने वाले भगवान मुरूगन विराजमान है। इसलिए इस विशाल मंदिर को न्यू साउथ वेल्क के पहाड़ों पर बनवाया गया है। इस मंदिर और भगवान के प्रति यहां के हिन्दुओं की अपार आस्था है।

पशुपतिनाथ मंदिर, नेपाल

भारत से करीबी देश नेपाल की राजधानी काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर स्थित है। दुनिया के सबसे प्राचीन हिन्दू मंदिरों में से एक ये मंदिर है। यहां पशुपति के रूप में शिव जी की पूजा होती है। हर साल यहां काफी संख्या में लोग दर्शन करने आते हैं। यूनेस्को द्वारा इस मंदिर को विश्व विरासत स्थल का दर्जा मिला हुआ है।

प्रम्बानन मंदिर, इंडोनेशिया

इंडोनेशिया में कई हिन्दू मंदिर मौजूद हैं। इन्हीं में से एक प्रम्बानन मंदिर भी है। जिसका निर्माण नौवीं शताब्दी में किया गया था। ये मंदिर यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल माना जाता है। ये मंदिर केवल इंडोनेशिया का ही नहीं बल्कि पूरे साउथ एशिया का बहुत बड़ा मंदिर है।

सागर शिव मंदिर, मॉरीशस

बड़ी संख्या में हिन्दू रहने वाले द्वीपीय देश मॉरीशस में सागर शिव मंदिर को एक पवित्र धार्मिक स्थल माना जाता है। इसका निर्माण साल 2007 में हुआ था। भगवान शिव की 108 फीट ऊंची कांसे की प्रतिमा इस मंदिर को खास बनाती है। भगवान शिव के दर्शन के लिए यहां लाखों की संख्या में लोग आते हैं।

रामलिंगेश्वर मंदिर, मलेशिया

मलेशिया की राजधानी क्वालालमपूर में रामलिंगेश्वर मंदिर स्थित है। साल 2012 में मलेशिया सरकार द्वारा इस मंदिर को ट्रस्ट के हवाले कर दिया गया। जिसके बाद से अब इस ट्रस्ट द्वारा ही मंदिर का प्रबंधन किया जाता है।

कटास राज मंदिर, पाकिस्तान

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के चकवाल जिले में कटास राज मंदिर स्थित है। ये एक प्राचीन भगवान शिव मंदिर है। छठी से नौवीं शताब्दी के बीच इस मंदिर का निर्माण करवाया गया था। कहा जाता है कि ये मंदिर महाभारत काल से था। इससे संबंधित पांडवों की कई कहानियां प्रसिद्ध हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

प्रदीप अम्बेडकरी के घर पर कठुआ पुलिस ने लगाया नोटिस, 16 दिसंबर तक कोर्ट में पेश नहीं हुआ तो होगी बड़ी कार्रवाई

कठुआ, 17 नवंबर (हि.स.)। भगवान श्री राम जी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में आरोपी प्रदीप अंबेडकरी के खिलाफ कार्रवाई जारी है। कठुआ पुलिस ने सोमवार को सख्त एक्शन लेते हुए प्रदीप अम्बेडकरी के घर ढोल-नगाड़ों के साथ पहुंचकर कानूनी प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। यह कार्रवाई संबंधित कोर्ट के स्पष्ट आदेशों के बाद की गई जिसके चलते पूरे इलाके में हलचल मच गई।

पुलिस ने ढोल बजवाकर घर के बाहर नोटिस लगाया और कानूनी प्रावधानों के तहत आगे की कार्यवाही शुरू की। मौके पर भारी संख्या में लोग एकत्रित हो गए और स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए पुलिस बल भी तैनात किया गया। पुलिस चैकी नगरी प्रभारी रविंदर ने मौके पर मौजूद लोगों को बताया कि यह कार्रवाई पूरी तरह कोर्ट के आदेशों के तहत की जा रही है। आगे की कार्यवाही भी न्यायालय के निर्देशों के अनुसार जारी रहेगी। इस घटना को लेकर स्थानीय स्तर पर व्यापक चर्चा शुरू हो गई है। कई लोग इसे कानून की सख्ती का उदाहरण मान रहे हैं, वहीं कुछ लोग इसे मामले में तेजी से हो रही न्यायिक प्रक्रिया के रूप में देख रहे हैं। गौरतलब हो कि कठुआ में भगवान श्री राम जी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में आरोपी प्रदीप अंबेडकर के खिलाफ कार्रवाई जारी है। कोर्ट द्वारा जमानत खारिज होने के बाद से फरार चल रहे प्रदीप के घर पर कठुआ पुलिस ने नोटिस चिपकाया है और उसे 16 दिसंबर तक कोर्ट में पेश होने के निर्देश दिए हैं। अगर वह पेश नहीं होता है तो बड़ी कार्रवाई हो सकती है।

डीडीसी ने जिला पूंजीगत व्यय बजट के अंतर्गत प्रगति की समीक्षा की

बडगाम, 17 नवंबर। जिला विकास आयुक्त (डीडीसी) बडगाम, डॉ. बिलाल मोहिउद्दीन भट ने आज जिला पूंजीगत व्यय बजट 2025-26, केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) और केंद्र शासित प्रदेश क्षेत्र के अंतर्गत किए जा रहे विकास कार्यों की भौतिक और वित्तीय प्रगति का आकलन करने के लिए एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

डीसी कार्यालय परिसर के सम्मेलन कक्ष में आयोजित इस बैठक में सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों, क्षेत्र प्रमुखों और इंजीनियरों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान, क्षेत्रवार प्रगति का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया। आरएंडबी क्षेत्र ने बताया कि 100 चालू कार्य शुरू किए गए हैं, जिनमें से 94 पूरे हो चुके हैं, जबकि 80 नए कार्य स्वीकृत हैं, 76 निविदाएँ दी जा चुकी हैं, 70 आवंटित किए जा चुके हैं और 57 शुरू हो चुके हैं, जिनमें से 50 पूरे हो चुके हैं।वित्तीय रूप से, विभिन्न मदों में कार्यान्वयन के लिए ?1574 लाख से अधिक जारी किए गए हैं।

हाइड्रोलिक (जल शक्ति) मंडल बडगाम ने बताया कि सभी 8 चालू कार्य पूरे हो चुके हैं। नए कार्यों के अंतर्गत, 21 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, सभी के लिए निविदाएँ हो चुकी हैं, 20 आवंटित की जा चुकी हैं और 13 शुरू हो चुकी हैं। नए कार्यों पर 26 लाख से अधिक का व्यय हुआ है, जबकि चल रही योजनाओं के अंतर्गत लगभग 15 लाख का उपयोग किया गया है।

ग्रामीण विकास विभाग ने ज़िला पूंजीगत व्यय के अंतर्गत स्वीकृत 2694 कार्यों के साथ ज़िले में सबसे अधिक कार्यभार वाले कार्यों में से एक पर प्रकाश डाला। बताया गया कि इनमें से 2586 के लिए निविदाएँ हो चुकी हैं, 2264 आवंटित किए जा चुके हैं, 2070 कार्य शुरू हो चुके हैं और 1591 पूरे हो चुके हैं, जिन्हें 2455 लाख से अधिक की वित्तीय सहायता प्राप्त है।

डीसी कठुआ ने केवी के छात्रों को अत्याधुनिक पुस्तकालय और ओपन जिम समर्पित किया

कठुआ, 17 नवंबर (हि.स.)। डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने केंद्रीय विद्यालय कठुआ में शारीरिक स्वास्थ्य शिक्षा के प्रशिक्षित स्नातक शिक्षकों और जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के पीएम श्री केंद्रीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के लिए सतत व्यावसायिक विकास पर दो दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। सीपीडी कार्यशाला का उद्देश्य नवीन शिक्षण पद्धतियों, छात्र जुड़ाव ढाँचों, नेतृत्व विकास और उभरते शैक्षणिक रुझानों पर संरचित सत्रों के माध्यम से शिक्षकों की क्षमता का निर्माण करना है। विशेषज्ञ संसाधन व्यक्ति कक्षा शिक्षण और समग्र संस्थागत कार्यप्रणाली में सुधार के उद्देश्य से इंटरैक्टिव मॉड्यूल संचालित करेंगे। कार्यक्रम के दौरान डीसी ने केंद्रीय विद्यालय कठुआ परिसर में

नवनिर्मित अत्याधुनिक पुस्तकालय और एक ओपन जिम का भी उद्घाटन किया। उन्नत पठन कोनों और विविध शिक्षण सामग्री से सुसज्जित इस पुस्तकालय से छात्रों के लिए शैक्षणिक सहायता को मजबूत करने की उम्मीद है। ओपन जिम शारीरिक फिटनेस और आउटडोर मनोरंजन को बढ़ावा देगा जो स्कूल के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करने में सहायक होगा। उपायुक्त ने शिक्षण संकाय, कर्मचारियों और छात्रों से बातचीत की और स्कूल विकास योजना के तहत उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का जायजा लिया। राजेश शर्मा ने छात्रों को अपने शैक्षणिक विकास और समग्र कल्याण के लिए पुस्तकालय और फिटनेस संबंधी बुनियादी ढाँचे का पूरा उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

पर्वतीय बचाव दल का पहला बैच एनयूडी सांबा प्रशिक्षण केंद्र में हुआ शुरू

जम्मू, 17 नवंबर (हि.स.)। पर्वतीय बचाव दल का पहला बैच (एमआरटी) पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आज एनयूडी सांबा प्रशिक्षण केंद्र में शुरू हुआ जो एमआरटी कर्मियों के लिए एक व्यापक कौशल-उन्नयन पहल की शुरुआत का प्रतीक है।

विभिन्न इकाइयों से कुल 40 प्रतिभागियों ने इस पंद्रह दिवसीय कार्यक्रम में भाग लिया है जिसे उनकी परिचालन दक्षता को निखारने और उच्च-ऊंचाई वाले बचाव कार्यों के लिए उनकी तैयारियों को बढ़ाने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया है।

यह पाठ्यक्रम इंस्पेक्टर राम सिंह द्वारा एमआरटी कोर टीम के साथ सीओ आईआर 12वीं बटालियन की देखरेख में संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षक उन्नत बचाव तकनीक, उच्च-कोण संचालन, रस्सी-संचालन कौशल, प्राथमिक चिकित्सा प्रतिक्रिया, भू-भाग नेविगेशन और ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी क्षेत्रों में प्रभावी कार्यप्रणाली के लिए आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल सिखाएंगे। प्रशिक्षण मॉड्यूल में वास्तविक समय की बचाव स्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाने के लिए परिदृश्य-आधारित अभ्यास भी शामिल हैं।

इस पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कर्मियों को आगामी श्री अमरनाथ जी यात्रा 2026 के लिए तैयार करना है, जहाँ एमआरटी टीमें चुनौतीपूर्ण मार्गों पर तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

यह पहल आपदा-प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत करने के लिए विभाग के निरंतर प्रयास को दर्शाती है और यह सुनिश्चित करती है कि एमआरटी कार्मिक कठिन इलाकों में आपात स्थिति के दौरान जीवन की रक्षा के लिए पूरी तरह से सुसज्जित रहें।

पुलिस ने लापता बालक को उसके परिवार से मिलवाया

कठुआ, 17 नवंबर (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के नेतृत्व में बसोहली पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में एक लापता बालक का पता लगाकर उसे उसके परिवार के सदस्यों से मिलवाया।

जानकारी के अनुसार बीते 18-10-2025 को शामली बेगम पत्नी मोहम्मद अख्तर निवासी घरोड तहसील बसोहली जिला कठुआ नामक एक महिला ने बसोहली थाना में अपने 20 वर्षीय पुत्र मोहम्मद अयाज के लापता होने की लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होने पर पुलिस स्टेशन बसोहली में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई और एसडीपीओ बसोहली के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बसोहली के पीएसआई स्वर्ण मन्हास के नेतृत्व में पुलिस स्टेशन बसोहली की एक टीम ने विभिन्न स्थानों पर खोजबीन की और तकनीकी सहायता तथा समय पर मानवीय हस्तक्षेप की मदद से लापता बालक को बरामद किया। सभी कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद उक्त लापता बालक को उसके कानूनी उत्तराधिकारियों को सौंप दिया गया।

लंबे समय से फरार चल रहे दो अपराधियों को किया गिरफ्तार

पुलवामा , 17 नवंबर (हि.स.)। भगोड़ों और घोषित अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के अपने निरंतर प्रयासों को जारी रखते हुए पुलवामा पुलिस ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है जो लंबे समय से कानून से बच रहे थे। विशेष सूचना के आधार पर काकापोरा थाना पुलिस ने कटिबुग काकापोरा निवासी नज़ीर अहमद डार उर्फ रुस्तम, पुत्र अब्दुल सलाम डार, को गिरफ्तार किया। उसे परक्राम्य लिखत अधिनियम के तहत एक मामले में माननीय जेएमआईसी पुलवामा न्यायालय द्वारा घोषित अपराधी घोषित किया गया था। लंबे समय तक फरार रहने के बाद उसे गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। एक अन्य कार्रवाई में राजपोरा थाना पुलिस ने शोपियां के ज़म्पाथरी केलर निवासी शब्बीर अहमद गोरसी पुत्र बाल्या गोरसी को गिरफ्तार किया। वह धारा 7/25 आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर संख्या 31/1996 में वांछित था और लगभग 25 वर्षों से फरार था। गिरफ्तारी के बाद उसे भी कानूनी प्रक्रिया के अनुसार माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

वीडीजी और एसओजी कर्मियों के लिए 2 दिवसीय फायरिंग अभ्यास आयोजित

कठुआ, 17 नवंबर (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के समग्र पर्यवेक्षण में डीएसपी एसओजी बनी और एसएचओ थाना बनी के गहन पर्यवेक्षण में वीडीजी और एसओजी कर्मियों के लिए 02 दिवसीय बुनियादी फायरिंग अभ्यास आयोजित किया गया।

इस अवसर पर पर्यवेक्षी अधिकारियों ने उन्हें हथियारों और गोला-बारूद को संभालने और उनका उपयोग करने, हथियारों को सही तरीके से संभालने, सुरक्षित लोडिंग-अनलोडिंग प्रक्रिया, निशाना लगाने और फायरिंग के तरीके, आग्नेयास्त्रों के नियमित रखरखाव और सफाई के साथ-साथ अपनी ड्यूटी के दौरान अतिरिक्त सतर्क रहने के निर्देश दिए। इसके अलावा वीडीजी सदस्यों को फील्ड क्राफ्ट की रणनीतियों से भी परिचित कराया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य आत्मविश्वास बढ़ाना, फायरिंग कौशल में सुधार करना और सुरक्षा बलों के साथ समन्वय को बढ़ाना है। कई वीडीजी और एसओजी कर्मियों ने बुनियादी फायरिंग अभ्यास में भाग लिया। इसके अलावा एसएसपी ने संबंधित पर्यवेक्षी अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि सभी हथियार सुरक्षा नियमों और विनियमों का हर समय पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि ये अभ्यास वीडीजी को पुनर्जीवित करने और उन्हें दूरस्थ एवं संवेदनशील क्षेत्रों में रक्षा की प्रथम पंक्ति के रूप में कार्य करने में मदद करने के लिए आवश्यक माने जाते हैं।

शराब तस्कर गिरफ्तार, अवैध शराब की 13 बोतलें बरामद

कठुआ; 17 नवंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर पुलिस कठुआ ने एसएसपी कठुआ सुश्री मोहिता शर्मा-आईपीएस की समग्र देखरेख में पीएस बिलावर के अधिकार क्षेत्र में 13 बोतलें अवैध शराब बरामद कीं।एसएचओ पीएस बिलावर इंस्पेक्टर के नेतृत्व में पुलिस ने अपने अधिकार क्षेत्र में वाहनों की जांच और तलाशी के लिए नाका स्थापित किया। चेकिंग के दौरान संदिग्ध आधार पर बिलावर से सुकराला की ओर आ रहे एक व्यक्ति को रोका जिसके हाथ में बैग था। चेकिंग से बचने के लिए उक्त व्यक्ति ने मौके से भागने की कोशिश की लेकिन पुलिस टीम ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान उसने अपना नाम बलदेव सिंह पुत्र हुकुम चंद निवासी सदरोटा ओरहा राया सियाल तहसील लोहाई मल्हार जिला कठुआ बताया। बैग की जांच के दौरान उसके कब्जे से xxx रम की 13 बोतलें (750/750 मिलीलीटर प्रत्येक) बरामद की गईं।

इस संबंध में एक मामला एफआईआर संख्या 170/2025 यू/एस 48 (ए)/आबकारी अधिनियम इस पी/एस बिलावर में दर्ज किया गया है। आगे की जांच चल रही है

ओडीओपी पहल के तहत जिले की तैयारियों की समीक्षा के लिए बैठक

बांदीपोरा, 17 नवंबर। बांदीपोरा की उपायुक्त इंदु कंवल चिब ने सोमवार को लघु सचिवालय में एक ज़िला एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल के तहत जिले की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान, उपायुक्त ने अन्य अनूठे और उच्च-संभावित उत्पादों की खोज के लिए वर्तमान ओडीओपी की समीक्षा पर ज़ोर दिया, जो ज़िले की आर्थिक मज़बूती का बेहतर प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पहले जिस ओडीओपी आधारित शॉल के बारे में बताया गया था, वह वास्तव में बांदीपोरा में प्रचलित नहीं है।

इस अवसर पर, उपायुक्त ने कहा कि भेड़ें ओडीओपी के लिए एक मज़बूत दावेदार के रूप में उभरी हैं, क्योंकि बांदीपोरा का पशुधन आधार बड़ा है, जिसमें तीन लाख से ज़्यादा भेड़ें, 7,200 पंजीकृत प्रजनक और स्थानीय मटन की लगभग आधी खपत ज़िले में ही पूरी होती है।

बैठक के दौरान, अधिकारियों ने गुरेजी भेड़ की नस्ल को मज़बूत करने, पीएमएफएमई के तहत भेड़ों को ओडीओपी में शामिल करने और मटन की साल भर की माँग, जो प्रसंस्करण, ब्रांडिंग और विपणन के अवसर प्रदान करती है, के उद्देश्य से चल रही एसकेयूएएसटी पहलों पर भी प्रकाश डाला। श्रम संबंधी चुनौतियों और स्थिरता संबंधी चिंताओं को स्वीकार करते हुए, उपायुक्त ने इस बात पर ज़ोर दिया कि किसी भी सफल ओडीओपी रणनीति के लिए बुनियादी ढाँचा विकास केंद्रीय भूमिका निभाता है।

बैठक के दौरान, उपायुक्त ने संबंधित विभागों को कच्चे माल की सहायता, प्रसंस्करण सुविधाओं, बाज़ार से जुड़ाव, कौशल विकास, रोज़गार सृजन और ज़िले के ओडीओपी प्रस्ताव को अंतिम रूप देने के लिए आवश्यक नीतिगत संरेखण के बारे में निर्देश जारी किए। उन्होंने विभागों को भविष्य की प्रसंस्करण इकाइयों के लिए अनुपालन की सुविधा हेतु प्रदूषण नियंत्रण समिति से संबंधित नियम प्राप्त करने का भी निर्देश दिया।

बैठक में शहद, सिंघाड़ा, कमल का तना और गुरेजी आलू सहित अन्य संभावित उत्पादों पर चर्चा की गई, साथ ही फ्रवोकल फ़ॉर लोकलफ्र विज़न के अनुरूप स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई।

पुलिस ने पीसीपीजी बैठकें कीं आयोजित

बारामूला , 17 नवंबर । बारामूला पुलिस ने अपने जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत ज़िले के सभी थानों और पुलिस चौकियों पर पीसीपीजी बैठकें आयोजित कीं। बैठकें बांडी कमालकोट, तंगपोरा वुसन पट्टन, शालगाम तंगमर्ग, कस्तूरी मोहल्ला पट्टन, चेक जमाल मीर पलहल्लन, शियापुर बारामूला, बाटापोरा डेलिना, चक्र उरूसा, कटजन कुंज़र, तुलवारी उरी, नूरखा, चेरदार गाँव, सदा मोहल्ला पट्टन और सरकारी मिडिल स्कूल दौलतपोरा में आयोजित की गईं। नागरिकों, छात्रों और समुदाय के सदस्यों ने स्थानीय मुद्दों पर चर्चा की और सुझाव साझा किए। प्रतिभागियों को नए आपराधिक कानूनों सतर्क रहने की आवश्यकता और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने पर ज़ोर दिया गया। बिजली, क्षतिग्रस्त खंभों, खेल के मैदानों/स्कूलों की कमी और अन्य बुनियादी सुविधाओं से संबंधित जन शिकायतों को संबंधित विभागों के साथ कार्रवाई के लिए नोट किया गया।

डीएसवीआर मूर्ति ने जम्मू-कश्मीर डाक सर्कल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल का पदभार ग्रहण किया

श्रीनगर, 17 नवंबर । डीएसवीआर मूर्ति, आईपीओएस (1998 बैच) ने आज उच्च प्रशासनिक ग्रेड (एचएजी) संवर्ग में पदोन्नति के बाद जम्मू और कश्मीर डाक परिमंडल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल (सीपीएमजी) का पदभार ग्रहण किया। इस पद पर नियुक्ति से पहले मूर्ति आंध्र प्रदेश डाक परिमंडल के विजयवाड़ा क्षेत्र में पोस्टमास्टर जनरल के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्य किया है जिनमें दक्षिण कर्नाटक के पोस्टमास्टर जनरल और रफ़ी अहमद किदवई राष्ट्रीय डाक अकादमी (आरएकेएनपीए), गाजियाबाद, नई दिल्ली के अतिरिक्त निदेशक शामिल हैं।

राणा ने कई प्रमुख परियोजनाओं का किया शुभारंभ

मेंढर, 17 नवंबर (हि.स.)। जल शक्ति, वन पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय कार्य मंत्री जावेद अहमद राणा ने मेंढर क्षेत्र में नागरिक बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने, कनेक्टिविटी बढ़ाने और इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई प्रमुख विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

मंत्री ने 50 लाख रुपये की लागत वाली मेंढर नगर जल निकासी उन्नयन परियोजना के पहले चरण का शुभारंभ किया जो केंद्र शासित प्रदेश के पूंजीगत व्यय बजट के तहत 10.15 करोड़ रुपये की एक बड़ी योजना का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना शहर के जल निकासी नेटवर्क का आधुनिकीकरण करेगी, स्वच्छता में सुधार करेगी, बाढ़ से बचाव की क्षमता बढ़ाएगी और जन स्वास्थ्य मानकों को बेहतर बनाएगी, जो सार्वजनिक उपयोगिताओं के समय पर और उच्च-गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने नाबार्ड के वित्तपोषण से 319.91 लाख रुपये की लागत से विकसित नवनिर्मित सड़क का भी उद्घाटन किया।

मंत्री ने कहा कि यह सड़क निवासियों के लिए यात्रा को आसान बनाएगी, दूरदराज की बस्तियों तक पहुँच में सुधार लाएगी और पवित्र जियारत से संपर्क को मजबूत करेगी।बाद में उन्होंने सुरनकोट के विधायक चौधरी मुहम्मद अकरम की उपस्थिति में 45 लाख रुपये की अनुमानित लागत से विकसित होने वाले जरांवाली गली में एक विश्राम गृह की आधारशिला रखी। यह आगामी सुविधा ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देगी, आगंतुकों के लिए बेहतर आवास प्रदान करेगी और वन विभाग की परिचालन क्षमता में वृद्धि करेगी।

हस्तशिल्प विभाग 20 नवंबर से श्रीनगर में तीन दिवसीय कारीगर कार्निवल का आयोजन करेगा

श्रीनगर, 17 नवंबर। अपने अपने कारीगर को जानें अभियान को जारी रखते हुए, हस्तशिल्प एवं हथकरघा विभाग, 20 से 22 नवंबर तक चिनार की आभा से आच्छादित शेर-ए-कश्मीर पार्क में तीन दिवसीय कारीगर कार्निवल का आयोजन करने जा रहा है, जो कश्मीर के कालातीत शिल्प और सांस्कृतिक विरासत का एक जीवंत उत्सव होगा।

आत्मीय कश्मीर ब्रांडिंग पहल के तहत एक प्रमुख कार्यक्रम के रूप में, यह तीन दिवसीय कार्यक्रम घाटी भर के 30 से अधिक कुशल कारीगरों को एक साथ लाएगा, जो एक ही छत के नीचे कश्मीरी हस्तशिल्प और हथकरघा की बेहतरीन कलाकृतियों का प्रदर्शन करेंगे। आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में, हस्तशिल्प एवं हथकरघा विभाग, कश्मीर के एक प्रवक्ता ने बताया कि आगंतुकों को कश्मीरी कारीगरों के स्वर्णिम हाथों द्वारा निर्मित विशिष्ट हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों का आनंद मिलेगा, जिनमें शिल्प गुरु, पद्मश्री और राष्ट्रीय एवं केंद्र शासित प्रदेश पुरस्कार विजेता शामिल हैं। उन्होंने कहा, सोज़नी और क्रूएल कढ़ाई, पश्मीना और कानी बुनाई, पेपर-माचे, तांबे के बर्तन (कांडकारी), विलो वर्क, ट्वीड मेकिंग जैसे प्रतिष्ठित शिल्पों के लाइव डेमो प्रदर्शित किए जाएँगे। उन्होंने आगे कहा कि मास्टर्स से मिलें इंटरैक्टिव सत्र इस आयोजन का एक और मुख्य आकर्षण होगा कारीगर कार्निवल बड़े सोलफुल कश्मीर अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य आगंतुकों को एक गहन अनुभव प्रदान करते हुए क्षेत्र के प्रसिद्ध कारीगरों को पुनर्जीवित करना, बढ़ावा देना और उनके लिए स्थायी बाज़ार संपर्क प्रदान करना है।

हिमालयी हिमक्षेत्र सम्मेलन सम्पन्न, जलवायु संकट से निपटने के लिए व्यापक रणनीति पर बल

अमीर इक़बाल ख़ान

भद्रवाह, 17 नवंबर। जम्मू विश्वविद्यालय के भद्रवाह परिसर में हिमालयी क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर केंद्रित दो दिवसीय तृतीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन — हिमक्षेत्र में परिवर्तन और पारितंत्र सेवाओं, पारंपरिक ज्ञान प्रणाली तथा भारतीय हिमालयी क्षेत्र में सतत विकास पर प्रभाव — सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।समापन सत्र में तेजी से बदलते हिमक्षेत्र और उससे पैदा हो रही चुनौतियों से निपटने हेतु त्वरित और समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया।

समापन अवसर पर रामनगर के विधायक डॉ. सुनील भारद्वाज ने कहा कि शोध तभी सार्थक है जब वह आम लोगों तक पहुँचे। उन्होंने भद्रवाह परिसर की पहल की सराहना करते हुए कहा, यहाँ की चर्चाएँ केवल कक्षाओं तक सीमित न रहें, बल्कि नीतियों और ज़मीनी कार्रवाई तक पहुँचें।उन्होंने जम्मू-कश्मीर में विज्ञान आधारित पहलों को पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया।

भद्रवाह परिसर के प्राध्यापक-प्रमुख प्रोफ़ेसर राहुल गुप्ता ने कहा कि यह सम्मेलन पर्वतीय अनुसंधान को नई दिशा प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा, हम युवा शोधार्थियों को विषय विशेषज्ञों के साथ कार्य करने का अवसर दे रहे हैं, जिससे स्थानीय शैक्षणिक आधार सशक्त होगा और वैश्विक सहयोग का मार्ग प्रशस्त होगा।

सम्मानित अतिथि प्रोफ़ेसर दिपांकर सेंगुप्ता और उप-जिलाधिकारी भद्रवाह सुनील कुमार भूटयाल ने भी स्थानीय समुदायों को जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सशक्त बनाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

भूटयाल ने कहा कि प्रशासन और शैक्षणिक संस्थानों के संयुक्त प्रयास ही जलवायु संवेदनशीलता को कम करने में सहायक होंगे।

जेएंडके पुलिस पब्लिक स्कूल बेमिना में स्वागत समारोह आयोजित

श्रीनगर, 17 नवंबर (हि.स.)। जेएंडके पुलिस पब्लिक स्कूल बेमिना ने नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के उपलक्ष्य में एक गर्मजोशी भरे और हर्षोल्लासपूर्ण स्वागत समारोह का आयोजन किया।

स्कूल परिसर उत्साह से भर गया जब प्रधानाचार्य सज्जाद अहमद खान, जेकेपीपीएस श्रीनगर, शबीरा शबनम, प्रधानाध्यापिका जेकेपीपीएस श्रीनगर और समर्पित स्टाफ सदस्यों ने नव प्रवेशित छात्रों और उनके अभिभावकों का स्वागत किया।

सभा को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्य ने अपने बच्चों की शिक्षा के लिए जेएंडके पुलिस पब्लिक स्कूल को चुनने वाले अभिभावकों का आभार व्यक्त किया और उन्हें आश्वासन दिया कि स्कूल गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, अनुशासन और समग्र विकास के माध्यम से उनके विश्वास को बनाए रखेगा। उन्होंने प्रत्येक बच्चे का ध्यान और उत्कृष्टता के साथ पालन-पोषण करने के लिए स्कूल की प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया।

उत्साह और उत्सव के प्रतीक के रूप में नव प्रवेशित छात्रों के बीच मिठाइयाँ बाँटी गईं जिससे इस अवसर की रौनक और बढ़ गई। कार्यक्रम का समापन शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों के बीच सकारात्मक बातचीत के साथ हुआ जिसने आने वाले वर्ष के लिए एक आशाजनक माहौल तैयार किया।

Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana (PMGSY)
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER (PMGSY) DIVISION Kathua

Sub:- Corrigendum Regarding Conditions
Ref:- This office e-NIT No. EE/PMGSY/Kua/9 of 2025-26 dated 10.11.2025

In continuation of the previously issued document, the following corrections and clarifications may be read and treated as final:
1. Estimated Cost (MRL05 Panagar to Salar Via Manon)
the Estimated Cost may be read as ?11,699,000.00 instead of ?11,700,000.00.
2. Condition at S. No. 32 (Part-1) Both work 1.MRL03 Sochara to Badighat & MRL05 Panagar to Salar Via Manon)
The entry corresponding to Document S. No. 09 shall be treated as Nil.
3. Additional Documents to be Considered as Attached/Enclosed
The following documents are hereby added and shall be considered as enclosed:
o Copy of EPF Registration Number.
o Self-declaration on letterhead or affidavit stating that "I am not a PRI Member (Sarpanch, BDC, DDC, Chairperson, etc.)".
o Affidavit, the correctness of which is duly attested by a First Class Magistrate.
Rest all other terms and conditions will remain same as already advertised.
No:-EE/P/PMGSY/2774-83
Dated: 14.11.2025

Sd/-
Executive Engineer PMGSY Division Kathua
for and on
behalf of the Government
Of Jammu and Kashmir

DIP/J-8042/25
Dtd: 17-11-2025

संपादकीय

कैंसर को शुरू होने से पहले ही रोकना

चिकित्सा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के कैंसर सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बनकर उभरे हैं, जहाँ विभिन्न आयु वर्ग के लगभग सभी प्रकार के लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं, जिसे पारंपरिक रूप से घातक बीमारी कहा जाता है। बेशक, चिकित्सा पेशे ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है क्योंकि आज निदान और उपचार के मामले में काफी प्रगति हुई है, लेकिन जैसा कि प्रसिद्ध कहावत है, रोकथाम इलाज से बेहतर है, कैंसर को जानलेवा बीमारी के रूप में बढ़ने से रोकना ही इस पूरे क्षेत्र में महत्वपूर्ण संस्थाओं का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। यह दिलचस्प है कि जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज स्थित राय कैंसर संस्थान ने कथित तौर पर पाँच वर्षों की अवधि में 9,427 कैंसर के मामलों का दस्तावेजीकरण किया है, जिनमें से अधिकांश मरीज़ तब अस्पताल पहुँचे जब बीमारी तीसरे और चौथे चरण के बीच के उन्नत स्तर पर पहुँच चुकी थी। इस मामले में ध्यान देने वाली बात यह है कि बहुत से लोग कैंसर के इलाज के लिए केंद्र शासित प्रदेश से बाहर जाना पसंद करते हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि जम्मू क्षेत्र से सामने आने वाले कैंसर के मामले उपरोक्त संस्थान में दर्ज मामलों से कहीं अधिक हैं। इन महत्वपूर्ण आँकड़ों को देखते हुए, यह ज़रूरी हो गया है कि सत्ताधारी लोग कैंसर की रोकथाम के उपायों पर ध्यान केंद्रित करें और इसके मूल कारणों को दूर करने के लिए ठोस प्रयास करें, जिसमें जीवनशैली संबंधी जोखिमों पर बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान, तंबाकू और नशीले पदार्थों पर सख्त नियंत्रण, सामुदायिक स्तर पर प्रारंभिक जाँच कार्यक्रम, पर्यावरण प्रदूषण में कमी और सुरक्षित खाद्य मानकों को सुनिश्चित करना शामिल है। दुर्भाग्य से, इन सभी कारकों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है क्योंकि वर्तमान स्थिति निराशाजनक है क्योंकि उपयोग में आने वाले विभिन्न खाद्य पदार्थ कैंसरकारी हैं, हर तरह का प्रदूषण व्याप्त है, और शहरों में अधिकांश लोगों की जीवनशैली संदिग्ध है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में स्वास्थ्य सेवा ढांचे में सुधार की आवश्यकता भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वर्तमान में स्थिति धीमी है और लोगों को, खासकर ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में, समय पर जाँच और उपचार जैसी सुविधाओं तक पहुँच पाने में कठिनाई हो रही है।

कुल मिलाकर, नीतिगत सुधारों, जागरूकता और मजबूत बुनियादी ढांचे द्वारा समर्थित एक भविष्योन्मुखी रणनीति कैंसर की घटनाओं को काफी हद तक कम कर सकती है और भावी पीढ़ियों के स्वास्थ्य की रक्षा कर सकती है, इसलिए जम्मू-कश्मीर और अन्य जगहों पर लोगों के बहुमूल्य जीवन को बचाने के लिए इस दिशा में जल्द से जल्द कदम उठाए जाने चाहिए।

श्रम संहिता- भविष्य अनुकूल कार्यबल का निर्माण

नियोक्ताओं, श्रमिकों, गिग इकोनॉमी प्रतिभागियों, महिला कर्मचारियों और बड़े पैमाने पर समाज को लाभ पहुंचाने के लिए एक सरलीकृत, समावेशी और प्रगतिशील ढांचा

– सुश्री ज्योति विज

देश आर्थिक और श्रम परिदृश्य में एक ऐतिहासिक परिवर्तन का साक्षी बन रहा है। 29 से अधिक केंद्रीय श्रम कानूनों को चार व्यापक श्रम संहिताओं में समेकित करना केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं है बल्कि यह श्रम इकोसिस्टम निर्माण की दिशा में एक कदम है जो आधुनिक, समावेशी और तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था की वास्तविकताओं के प्रति उत्तरदायी है।

लंबे समय से उद्योग जगत द्वारा श्रम सुधार एक मुख्य मांग रही है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के एकीकरण, प्रौद्योगिकी द्वारा उद्योगों को बाधित करने और रोजगार के नए विकल्पों के उभरने के साथ, देश को एक ऐसे ढांचे की आवश्यकता है जो व्यापार प्रतिस्पर्धात्मकता का समर्थन कर सके और श्रमिकों के अधिकारों और गरिमा की रक्षा कर सके। चार श्रम संहिताएं- मजदूरी, औद्योगिक सम्बंध, सामाजिक सुरक्षा, और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और काम करने की स्थिति पर - एक एकीकृत और सरलीकृत प्रणाली प्रदान करके ठीक यही करना चाहती हैं जो अस्पष्टता को कम करती है और अधिक समानता सुनिश्चित करती है।

नियोक्ताओं के लिए लाभ

उद्यमों के लिए, विशेष रूप से प्रतिस्पर्धी वैश्विक वातावरण में, श्रम संहिता बहुत आवश्यक सरलीकरण प्रदान करती है। कई अनुपालन और अतिव्यापी परिभाषाओं को एक स्पष्ट और एकीकृत प्रणाली में बदल दिया गया है। डिजिटल फाइलिंग, समान वेतन परिभाषाएं और सुव्यवस्थित लाइसेंसिंग प्रक्रियाएं अनुपालन बोझ को कम करती हैं और पारदर्शिता लाती हैं।

ये सुधार देश के एमएसएमई और स्टार्ट-अप के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। अनुपालन जटिलता को कम करके और एकल-खिड़की मंजूरी को सक्षम करके, श्रम संहिताएं छोटे व्यवसायों को तेजी से बढ़ने और घरेलू और वैश्विक बाजारों में अधिक प्रभावी ढंग से भाग लेने के लिए सशक्त बनाती हैं। महत्वपूर्ण रूप से, निश्चित अवधि के रोजगार और आधुनिक विवाद समाधान के प्रावधान व्यवसायों को प्रक्रियात्मक देरी से बाधित हुए बिना बढ़ने और अनुकूलन करने के लिए लचीलापन प्रदान करती हैं।

समान रूप से महत्वपूर्ण छोटे अपराधों का गैर-अपराधीकरण है, जो विशिष्ट प्रक्रियात्मक उल्लंघनों के लिए आर्थिक दंड के साथ कारावास को प्रतिस्थापित करता है। यह अधिक विश्वास-आधारित अनुपालन वातावरण के लिए एक प्रगतिशील पहल का प्रतिनिधित्व करता है, अनावश्यक मुकदमेबाजी को कम करता है, और नियोक्ताओं और नियामकों के बीच स्व-नियमन और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा देता है।

श्रमिकों के लिए लाभ

श्रमिकों के लिए संहिता, निष्पक्षता के सिद्धांत को सुदृढ़ करती है। वेतन संहिता सार्वभौमिक न्यूनतम मजदूरी और वेतन का समय पर भुगतान सुनिश्चित करती है, इससे मनमाने या विलंबित भुगतान की संभावना समाप्त हो जाती है। व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता कार्यस्थल सुरक्षा को मजबूत करती है, कल्याणकारी सुविधाओं को अनिवार्य करती है, और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच शुरू करती है। भविष्य निधि, ग्रेच्युटी, मातृत्व अवकाश और बीमा सहित सामाजिक सुरक्षा लाभ श्रमिकों के व्यापक आधार तक बढ़ाए जाते हैं, इससे उन लाखों लोगों को वित्तीय सुरक्षा मिलती है जो पहले इस दायरे में नहीं आते थे। अक्सर नियामक ढांचे से बाहर रहने वाले अंतरराज्यीय प्रवासी श्रमिक, श्रम संहिताओं से मान्यता और सुरक्षा पाते हैं। ये प्रावधान नियोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच सामाजिक अनुबंध को मजबूत करते हैं, काम की गरिमा को बनाए रखते हैं।

गिग और प्लेटफ़ॉर्म वर्कर्स के लिए लाभ

शायद सबसे दूरदर्शी प्रावधान गिग और प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों और एग्रीगेटर्स की औपचारिक मान्यता है। लगभग 8 मिलियन भारतीय गिग इकॉनमी (एक ऐसी अर्थव्यवस्था जिसमें पारंपरिक 卐नौकरी卐 के बजाय अस्थायी, फीलांस और अंशकालिक काम पर जोर दिया जाता है) में लगे हुए हैं और आने वाले दशक में इस संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। श्रम संहिता समावेशी विकास के लिए एक आधार प्रदान करती है। सामाजिक सुरक्षा संहिता उन योजनाओं के माध्यम से सुरक्षा प्रदान करती है जो स्वास्थ्य, मातृत्व, बीमा और वृद्धावस्था लाभों को कवर करती हैं। यह एक ऐतिहासिक कदम है जो काम के पारंपरिक और नए विकल्पों के बीच के अंतर को कम करता है। यह सुनिश्चित करता है कि जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी नौकरियों के भविष्य को नया आकार देती है, उभरते क्षेत्रों में श्रमिक पीछे न रहें।

महिला कर्मचारियों के लिए लाभ

ये संहिताएं कार्यस्थल में लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने की दिशा में भी एक कदम आगे हैं। वे समान काम के लिए समान वेतन के सिद्धांत की पुष्टि करते हैं, मातृत्व लाभ को मजबूत करते हैं और क्रेच सुविधाओं के लिए प्रावधान लागू करते हैं। सुरक्षा और गरिमा के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों के साथ महिलाओं के काम के घंटों पर प्रतिबंधों को कम करके - श्रम संहिताएं महिलाओं के लिए उन क्षेत्रों और बदलावों में भाग लेने के अवसर पैदा करती हैं जो पारंपरिक रूप से कठिन थे। उच्च वेतन वाली नौकरी जैसे कि खान श्रमिक तथा भारी मशीनरी का संचालन आदि क्षेत्रों में काम करने का अवसर प्रदान करने के साथ ही महिलाओं को भेदभाव से भी बचाता है। ऐसे समय में जब देश में महिला श्रम बल की भागीदारी वैश्विक औसत से कम है, ऐसे सुधार महिलाओं को आर्थिक विकास में पूरी तरह से योगदान करने में सक्षम बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

अन्य हितधारकों के लिए लाभ

नियोक्ताओं और कर्मचारियों के अलावा, श्रम संहिता सरकारी एजेंसियों को पारदर्शी कार्यान्वयन के लिए एक आधुनिक ढांचा प्रदान करते हुए, अनुपालन को सरल बनाकर और विकास को सक्षम करके एमएसएमई और स्टार्ट-अप को भी लाभ पहुंचाती है। निवेशकों के लिए, एक पूर्वानुमानित और व्यापार के अनुकूल श्रम व्यवस्था देश की विकास गाथा में विश्वास बढ़ाती है। मजदूर संघों को मान्यता और बातचीत प्रक्रियाओं में स्पष्टता मिलती है, इससे सामाजिक संवाद के ढांचे को मजबूती मिलती है। अंततः, जब काम सुरक्षित, निष्पक्ष और अधिक समावेशी हो जाता है तो समग्र रूप से समाज को लाभ होता है।

श्रम संहिताएं एक नए अध्याय की शुरुआत हैं। इनकी सफलता सुचारू कार्यान्वयन, राज्यों के बीच समन्वय और सभी हितधारकों की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करेगी। देश के लिए अगला दशक महत्वपूर्ण होने वाला है, इसलिए हमें अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का उपयोग करना चाहिए और प्रौद्योगिकी, वैश्वीकरण और स्थिरता की अनिवार्यताओं के अनुकूल दिए गए काम के लिए भविष्य में तैयार रहना चाहिए। श्रम संहिता इस परिवर्तन के लिए कानूनी आधार प्रदान करती है - उद्यमों को लचीलापन, श्रमिकों की सुरक्षा और सामाजिक समानता प्रदान करती है। यदि श्रम संहिताओं को अक्षरशः लागू किया जाए तो विकास समावेशी, टिकाऊ और भविष्य के लिए तैयारी सुनिश्चित करते हुए, एक वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में भारत की स्थिति मजबूत हो सकती है।

महानिदेशक, फ़िक्की

बिहार का जनादेश और भारतीय राजनीति का उभरता परिदृश्य

हरदीप सिंह पुरी

बिहार की जनता ने एक ऐसा जनादेश दिया है, जिसका महत्व सीटों के गणित से कहीं आगे जाता है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने विधानसभा की 243 सीटों में से 202 सीट पर जीत दर्ज की है, जबकि भारतीय जनता पार्टी ने अकेले 89 सीटें हासिल की हैं, जो राज्य में पार्टी का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। दशकों तक विभिन्न गठबंधनों के तहत बिहार की राजनीति पर अपना दबदबा बनाए रखने के बाद, महागठबंधन अब सिर्फ़ 34 सीटों पर सिमट गया है। 7.4 करोड़ से ज़्यादा पंजीकृत मतदाताओं में से 67.13 प्रतिशत ने मतदान किया। यह चुनाव राज्य के हाल के इतिहास में सबसे कड़े मुक़ाबले वाले चुनावों में से एक सिद्ध हुआ है और चुनाव परिणामों ने वास्तविक लोकतांत्रिक गहराई को रेखांकित किया है।

वर्षों तक, बिहार पर व्यक्त किये गए विचारों में राज्य को समय के प्रवाह में एक रुका हुआ राज्य मान लिया गया था। चुनावों को जातिगत अंकगणित की कवायद माना जाता था और सामाजिक जनसांख्यिकी को राजनीतिक नतीजों में तब्दील कर दिया जाता था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारतीय राजनीति का परिदृश्य निर्णायक रूप से विकास, समावेश और राज्य क्षमता के रूप में बदल गया है तथा बिहार के मतदाताओं ने इस बदलाव को लेकर पूरी स्पष्टता से जवाब दिया है। 2025 के परिणाम एक ऐसे मतदाता को इंगित करते हैं, जिसकी आकांक्षा बड़ी है और जिसने असुरक्षा व पक्षाघात वाले बिहार तथा बेहतर शासन वाले बिहार के बीच के अंतर को महसूस किया है। कई नागरिकों ने बातचीत में और मतदान के पैटर्न में व्यक्त किया है कि 2024 के आम चुनाव में अपेक्षा से कम समर्थन के बाद यह चुनाव जिम्मेदारी की भावना लेकर आया है। लोगों ने अपने निष्कर्ष निकाले हैं कि वे देश की व्यापक यात्रा में बिहार को कहाँ देखना चाहते हैं।

बेहतर शासन ने इस परिवर्तन को आधार प्रदान किया है। पिछले एक दशक में, बिहार में 55,000 किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कों का निर्माण या उन्नयन हुआ है, जो गांवों को बाजारों, स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों से जोड़ती हैं। केंद्रीय योजनाओं और राज्य कार्यक्रमों के संयोजन के माध्यम से लाखों परिवारों को बिजली, पेयजल और सामाजिक सुरक्षा प्राप्त हुई है। सौभाग्य और उससे जुड़ी पहलों के तहत, बिहार में 35 लाख से ज़्यादा घरों का विद्युतीकरण किया गया, जिससे राज्य सार्वभौमिक घरेलू बिजली आपूर्ति के करीब पहुँच गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत, बिहार के लिए 57 लाख से ज़्यादा पक्के घर स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से कई महिलाओं के नाम पर पंजीकृत हैं। ये आँकड़े उन ठोस बदलावों की ओर इशारा करते हैं, जिन्हें लोग देख और अनुभव कर सकते हैं- एक बारहमासी सड़क, एक जलती रहने वाली रोशनी, एक नियमित पेयजल आपूर्ति करने वाला नल तथा एक ऐसा घर, जो सम्मान प्रदान करता हो।

जैसे-जैसे इन सार्वजनिक कल्याण कार्यक्रमों का विस्तार हुआ, पुरानी शक्तियों की पकड़ ढीली होती गयी। बिहार का समाज विविधतापूर्ण और बहुस्तरीय है, फिर भी चुनावी लिहाज़ से यह बहुस्तरीय समाज अपने समुदायों तक सीमित नहीं रहा। विभिन्न समुदायों की महिलाएँ अब सुरक्षा, आवागमन और अवसर को लेकर एक जैसी अपेक्षाएँ रखती हैं। कभी सामाजिक पदानुक्रम के विपरीत छोर पर खड़े परिवारों के युवा अब खुद को एक ही कोचिंग क्लास और श्रम बाज़ार में पाते हैं। उनके रोज़मर्रा के अनुभव उन्हें आकांक्षाओं के एक साझा दायरे में ले आते हैं। उस दायरे में, वे राजनीति से रोज़गार, अवसंरचना, स्थिरता और निष्पक्षता जैसे सवाल पूछते हैं।

इस जनादेश ने वंशवाद-केंद्रित राजनीति पर भी एक स्पष्ट संदेश दिया है। पारिवारिक करिश्मे और विरासत में मिले नेटवर्क पर निर्भर रहने वाली पार्टियों का विधायी दायरा तेज़ी से सिकुड़ रहा है। बिहार ने कई दशकों से ऐसे गठबंधनों को करीब से देखा है और उनकी सीमाओं को समझा है। 2025 के नतीजे बताते हैं कि मतदाता इस बात पर गौर कर रहे हैं कि नेता सरकार में कैसा व्यवहार करते हैं, संकट के समय में उनकी प्रतिक्रिया कैसी होती है, संस्थाओं के साथ कैसे व्यवहार करते हैं और सार्वजनिक संसाधनों का किस रूप में उपयोग करते हैं। व्यापक राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में पारिवारिक पृष्ठभूमि मौजूद है, लेकिन वहाँ भी कड़ी मेहनत, संगठनात्मक क्षमता और सेवा के रिकॉर्ड से जुड़ी माँगें उन्हें बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करती हैं।

युवा मतदाताओं का व्यवहार इस बदलाव का मूल तत्व है। बिहार भारत की सबसे युवा जनसांख्यिकीय आबादी वाले राज्यों में से एक है और 2000 के बाद जन्म लिए लाखों नागरिकों ने इस चुनाव में मतदान किया है। वे ऐसे भारत में पले-बढ़े हैं जहाँ एक्सप्रेसवे, डिजिटल भुगतान, प्रतिस्पर्धी संघवाद और महत्वाकांक्षी कल्याणकारी योजनाएँ अपेक्षाओं को आकार देती हैं। वे राज्यों की तुलना करते हैं, घोषणाओं पर नज़र रखते हैं और नेताओं का मूल्यांकन इस आधार पर करते हैं कि वादे कितनी तेज़ी से कार्यान्वित होते हैं। उनके लिए, समय पर बनी सड़क और कभी फ़ाइल से बाहर न आने वाली सड़क के बीच का अंतर समझना कोई कठिन बात नहीं है। वे हर दिन उस अंतर का अनुभव करते हैं जब वे कॉलेजों, कोचिंग सेंटर या कार्यस्थलों पर आते-जाते हैं, या जब वे अपने परिवारों को परिवहन संपर्क-सुविधा और कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित होते देखते हैं।

यह पीढ़ी राष्ट्रीय एकजुटता के लिए भी एक तीव्र प्रवृत्ति रखती है। युवा मतदाता ऐसी बयानबाजी के प्रति सतर्क रहते हैं, जो संस्थानों को कमज़ोर करती हैं, अलगाववादी भावनाओं को भड़काती हैं या राष्ट्रीय सुरक्षा को कम महत्व देती हैं। वे बेरोज़गारी और असमानता सहित नीतिगत बहसों में आलोचनात्मक रूप से शामिल होते हैं, फिर भी वे गणतंत्र को बेहतर बनाने वाली आलोचना और देश की एकजुटता के प्रति उदासीन आख्यानों के बीच एक रेखा खींचते हैं। बिहार का जनादेश इसी अंतर को प्रतिबिंबित करता है। मतदाताओं ने एक ऐसे राजनीतिक गठबंधन को अपना समर्थन दिया है, जो विकास और राष्ट्रीय उद्देश्य दोनों को असाधारण स्पष्टता के साथ व्यक्त करता है।

कानून-व्यवस्था एक अन्य व्याख्या प्रस्तुत करती है। बिहार के चुनाव कभी बूथ कब्जे और हिंसा से जुड़े होते थे। हाल के वर्षों में, और खासकर इस चुनावी दौर में, ये छवियाँ काफी हद तक धुंधली पड़ गई हैं। कड़े सुरक्षा उपायों और आर्थिक विकास के संयुक्त प्रभाव से उग्रवाद कमजोर पड़ा है। व्यापारी अब अपनी दुकानें ज़्यादा देर तक खुली रखते हैं, छात्र ज़्यादा आत्मविश्वास से यात्रा करते हैं और परिवार निश्चिंत होकर सार्वजनिक जीवन का अनुभव करता है। जिस मतदाता ने इन सुधारों को देखा है, वह अपने प्रतिनिधियों को चुनते समय इसे नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता।

इन घटनाक्रमों पर विपक्ष के कुछ हिस्सों की प्रतिक्रिया चौंकाने वाली रही है। अपने समर्थन में आई कमी के कारणों पर विचार करने के बजाय, कुछ नेता चुनाव आयोग, मतदाता सूचियों या पूरी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर ही संदेह व्यक्त कर रहे हैं। यह रवैया बिहार के मतदाताओं की बुद्धिमत्ता के साथ न्याय नहीं करता। यह इस तथ्य की भी अनदेखी करता है कि इसी संस्थागत व्यवस्था ने अन्य राज्यों में विपक्ष के पक्ष में भी नतीजे दिए हैं। मतदाता उस व्यवस्था की निंदा करने के बजाय अपनी चिंताओं के साथ अधिक गंभीर जुड़ाव की अपेक्षा करता है जिसका उसने अभी इतने उत्साह से इस्तेमाल किया है।

व्यापक राष्ट्रीय और वैश्विक संदर्भ में, बिहार का जनादेश एक उभरते हुए पैटर्न को मजबूत करता है। ऐसे समय में जब कई लोकतंत्र ध्रुवीकरण, आर्थिक कठिनाई और संस्थागत थकान से जूझ रहे हैं, भारत ने उच्च भागीदारी, स्थिर नेतृत्व तथा विकास, समावेश और राष्ट्रीय शक्ति पर केंद्रित नीति मार्ग पर आगे बढ़ना जारी रखा है। बिहार के परिणाम, इस विकास-पथ के लिए लोकतांत्रिक समर्थन की एक और परत जोड़ते हैं। राजनीतिक रूप से भारत के सबसे जागरूक राज्यों में से एक के मतदाता महसूस करते हैं कि उनकी प्रगति, 2047 तक एक विकसित और आत्मविश्वास से भरे भारत की ओर देश की बड़ी यात्रा के साथ जुड़ी हुई है।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के लिए यह जनादेश प्रोत्साहन और निर्देश दोनों है। यह अवसंरचना, कल्याणकारी सेवा अदायगी और सुरक्षा पर जोर को मान्यता देता है, लेकिन यह तेजी से रोजगार सृजन, गहन सुधारों और निरंतर संस्थागत सुधार की उम्मीदों को भी सामने रखता है। विपक्ष के लिए, यह जनादेश रणनीति, नेतृत्व और कार्यक्रम के बारे में गंभीर सवाल खड़े करता है। बिहार के मतदाताओं ने संकेत दिया है कि वे शासन, गंभीरता और राष्ट्रीय एकता के प्रति सम्मान पर आधारित राजनीति की उम्मीद करते हैं। ये उम्मीदें आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति का परिदृश्य तय करेंगी।

(लेखक भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हैं)

मतदाता सूची की शुचिता का प्रश्न और एसआईआर की अनिवार्यता

– डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहाँ शासन की असली शक्ति जनता के हाथों में निहित मानी जाती है। यहाँ सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है और संविधान की स्पष्ट व्यवस्था के अनुसार यह प्रक्रिया चुनाव आयोग की निष्पक्ष संरचना और उसकी कार्यशैली द्वारा संचालित होती है। मतदाता सूची इस पूरी प्रक्रिया की आधारशिला है—क्योंकि उसी के माध्यम से नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। इसलिए मतदाता सूची की विश्वसनीयता और शुचिता लोकतंत्र की स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यही संदर्भ विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया—स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (Special Intensive Revision - SIR) को अत्यधिक महत्वपूर्ण बनाता है।

मतदाता सूची में त्रुटियाँ कई रूपों में सामने आती हैं- मृत व्यक्तियों के नाम, एक व्यक्ति का दो स्थानों पर नाम, पात्र मतदाताओं के नाम का गायब होना या पते के परिवर्तन के बावजूद संशोधन न होना। ऐसी स्थिति चुनावों की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 चुनाव आयोग को व्यापक अधिकार देता है, जिसमें चुनाव संचालन, नियंत्रण, निर्देशन और पर्यवेक्षण शामिल हैं। अतः एसआईआर केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संवैधानिक रूप से स्थापित लोकतांत्रिक दायित्व है।

साल 1950 में संविधान लागू होने के बाद से ही चुनाव आयोग नियमित रूप से मतदाता सूची में संशोधन करता रहा है। कुछ राज्यों में एसआईआर के दौरान बड़ी मात्रा में मृतकों के नाम हटाए गए, गलत प्रविष्टियाँ सुधारी गईं और स्थानांतरित या नए पात्र मतदाताओं को सूची में जोड़ा गया। बिहार और बंगाल में हुए पुनरीक्षणों के उदाहरण बताते हैं कि लंबे समय से निष्क्रिय पड़े नामों को हटाने से मतदाता सूची अधिक वास्तविक और पारदर्शी बन सकी। बंगाल में 7.6 करोड़ मतदाताओं की सूची में से लगभग 47 लाख नाम हटाए गए, जिससे पता चलता है कि अगर नियमित संशोधन न हो तो सूची कितनी विकृत हो सकती है।

मतदाता सूची में त्रुटियाँ केवल तकनीकी समस्या नहीं- वे चुनावी निष्पक्षता, प्रतिनिधित्व के अधिकार और जनविश्वास पर सीधा आघात करती हैं। यदि किसी नागरिक का नाम सूची से गायब है तो वह अपने मौलिक लोकतांत्रिक अधिकार-मताधिकार से वंचित हो जाता है। दूसरी ओर, मृतकों या स्थानांतरित लोगों के नाम बने रहने से फर्जी मतदान या राजनीतिक दुरुपयोग की आशंका बढ़ती है। इन विसंगतियों से लोकतंत्र की वैधता कमजोर होती है।

कुछ लोग एसआईआर को राजनीतिक हस्तक्षेप या सरकार द्वारा मतदाता सूचियों में हस्तक्षेप के रूप में देखने लगते हैं, जबकि यह शंका तथ्यहीन है। मतदाता सूची का शुद्धिकरण किसी दल की जीत या हार के लिए नहीं, बल्कि निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए आवश्यक है। चुनाव आयोग पूर्णतः स्वायत्त संस्था है और उसके निर्णय न्यायालयों द्वारा भी संरक्षित माने जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कई फैसलों में स्पष्ट कहा है कि निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की आधारशिला है और इसके लिए मतदाता सूची की शुचिता सुनिश्चित करना अनिवार्य है।

एसआईआर के दौरान नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। यदि लोग स्वयं अपनी प्रविष्टियों की जाँच न करें, त्रुटियाँ सम्बंधित बूथ लेवल अधिकारियों को न बताएं और दस्तावेज उपलब्ध न कराएं तो प्रक्रिया धीमी हो जाती है। आज भी बड़ी संख्या में ऐसे नागरिक हैं जिनके नाम गलत होने पर वे स्वयं सुधार के लिए आगे नहीं आते। यह उदासीनता लोकतंत्र को कमजोर करती है। इसलिए चुनाव आयोग ने डिजिटल साधनों- जैसे वोटर हेल्पलाइन ऐप, ऑनलाइन फॉर्म, पोर्टल का उपयोग बढ़ाया है ताकि लोग आसानी से संशोधन कर सकें। एसआईआर के विरोध करने वालों को यह समझना चाहिए कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची में विसंगतियों को दूर करने, फर्जी मतदान रोकने और सही मतदाता आधार सुरक्षित करने के लिए है। जिन राज्यों में यह प्रक्रिया रोकी गई या राजनीतिक विवाद के कारण ठप हो गई, वहां मतदाता सूची में भारी त्रुटियाँ पाई गईं। ऐसे मामलों में न्यायालयों ने स्वयं दिशा-निर्देश जारी कर मतदाता सूची के शुद्धिकरण की आवश्यकता दोहराई है। अतः एसआईआर का विरोध लोकतांत्रिक मूल्यों का विरोध है। भारत जैसे विशाल देश में जहाँ 96 करोड़ से अधिक मतदाता हैं, वहां मतदाता सूची का अद्यतन एक अत्यंत जटिल, विशाल और सतत प्रक्रिया है। इसे केवल सरकारी जिम्मेदारी मानना पर्याप्त नहीं; यह नागरिक कर्तव्य भी है। चुनाव आयोग केवल ढाँचा देता है लेकिन उसे प्रभावी बनाने का दायित्व जनता के सहयोग पर निर्भर है। मतदाता सूची में अपनी प्रविष्टि को सही रखना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना मतदान के दिन वोट देना। अंततः, लोकतंत्र केवल मतदान का दिन नहीं- पूरी व्यवस्था का नाम है। इस व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए मतदाता सूची की शुचिता सर्वोपरि है। एसआईआर यही सुनिश्चित करता है कि चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय हों। यह लोकतांत्रिक प्रणाली की आत्मा को जीवित रखता है और नागरिकों के अधिकारों को सुरक्षित करता है। इसलिए मतदाता सूची के नियमित शुद्धिकरण को लेकर जागरूकता बढ़ाना, नागरिकों को भागीदारी के लिए प्रेरित करना और एसआईआर जैसी प्रक्रियाओं को सहयोग देना हर जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सब-जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप : दूसरे दिन शानदार मुकाबले, राउंडग्लास पंजाब और वडिपट्टी राजा की जीत

एजेंसी

करनाल। कैलाश हॉकी स्टेडियम, करनाल में जारी हॉकी इंडिया सब-जूनियर महिला अकादमी चैंपियनशिप 2025 (ज़ोन A व B) के दूसरे दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी ने बड़ी जीत दर्ज करते हुए सबका ध्यान खींचा, जबकि वडिपट्टी राजा हॉकी अकादमी ने भी अपने पूल में महत्वपूर्ण जीत हासिल की राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी ने स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ गुजरात हॉकी अकादमी को 11-0 से हराकर टूर्नामेंट की सबसे प्रभावशाली जीतों में से एक दर्ज की। नवदीप कौर टीम की हीरो रहीं, जिन्होंने 4 गोल किए (3', 14', 19', 46')। हरमनप्रीत कौर ने 2 गोल (29', 40') जोड़े, जबकि रमदीप कौर (7'), जर्मनप्रीत कौर (12'), तानिया चंदेलिया (16'), हरप्रीत कौर (41') और लवप्रीत कौर (60') ने भी योगदान दिया। उसी पूल में वडिपट्टी राजा हॉकी अकादमी ने मजबूत रक्षात्मक प्रदर्शन करते हुए सिटिज़न हॉकी XI को 1-0 से हराया। निर्णायक गोल कप्तान नव्य रानी ने दागा।पूल ष्टः अनंतपुर और खालसा की टीमें गोलरहित ड्रा पर रहीं, जय भारत ने दर्ज की 6-0 की बड़ी जीत पूल C में खेले गए देर शाम के मैचों में अनंतपुर स्पोर्ट्स अकादमी और स्पोर्ट्स हॉकी अकादमी ऑफ खालसा, कोलकाता के बीच मुकाबला 0-0 की बराबरी पर समाप्त हुआ।

डेफलिंपिक्स में भारत की शानदार शुरुआत, धनुष ने जीता स्वर्ण, मुर्तजा को रजत

नई दिल्ली। भारत ने जापान के टोक्यो में चल रहे डेफलिंपिक्स (बाधिर ओलंपिक) 2025 में शानदार शुरुआत की है। भारत के युवा निशानेबाज धनुष श्रीकांत ने डेफलिंपिक्स में पुरुष 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का पदक का खाता खोला। 23 वर्षीय धनुष ने फाइनल में 252.2 अंक बनाते हुए डेफ फाइनल वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया और स्वर्ण पदक जीता। भारत के ही मोहम्मद मुर्तजा वानिया ने 250.1 अंक के साथ रजत पदक अपने नाम किया। कोरिया के बेक सेउंघाक को 223.6 अंक के साथ कांस्य पदक मिला। धनुष ने क्वालिफिकेशन राउंड में 630.6 अंक बनाए थे। मुर्तजा 626.3 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। धनुष ने इससे पहले 2022 में आयोजित कैक्सियास डू सुल डेफलिंपिक्स में व्यक्तिगत और मिक्स्ड टीम दोनों में स्वर्ण जीता था। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) मीडिया ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, ''टोक्यो में डेफलिंपिक्स 2025 में भारत ने शानदार अंदाज में पदकों का खाता खोला। शूटिंग में एयर राइफल पुरुष में धनुष श्रीकांत ने 252.2 के डेफ फाइनल विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि मोहम्मद मुर्तजा वानिया ने 250.1 अंक के साथ रजत पदक जीता, जिससे भारत को शुरुआत में ही शानदार डबल पोडियम फिनिश मिली। चांदी की चमक के साथ एक स्वर्णिम शुरुआत और हम देश के लिए और भी पदक जीतने की कामना करते हैं।''

कोलकाता की मुश्किल पिच पर बोले गंभीर- यह बिल्कुल वैसी ही थी जैसी हमें चाहिए थी

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ईडन गार्डन्स की कठिन पिच का पुरजोर बचाव करते हुए कहा कि यह बिल्कुल वैसी ही पिच थी, जैसी उन्हें चाहिए थी। उनका कहना है कि यह ऐसी पिच नहीं थी, जहां आप बल्लेबाजी नहीं कर सकें। अगर लंबे समय तक टिकने और बल्लेबाजी करने का जज्बा हो, तो खिलाड़ी यहां रन बना सकते थे। प्रेस कांफ्रेंस में गौतम गंभीर ने कहा कि यह बिल्कुल वैसी ही पिच है जैसी हमें चाहिए थी। मुझे लगता है कि क्यूरेटर ने बहुत मदद की। यही हमें चाहिए था और यही हमें मिला। गंभीर ने कहा कि इस विकेट में कोई कमी नहीं थी। यह ऐसी पिच नहीं थी, जहां आप बल्लेबाजी नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में शुरुआती 10-15 मिनट कठिन होते हैं। अगर वो निकाल लेते हैं तो आपके लिए जीचे आसान होती चली जाती हैं। अगर हम हमेशा विकेट के बारे में ही बात करते रहेंगे, तो कोई फायदा नहीं। हम बात कर रहे हैं टर्निंग विकेट की, जबकि यहां तेज गेंदबाजों ने सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं।

कोलकाता टेस्ट में हार के बाद पंत ने कहा- हमें लक्ष्य हासिल करना चाहिए था

कोलकाता। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेला गया। इस मैच को दक्षिण अफ्रीका ने 30 रनों से जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई। भारतीय टीम को जीत के लिए दूसरी पारी में 124 रन बनाने थे, लेकिन टीम 93 रन ही बना सकी। मैच हारने के बाद भारतीय टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत ने पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन सेरेमनी में कहा कि हम इस लक्ष्य को हासिल कर सकते थे, लेकिन दूसरी पारी में हम पर दबाव बढ़ता गया। नियमित कप्तान शुभमन गिल के चोटिल होने के बाद मैच में पंत कप्तानी कर रहे थे। पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन में पंत ने कहा कि इस तरह के मैच में आप ज्यादा नहीं सोच सकते। हमें इस स्कोर को हासिल करना चाहिए था। दूसरी पारी में हम पर दबाव बढ़ता गया। सुबह दूसरी पारी में दक्षिण अफ्रीकी कप्तान टेम्बा बावुमा और कॉर्बिन बॉश की बल्लेबाजी पर पंत ने कहा कि टेम्बा और बॉश ने शानदार साझेदारी की और इसी ने उन्हें मैच में वापस ला दिया।

नॉर्वे ने इटली को हराकर 1998 के बाद पहली बार फीफा विश्व कप के लिए किया क्वालीफाई

एजेंसी

मिलान (इटली)। नॉर्वे ने रात इटली को उसके घर में 4-1 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया। नॉर्वे ने 1998 के बाद पहली बार फुटबॉल विश्व कप में जगह बनाई है, जबकि मेजबान इटली को लगातार तीसरी बार प्लेऑफ का रास्ता अपनाना पड़ा। नॉर्वे ने क्वालीफाइंग अभियान को आठों मैच जीतकर पूरा किया और चार बार की विश्व चैंपियन इटली से छह अंक आगे रहते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। इटली को बेहतर गोल अंतर के चलते अगले दौर में जाने के लिए नौ गोल से जीत की जरूरत थी, इसलिए उसने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। मैच के 10वें मिनट में फ्रांसेस्को पियो एस्पोसिटो ने नजदीकी दूरी से गोल कर इटली

को बढ़त दिलाई। पहली पारी के अधिकांश समय तक मेजबान टीम हावी रही और कई मौके बनाए, जबकि नॉर्वे को केवल एक आधा मौका मिला, जब एंटोनियो नुसा का शॉट बार के ऊपर चला गया। दूसरे हाफ में नॉर्वे ने पूरी तरह बदला हुआ खेल दिखाया। 63वें मिनट में नुसा ने बॉक्स के भीतर से शानदार लेफ्ट-फुट शॉट लगाकर बराबरी कर ली। खेल के अंतिम चरणों में नॉर्वे ने नियंत्रण हासिल कर लिया और 78वें मिनट में इटली की रक्षा में हुई बड़ी गलती के कारण एर्लिंग हालांड को खाली जगह मिल गई। उन्होंने क्रॉस को आसानी से वॉली करते हुए टीम को बढ़त दिलाई। सिर्फ एक मिनट बाद हालांड ने अपना दूसरा गोल दागा और अभियान में अपने गोलों की संख्या 16 कर ली। इंजरी टाइम में जॉर्गन स्ट्रैंड लार्सन ने चौथा गोल कर नॉर्वे की बड़ी जीत सुनिश्चित की। इस जीत के साथ नॉर्वे ने साबित कर दिया है कि वह अगले वर्ष होने वाले विश्व कप में किसी भी टीम के लिए आसान प्रतिद्वंद्वी नहीं होगा।

आईपीएल 2026: राजस्थान रॉयल्स ने कुमार संगकारा को दोबारा मुख्य कोच नियुक्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स ने श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा को इंडियन प्रीमियर लीग 2026 (आईपीएल) सीज़न के लिए एक बार फिर से टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। संगकारा इससे पहले 2021 से 2024 तक मुख्य कोच रहे थे। पिछले सीज़न (आईपीएल 2025) में उन्हें डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट की भूमिका में पदोन्नत किया गया था, जबकि राहुल द्रविड़ टीम के कोच थे।फ्रेंचाइजी ने सोमवार को कोचिंग स्टाफ में कई बदलावों की भी घोषणा की। फ्रेंचाइजी के मुताबिक विक्रम राठौर को लीड असिस्टेंट कोच बनाया गया

है। ट्रेवर पेनी और सिड लाहिड़ी क्रमशः असिस्टेंट कोच और परफॉर्मेंस कोच के रूप में टीम से जुड़े रहेंगे, जबकि शेन बॉन्ड फास्ट बॉलिंग कोच की भूमिका निभाते रहेंगे। खिलाड़ियों के मोर्चे पर भी राजस्थान ने बड़ा कदम उठाया है। टीम ने अपने लंबे समय से कप्तान रहे संजू सैमसन का ट्रेड करते हुए रवींद्र जडेजा और सैम करन को चेन्नई सुपर किंग्स से शामिल किया है, जो सीज़न से पहले सबसे चर्चित बदलावों में से एक माना जा रहा है।

इंग्लैंड ने अल्बानिया को हराकर परफेक्ट रिकॉर्ड के साथ वर्ल्ड कप क्वॉलिफायर्स अभियान समाप्त किया

एजेंसी

तिराना (अल्बानिया)। इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन ने अंतिम पलों में दो गोल दागकर अपनी टीम को अल्बानिया पर 2-0 की जीत दिलाई और फीफा वर्ल्ड कप क्वॉलिफायर्स अभियान को एक ऐतिहासिक परफेक्ट रिकॉर्ड के साथ समाप्त किया। मैच लंबे समय तक गोलरहित रहा और ऐसा लग रहा था कि इंग्लैंड पहली बार अंक गंवा सकता है लेकिन 74वें मिनट में एक कॉर्नर पर अल्बानिया की डिफेंस चूक गई और केन ने नजदीक से गेंद को गोल में डाल दिया। आठ मिनट बाद केन ने मार्कस रैशफोर्ड के लंबे क्रॉस पर सटीक हेडर मारकर बढ़त को 2-0 कर दिया। इस जीत के साथ इंग्लैंड टीम यूरोप की पहली ऐसी टीम बन गई जिसने छह या उससे अधिक मैचों वाले वर्ल्ड कप क्वॉलिफ़ाइंग ग्रुप में सभी मुकाबले जीतकर और एक भी गोल खाए बिना क्वॉलिफाई किया हो। इंग्लैंड ने ग्रुप-के के आठों मैच जीतकर कुल 24 अंक हासिल किए। मैच के बाद हैरी केन ने कहा, 'यह

वाकई मुश्किल मुकाबला था, शायद इस ग्रुप का सबसे कठिन। हमें धैर्य रखना था और मजबूत डिफेंस भी करना था। 2-0 की जीत और एक और क्लीन शीट – हम बेहद खुश हैं। हार के साथ अंत नहीं करना चाहते थे। ' कोच थॉमस ट्यूशेल ने पहले से ही क्वॉलिफिकेशन सुनिश्चित होने के कारण टीम में कई बदलाव किए थे। अल्बानिया ने कड़ा मुकाबला दिया, लेकिन कप्तान केन के दो गोलों ने इंग्लैंड को जीत दिला दी। केन अब इंग्लैंड के लिए 112 मैचों में 78 अंतरराष्ट्रीय गोल कर चुके हैं।

अल्बानिया अब प्लेऑफ के ज़रिए क्वॉलिफाई करने की कोशिश करेगा।

फीफा विश्व कप 2026: पुर्तगाल ने लगातार सातवीं बार किया क्वालीफाई

एजेंसी

नई दिल्ली। पुर्तगाल ने पोर्टो के एस्टादियो डो द्रागाओ में खेले गए अपने अंतिम वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबले में आर्मेनिया को 9-1 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई कर लिया। यह पुर्तगाल का लगातार सातवां विश्व कप होगा। रोबर्टो मार्टिनेज़ की टीम ने निलंबित क्रिस्टियानो रोनाल्डो की गैरमौजूदगी में शानदार प्रदर्शन किया। अगले साल होने वाले विश्व कप में जगह पक्की करने के लिए पुर्तगाल को जीत की जरूरत थी और टीम ने इसे दो हैट्रिक की मदद से बेहद प्रभावशाली अंदाज में हासिल किया–एक ब्रूनो फर्नांडीस ने और दूसरी युवा जोआओ नेवेस ने लगाई। फीफा विश्व कप इतिहास में पुर्तगाल का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा है। टीम ने पहली बार 1966 में हिस्सा लिया और शानदार खेल दिखाते हुए तीसरा स्थान हासिल किया, जहां उसने छह मैचों में पाँच जीत दर्ज कीं और सिर्फ एक मुकाबला हारा।

इसके बाद 1986 और 2002 के विश्व कप में पुर्तगाल का सफर ग्रुप स्टेज तक ही सीमित रहा, दोनों ही बार टीम ने तीन मैचों में एक-एक जीत हासिल की और दो मुकाबलों में हार का सामना किया। 2006 विश्व कप में पुर्तगाल ने अपने इतिहास का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान पाया। इस अभियान में टीम ने कुल सात मैच खेले, जिनमें चार जीते, एक ड्रॉ रहा और दो में हार मिली। 2010 में टीम प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंची, जहां उसने चार मैचों में एक जीत, दो ड्रॉ और एक हार दर्ज की।

2014 में पुर्तगाल ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गया, इस दौरान उसने तीन मैचों में एक जीत, एक ड्रॉ और एक हार दर्ज की। 2018 में एक बार फिर टीम प्री-क्वार्टर फाइनल

में पहुंची और चार मैचों में एक जीत, दो ड्रॉ और एक हार मिली। सबसे हालिया 2022 विश्व कप में पुर्तगाल ने अच्छा प्रदर्शन किया और क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय किया, जहां उसने पांच मैचों में तीन जीत हासिल कीं। अब 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के बाद टीम से एक और मजबूत अभियान की उम्मीद है।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः सात्विक-चिराग पर भारत की उम्मीदें टिकीं, लक्ष्य और प्रणय लय की तलाश में

एजेंसी

नई दिल्ली। सिडनी में मंगलवार से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में एक बार फिर भारत की सबसे बड़ी उम्मीद पुरुष युगल के शीर्ष वरीय सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी पर रहेगी। यह जोड़ी इस सीजन का अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश करेगी। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सात्विक-चिराग इस वर्ष भारतीय बैडमिंटन के कठिन दौर में लगातार चमकते रहे हैं। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता और हांगकांग सुपर 500 तथा चाइना मास्टर्स सुपर 750 में उपविजेता रहे। विश्व नंबर एक की रैंकिंग में 18 सप्ताह बिताने के बाद मई में 27वें स्थान तक खिसकने वाली यह जोड़ी अब वापसी करते हुए तीसरे स्थान पर पहुंच चुकी है। वे अपने अभियान की शुरुआत चीनी ताइपे के चांग को-ची और पो ली-वेई के खिलाफ करेंगे। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन और एच.एस. प्रणय के

लिए यह टूर्नामेंट निरंतरता हासिल करने का मौका होगा। लक्ष्य ने लंबे समय के खराब दौर के बाद हांगकांग ओपन में फाइनल तक पहुंचकर दमदार वापसी की थी। जापान में पिछले सप्ताह वह सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य पहले दौर में चीनी ताइपे के सू ली यांग से भिड़ेंगे। 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता प्रणय पिछले साल इस टूर्नामेंट के उपविजेता रहे थे। चोट से उबरकर लौटे प्रणय ने कुमामोटो (जापान) में अच्छा प्रदर्शन किया था। वह पहले मैच में कनाडा के ब्रायन यांग का सामना करेंगे। किदांबी श्रीकांत, जो इस साल मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे थे, पहले दौर में पांचवीं वरीयता प्राप्त लिन चुन-यी से भिड़ेंगे। अमेरिका ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी का मुकाबला मलेशिया के जस्टिन होह से होगा। किरण जॉर्ज को छठी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो की चुनौती मिलेगी। वहीं थरुण मननेपल्ली डेनमार्क के मैग्नस जोहानसन के खिलाफ अभियान शुरू करेंगे।

महिला एकल और युगल

महिला एकल में अकेली भारतीय आकर्षी कश्यप को कठिन शुरुआत मिलेगी, जहां उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त और ओलंपिक चैंपियन आन से यंग से होगा। लंबे अंतराल के बाद वापसी कर रही गैत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली की जोड़ी महिला युगल में चौथी वरीय चीनी ताइपे की यान फेई चेन और लिआंग चिंग सन से भिड़ेगी। मिक्स्ड डबल्स में मोहित जगलान और लक्षिता जगलान का मुकाबला कनाडा के निल याकुरा और क्रिस्टल लाई से होगा।

दूसरे वनडे से बाहर हुए मिचेल, निकोल्स कवर के तौर पर टीम में शामिल

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूज़ीलैंड के ऑलराउंडर डेरिल मिचेल वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे के लिए नेपियर नहीं जाएंगे। खेले गए पहले वनडे के दौरान उन्हें जांघ में तकलीफ हुई थी, जिसके बाद न्यूज़ीलैंड क्रिकेट ने पुष्टि की कि मिचेल अब क्राइस्टचर्च में अपने बाएं ग्रोइन की स्कैन जांच करवाएंगे। स्कैन के बाद ही उनकी आगे की उपलब्धता पर फैसला किया जाएगा। मिचेल ने हैगले ओवल में वेस्टइंडीज के खिलाफ सात रन की जीत में अपना सातवां वनडे शतक लगाया, लेकिन बल्लेबाजी के

दौरान जांघ में दर्द महसूस होने के कारण वह दूसरी पारी में फील्डिंग के लिए मैदान पर नहीं उतरे। उनकी जगह हेनरी निकोल्स को कवर के रूप में टीम में शामिल किया गया है। निकोल्स सोमवार को नेपियर में टीम के साथ जुड़ेंगे। निकोल्स ने आखिरी बार इस साल अप्रैल में वनडे खेला था। घरेलू फोर्ड ट्रॉफी में वह इस समय सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं–306 रन औसत 76.50 के साथ, जिसमें ओटागो और ऑकलैंड के खिलाफ लगातार दो शतक (117* और 138*) शामिल हैं।

एटीपी फाइनल्सः जैनिक सिनर ने अल्कारेज़ को सीधे सेटों में हराकर लगातार दूसरी बार जीता खिताब

एजेंसी

ट्यूरिन। साल 2025 में 'सिनकाराज़' प्रतिद्वंद्विता के अंतिम मुकाबले में बाज़ी जैनिक सिनर के नाम रही।विश्व नंबर 2 सिनर ने शीर्ष वरीय कार्लोस अल्कारेज़ को 7-6(4), 7-5 से हराते हुए रविवार देर रात एटीपी फाइनल्स का खिताब अपने नाम किया। यह इस साल दोनों के बीच छठा मुकाबला था।

सिनर ने अपने घरेलू इटालियन दर्शकों के सामने लगातार दूसरा एटीपी फाइनल्स खिताब जीता। यह अल्कारेज़ के खिलाफ उनकी इस साल मात्र दूसरी जीत है–पहली जीत उन्होंने विंबलडन फाइनल में दर्ज की थी। सिनर ने कहा, 'यह एक अविश्वसनीय सीजन रहा। इस तरह अपने इटालियन प्रशंसकों के सामने इसे खत्म करना मेरे लिए

बेहद खास है। 'अल्कारेज़ पहले ही वर्ष के अंत का नंबर 1 रैंकिंग सुनिश्चित कर चुके थे और एटीपी फाइनल्स में पहली बार खिताबी मुकाबला खेल रहे थे। कुल करियर भिड़ंत में अल्कारेज़ अभी भी 10-6 से आगे हैं। दोनों खिलाड़ी इस साल के सभी तीन ग्रैंड स्लैम फाइनल में आमने-सामने आए।

फ्रेंच ओपनः अल्कारेज़ ने पांचवें सेट के टाईब्रेक में जीत दर्ज की

विंबलडन :सिनर ने जीतकर बदला चुकाया

यूएस ओपनः अल्कारेज़ ने फिर बाज़ी मारी

इटालियन ओपन और सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में भी दोनों भिड़े, दोनों बार अल्कारेज़ विजेता रहे (सिनसिनाटी में सिनर बीमारी के चलते रिटायर हुए थे)।

सिनर ने इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन भी जीता–जहां उन्होंने फाइनल में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को मात दी। इस तरह दोनों ने 2025 में दो-दो मेजर खिताब जीते। कुल मिलाकर अल्कारेज़ के नाम छह और सिनर के नाम चार ग्रैंड स्लैम हैं। पहले सेट में ही दर्शक 'ओले, ओले, ओले, ओले; सिन-नर, सिन-नर' के नारों से गूंज उठे। एक दर्शक तो सिनर को संत के रूप में दर्शाने वाला पोस्टर भी लेकर आया था।

बिली जीन किंग कप प्ले-ऑफः नीदरलैंड्स ने भारत को 3-0 से हराया, मुकाबले में दिखाई दमदार पकड़

एजेंसी

बेंगलुरु। एस.एम. कृष्णा टेनिस स्टेडियम में हुए बिली जीन किंग कप प्ले-ऑफ मुकाबले में नीदरलैंड्स ने भारत को 3-0 से पराजित करते हुए पूरी टाई पर अपना दबदबा बनाए रखा। तीनों रबर में डच खिलाड़ियों का प्रदर्शन भारतीय चुनौती पर भारी पड़ा।

कोएवरमैन्स ने दिलाई शुरुआती बढ़त

दिन की शुरुआत सिंगल्स मैच से हुई, जहां नीदरलैंड्स की कोएवरमैन्स ने भारत की श्रिवल्ली भामिडिपटी को सीधे सेटों में हराया। पहले सेट में कोएवरमैन्स ने जल्दी ब्रेक हासिल करते हुए बढ़त बना ली और सेट को 6-2 से जीत लिया। दूसरे सेट में भामिडिपटी ने कुछ अच्छे रिटर्न के साथ वापसी की कोशिश की, लेकिन डच खिलाड़ी ने संयम बरकरार रखते हुए मैच को 6-2, 6-4 से अपने नाम किया। मैच के बाद कोएवरमैन्स ने कहा, 'मैंने कप्तान से कहा था कि हर गेंद के पीछे भागना मेरा गेम प्लान है। इससे मैं मैच में केंद्रित रहती हूँ और विपक्षी से गलतियाँ करवा पाती हूँ। यही रणनीति आज काम आई। '

लामेन्स ने भारत की दूसरी चुनौती भी रोकी

दूसरे सिंगल्स मुकाबले में विश्व क्रम में 89वें स्थान पर काबिज स्यूज़न लामेन्स ने भारत की सहजा यमलापल्ली (विश्व नंबर 309) को पराजित किया।

लामेन्स ने पहला सेट 6-2 से आसानी से जीता।

दूसरे सेट में सहज ने स्कोर 2-2 से बराबर कर दम दिखाया, लेकिन जल्द ही लामेन्स ने फिर ब्रेक हासिल कर बढ़त बनाई और मैच को 6-2, 6-3 से समाप्त किया। सहजा ने कहा, 'यह कठिन मैच था। लामेन्स बहुत अनुभवी खिलाड़ी हैं और हर पॉइंट पर दबाव बनाती रहीं। यह अनुभव आगे की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण है। '

अंतिम डबल्स रबर में लामेन्स ने डेमी शूर्स के साथ मिलकर भारत की अंकिता रैना और प्रार्थना थोम्बरे की जोड़ी का सामना किया। डच जोड़ी ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और पहला सेट 6-1 से जीत लिया।दूसरे सेट में भी उन्होंने 3-0 की तेज बढ़त लेकर मैच को पूरी तरह नियंत्रित कर लिया। अंततः नीदरलैंड्स ने डबल्स को 6-1, 6-1 से जीतकर मुकाबले पर 3-0 की क्लीन स्वीप हासिल की।

क्रांति गौंड के घुवारा गांव में आयोजित टूर्नामेंट में झांसी महिला टीम फाइनल में

एजेंसी

झांसी। महिला क्रिकेट में विश्व चैंपियन बनी भारतीय टीम की खिलाड़ी क्रांति गौंड के घुवारा गांव में आयोजित टूर्नामेंट में झांसी महिला टीम ने फाइनल में जगह बनाई है। इसके लिए झांसी महिला क्रिकेट टीम को खूब शुभकामनाएं मिल रही हैं। विश्व चैंपियन क्रांति गौड़ के गृह गांव घुवारा जिला छतरपुर मध्य प्रदेश में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए स्व. कुंवर राज बहादुर सिंह बुंदेला की पुण्य स्मृति में आयोजित राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ खुद क्रांति गौंड ने महिला क्रिकेटरों से परिचय प्राप्त कर किया। मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स स्टेडियम, झांसी व सागर के मध्य उद्घाटन मैच खेला गया। जिसमे सागर टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदवाजी चुनी। झांसी टीम ने पहले खेलते हुए 12 ओवरों में 1 विकेट पर 95 रनों का लक्ष्य सागर के समक्ष रखा। झाँसी की दीक्षा यादव ने सर्वाधिक 45 रन, आशी 15 व श्रद्धा शर्मा ने 22 रन का योगदान दिया। जवाब में सागर की टीम 12 ओवर 6 विकेट खोकर केवल 60 रन ही बना सकी। झांसी की आस्था को 1 विकिट सैंडली शर्मा 2,आस्था व सुप्रिया को 1-1 विकेट लिया। मेजर ध्यानचंद स्टेडियम,झांसी की दीक्षा प्लेयर ऑफ द मैच रही। मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स स्टेडियम,झांसी टीम के (एन.आई.एस.) क्रिकेट प्रशिक्षक नितेश कुमार राज ने बताया कि विश्व चैंपियन क्रांति गौड़ से मुलाकात कर झांसी की खिलाड़ी बेहद उत्साहित हुईं ।

कोलकाता टेस्ट में भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका ने 30 रन से हराया

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में रविवार को दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय टीम को 30 रनों से हरा दिया है। मेहमान टीम ने दूसरी पारी में 153 रन पर सिमटकर भारत के सामने 124 रनों का लक्ष्य रखा था। भारतीय टीम ने पहली पारी में 189 रन, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 159 रन बनाए थे। भारतीय टीम की बल्लेबाजी दूसरी पारी में बेहद खराब रही और टीम रविवार को दूसरे ही सत्र में 93 रन पर ढेर हो गई। इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाएगा। 124 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने एक रन के स्कोर पर दो विकेट गंवा दिए। पहले यशस्वी जायसवाल बिना खाता खोले आउट हो गए और फिर केएल राहुल भी मात्र एक रन बनाकर पवेलियन लौट गए। लंच ब्रेक तक दूसरी पारी में भारतीय टीम ने दो विकेट खोकर 10 रन बनाए। लंच के बाद वाशिंगटन सुंदर और ध्रुव जुरेल ने संभल कर बल्लेबाजी की और भारत का स्कोर 30 रन के पार पहुंचाया। दोनों अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे कि इसी बीच जुरेल के रूप में भारतीय टीम को तीसरा झटका लगा। जुरेल 34 गेंदों पर 13 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद ऋषभ पंत भी जल्दी आउट हो गए। पंत ने 2 रन बनाए। भारतीय टीम का रवींद्र जडेजा के रूप में पांचवां विकेट गिरा। जडेजा 18 रन बनाकर आउट हुए। दूसरे छोर से संभल कर बल्लेबाजी कर रहे वाशिंगटन सुंदर भी 72 रन के कुल टीम स्कोर पर पवेलियन लौट गए। वाशिंगटन ने 92 गेंदों का सामना करते हुए 31 रन बनाए। इसके बाद कुलदीप यादव एक रन बनाकर आउट हुए। टीम को अभी भी 40 से ज्यादा रन बनाने थे। ऐसे में अक्षर पटेल ने तेजी से रन बटोरे और पहले एक चौका और फिर दो छक्के लगाए। इसी दौरान एक और बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में अक्षर अपना विकेट गंवा बैठे। अक्षर 17 गेंदों पर एक चौका और दो छक्कों की मदद से 26 रन बनाकर आउट हुए। अंत में मोहम्मद सिराज बिना खाता खोले आउट हो गए। भारतीय कप्तान शुभमन गिल पहली पारी में 4 रन के निजी स्कोर पर रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। वह गर्दन में चोट के कारण पूरे मैच से बाहर हो गए थे, जिस कारण भारतीय पारी 93 रन पर समाप्त हो गई। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से सिमोन हार्मर ने चार विकेट लिए, जबकि मार्को यानसेन और केशव महाराज ने दो-दो विकेट लिए। एडेन मार्करम को एक विकेट मिला। दूसरी पारी में दक्षिण अफ्रीका ने बनाए 153 रनइससे पहले आज सुबह दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी 153 रन पर ऑलआउट हुई। पहले सत्र में ही मेहमान टीम के शेष तीन विकेट गिर गए। कॉर्बिन बॉश 25 रन, सिमोन हार्मर 7 रन बनाकर आउट हुए। केशव महाराज खाता खोले बिना एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। दूसरे दिन दक्षिण अफ्रीका के सात विकेट गिरे थे। दक्षिण अफ्रीका के लिए कप्तान टेम्बा बावुमा ने शानदार बल्लेबाजी की और 55 रन बनाकर नाबाद रहे। भारतीय टीम के लिए रवींद्र जडेजा ने चार विकेट लिए। कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज ने दो-दो विकेट, जबकि जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल को एक-एक विकेट मिला। भारत ने पहली पारी में बनाए 189 रनभारत ने अपनी पहली पारी में 189 रन बनाए थे और 30 रनों की छोटी बढ़त हासिल की थी। टीम के लिए सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने सबसे ज्यादा 39 रन बनाए, जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 29 रनों की पारी खेली। इनके अलावा ऋषभ पंत ने 27, रवींद्र जडेजा ने 27, अक्षर पटेल ने 16, ध्रुव जुरेल ने 14, यशस्वी जायसवाल ने 12, कुलदीप यादव ने एक, मोहम्मद सिराज ने एक और जसप्रीत बुमराह ने नाबाद एक रन बनाए।

चावल, गेहूं, दालों में साप्ताहिक तेजी; चीनी नरम; खाद्य तेलों में घट-बढ़

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव बढ़ गये। गेहूं और दालों के दाम भी चढ़ गये। चीनी सस्ती हुई जबकि खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 76 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,818.29 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 11 रुपये की मजबूती के साथ 2,857.13 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। आटे की कीमत 3,312.86 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग अस्थिर रही। बीते सप्ताह मूंगफली तेल औसतन 149 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। सरसों तेल की औसत कीमत स्थिर रही। पाम ऑयल में 21 रुपये प्रति क्विंटल की साप्ताहिक बढ़त देखी गयी। सोया तेल 38 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ। सूरजमुखी तेल की कीमत 72 रुपये और वनस्पति की 78 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। दाल-दलहनों में साप्ताहिक तेजी रही। चना दाल की कीमत 46 रुपये और मूंग दाल की 50 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। तुअर दाल पांच रुपये और उड़द दाल तीन रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। मसूर दाल की औसत कीमत स्थिर रही। मीठे के बाजार में सप्ताह के दौरान गुड़ के औसत भाव आठ रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गये। वहीं, चीनी 16 रुपये प्रति क्विंटल गिर गई।

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में राजस्थान पवेलियन का प्रमुख उद्योग सचिव आलोक गुप्ता ने किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रगति मैदान में शुरू हुए चौदह दिवसीय भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में राजस्थान पवेलियन को पार्टनर स्टेट के तौर पर 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की थीम पर तैयार किया गया है, जिसका उद्घाटन राजस्थान के प्रमुख सचिव (उद्योग) एवं अध्यक्ष प्रबंध निदेशक राजसिको आलोक गुप्ता ने किया। उद्घाटन के अवसर पर आलोक गुप्ता ने राजस्थान पवेलियन के सभी स्टालों का भ्रमण कर राजस्थानी कलाकारों और हुनरबंद कारीगरों उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस वर्ष का मेला में राजस्थान पवैलियन को उद्योग विभाग, पर्यटन विभाग, रीको, बीआईपी, खादी, राजीविका एवं रूडा की सहभागिता से और भी समृद्ध बनाया गया है मेले में राजस्थान के पारंपरिक व्यंजन और हस्तशिल्प उत्पादों के स्टॉल भी लगाए गए हैं। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को समर्पित राजस्थान पवैलियन में राजस्थान और असम का एकीकरण एक प्रमुख आकर्षण रहेगा। इस विशेष पहल के माध्यम से दोनों

राज्यों की संस्कृति, कला, और व्यापारिक संभावनाओं का आदान-प्रदान किया जाएगा। जिससे इन दोनों राज्यों के बीच मजबूत व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंध स्थापित होंगे। उन्होंने बताया कि राजस्थान सरकार की इस पहल से राज्य के कारीगरों, शिल्पकारों, उद्यमियों और निवेशकों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान मजबूत करने का अवसर प्रदान मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस बार राजस्थान पवैलियन में कारीगरों एवं उद्यमियों द्वारा लाइव प्रदर्शन के लिए विशेष क्षेत्र का आयोजित किये जाएंगे। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट वॉल एवं राज्य की विरासत, नवाचार और सतत औ?द्योगिक विकास आधारित प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष राजस्थान को मेले के 'पार्टनर स्टेट' का दर्जा प्रदान किया गया है। मेले में राजस्थान लघु उद्योग निगम लिमिटेड (RSIC) द्वारा लगभग एक हजार वर्गमीटर क्षेत्रफल में राजस्थान पवैलियन का आकर्षक निर्माण किया गया है। पवैलियन में राजस्थान की औद्योगिक प्रगति, सांस्कृतिक विविधता, कला, शिल्प, पर्यटन और निवेश की संभावनाओं की विशिष्ट झलक देखने को मिलेगी। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के दौरान हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 1राजस्थान दिवस मनाया जाएगा जिसमें रंगारंग सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा जहां विश्व प्रसिद्ध राजस्थानी कलाकार अपने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे।

अगले सप्ताह खुलेंगे 2 नए आईपीओ, 7 कंपनियों की होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट की हलचल तुलनात्मक रूप से ठंडी रहने वाली है। इस सप्ताह सिर्फ 2 कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें से 1 आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है, जबकि दूसरा आईपीओ एसएमई सेगमेंट का है। इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए लांच हुए दो कंपनियों के आईपीओ में भी 17 और 18 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो सात कंपनियों के शेयर इस सप्ताह लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरुआत कर सकते हैं। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन 19 नवंबर को गैलार्ड स्टील का 37.50 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 21 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 142 रुपये से लेकर 150 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 25 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 24 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 26 नवंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। 19 नवंबर को ही एक्सेल सॉफ्ट टेक्नोलॉजीज का 500 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 21 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 114 रुपये से लेकर 120 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 125 शेयर का है। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 1.50 करोड़ नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसके अलावा ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये भी 2.67 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी।

एफपीआई ने नवंबर में इक्विटी बाजार में की 6,092 करोड़ रुपये की बिकवाली

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर में अबतक इक्विटी बाजार में 6,092 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, नवंबर के पहले दो सप्ताह में इक्विटी बाजार में एफपीआई शुद्ध रूप से बिकवाल रहे। उन्होंने इक्विटी बाजार से शुद्ध रूप से 6,092 करोड़ रुपये की निकासी की। वहीं, डेट बाजार में उन्होंने 6,397 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। म्यूचुअल फंड में इस महीने अबतक एफपीआई का शुद्ध निवेश 350 करोड़ रुपये रहा है। हाइब्रिड उपकरणों में उन्होंने 79 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। इस प्रकार कुल मिलाकर उन्होंने भारतीय पूंजी बाजार में नवंबर में 575.87 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। इससे पहले अक्टूबर में भी विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय पूंजी बाजार में 35,246 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था जबकि जून से सितंबर के बीच लगातार चार महीने तक वे बिकवाल रहे थे। इस पूरे कैलेंडर वर्ष में एफपीआई ने भारतीय पूंजी बाजार में 48,789 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है।

भारत सरकार अपने नागरिकों को सशक्त बनाने के लिए लगातार उठा रही कदमः जिम रोजर्स

एजेंसी

नई दिल्ली। । दिग्गज अमेरिकी निवेशक जिम रोजर्स ने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार संपन्नता और सफलता को अच्छा मानती है और चाहती है कि लोग सफल हो, जबकि पिछली सरकार की नजरों में इन सभी चीजों की कोई खास वैल्यू नहीं थी। समाचार एजेंसी बातचीत करते हुए रोजर्स बताया कि वह हमेशा से भारत के प्रशंसक रहे हैं और लेकिन कभी भी 2014 से पहली की सरकार से सहमत नहीं थे। हालांकि, मौजूदा सरकार काफी अच्छा कार्य कर रही है और उन्हें पहली बार भारत की किसी सरकार के प्रयास सराहनीय लग रहे हैं। दिग्गज निवेशक ने कहा, 'मैं आपको बता दूं, मैं जीवन भर भारत का प्रशंसक रहा हूं, लेकिन कभी भी सरकार का नहीं रहा। ' उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन मुझे लगता है कि मेरे निवेश जीवन में पहली बार है जब भारत सरकार को यह समझ आ रहा है कि समृद्धि अच्छी है, सफलता अच्छी है और वे चाहते हैं कि लोग सफल हों। '

संभावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बोलते हुए, रोजर्स ने कहा कि वह दोनों देशों के बीच किसी भी समझौते को लेकर उत्साहित हैं, क्योंकि अब सरकार समझ गई है कि समृद्धि एक अच्छी चीज होती है। उन्होंने कहा, 'मुझे खुशी है कि भारत कई देशों के साथ समझौते कर रहा है, चाहे वह अमेरिका हो या कोई अन्य देश। यह देश भविष्य में बेहद सफल होने वाला है। '

रोजर ने दिल्ली में हुए कार विस्फोट की भी निंदा की और कहा कि लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए इस

विस्फोट के पीछे के लोग सफल नहीं होंगे, क्योंकि भारत तेजी से विकास कर रहा है और भविष्य में एक बेहद रोमांचक राष्ट्र बनने जा रहा है। बात करते हुए, सिंगापुर स्थित 83 वर्षीय दिगग्ज निवेशक ने इस जघन्य कृत्य की निंदा करते हुए कहा कि आतंकवादियों के इस कायराना कृत्य के बावजूद भारत अपनी जबरदस्त विकास यात्रा जारी रखेगा।

82.53 किलो कोकीन जब्ती मामलाः ईडी ने 70 लाख रुपए कैश जब्त किया, 110 बैंक खाते फ्रीज

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 82.53 किलो कोकीन की जब्ती से जुड़े मामले में दिल्ली-एनसीआर और जयपुर में पांच ठिकानों पर छापे मारे। इस कार्रवाई में केंद्रीय एजेंसी ने 70 लाख रुपए की नकदी जब्त की और 110 म्यूल बैंक खातों को फ्रीज किया। ईडी के दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय ने जानकारी दी कि एक बड़े ड्रग्स तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क की चल रही जांच के सिलसिले में शुक्रवार को पांच जगहों पर तलाशी अभियान चलाया गया। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत ईडी ने छापे मारे। तलाशी के दौरान, ईडी ने 70 लाख रुपए की नकदी, कुछ अहम दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और वित्तीय रिकॉर्ड जब्त किए। यह मामला नवंबर 2024 में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की ओर से 82.53 किलो कोकीन की जब्ती से जुड़ा है, जिसके कारण एनसीबी ने ग्लोबल ड्रग ट्रैफिकिंग सिंडिकेट में शामिल कई व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ शिकायत दर्ज की। ईडी ने बताया कि तलाशी में मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से इस्तेमाल किया जा रहा था। इसके अलावा, तलाशी के दौरान जब्त किए गए दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों से धन के लेन-देन के लिए दुबई स्थित क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट के इस्तेमाल का खुलासा हुआ है। ईडी की ओर से यह

DIRECTORATE OF ENFORCEMENT
DEPARTMENTOF REVENUE
MINISTRY OF FINANCE, GOVERNMENT OF INDIA

संचालित एक ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए के नेटवर्क का भी पता चला। तलाशी अभियान के परिणामस्वरूप 110 म्यूल बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया, जिनमें यूपीआई आईडी और डिजिटल वॉलेट से जुड़े 73 खाते शामिल थे। इन सभी का सट्टेबाजी से संबंधित लेनदेन के लिए सक्रिय रूप से कार्रवाई नारकोटिक्स कार्टेल और डिजिटल लॉन्ड्रिंग नेटवर्क का समर्थन करने वाले फाइनेंशियल इकोसिस्टम को ध्वस्त करने के लगातार प्रयासों का हिस्सा है। फिलहाल, अन्य लाभार्थियों का पता लगाने और अपराध की आय से बनाई गई संपत्तियों की पहचान करने के लिए आगे की जांच जारी है।

जेफरीज की रिपोर्टः रुपये के लिए 2025 खराब, विदेशी निवेशकों ने बेचे 1.6 अरब डॉलर के शेयर

वाशिंगटन। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में उतार-चढ़ाव जारी है। आलम यह है कि रुपये का प्रदर्शन इस साल अब तक प्रमुख उभरते बाजारों (ईएम) की मुद्राओं के मुकाबले सबसे खराब रहा है। जेफरीज ने ग्रीड एंड फियर रिपोर्ट में कहा, डॉलर के मुकाबले रुपया इस साल अब तक 3.4 फीसदी टूटकर 88.7 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। रुपये के प्रदर्शन के लिहाज से 2025 सबसे खराब साल रहा है। अपने भारतीय विशेषज्ञों के हवाले से जेफरीज ने कहा, रुपये में गिरावट जारी रहेगी और यह 89 का स्तर छूने की ओर बढ़ रहा है। हालांकि, लगातार गिरावट के बाद अब नीचे की ओर जोखिम कम हो गया है। आरबीआई रुपये की गिरावट को थामने के लिए अमेरिकी डॉलर की लगातार बिकवाली कर रहा है। अब भारत के पास 690 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है, जो 11 महीनों के आयात के लिए पर्याप्त है। 27 सितंबर, 2024 को देश के पास रिकॉर्ड 704.8 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार था। भारतीय शेयर बाजार पर रिपोर्ट में कहा गया है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने इस साल अब तक रिकॉर्ड 16.2 अरब डॉलर की बिकवाली की है।

खाद्य पदार्थों पर टैरिफ हटने से किसानों को राहत, निर्यात तीन अरब डॉलर बढ़ने की उम्मीद

वाशिंगटन। अमेरिका में महंगाई रोकने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कई खाद्य पदार्थों को पारस्परिक टैरिफ से बाहर करने के फैसले से भारतीय किसानों को राहत मिल सकती है। विश्लेषकों का मानना है कि इससे भारतीय कृषि उत्पादों की मांग बढ़ेगी। इसे द्विपक्षीय व्यापक व्यापार वार्ता के लिए एक सकारात्मक संकेत भी माना जा रहा है। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (एफआईईओ) के महानिदेशक अजय सहाय का कहना है कि टैरिफ छूट से 2.5 अरब डॉलर से तीन अरब डॉलर के बीच निर्यात में इजाफा होगा। उन्होंने कहा, यह आदेश प्रीमियम, विशिष्ट और मूल्यवर्धित उत्पादों के लिए रास्ता खोलता है, जो निर्यातक उच्च-मूल्य वाले क्षेत्रों की ओर रुख करते हैं वे मूल्य दबावों से बेहतर तरीके से सुरक्षित रहेंगे और बढ़ती उपभोक्ता मांग का लाभ उठा सकेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने 200 से ज्यादा खाद्य उत्पादों को टैरिफ की सूची से बाहर कर दिया था क्योंकि अमेरिका में किराना सामान की बढ़ती कीमतों को लेकर उपभोक्ताओं की चिंताएं बढ़ रही थीं। चाय, कॉफी, मसालों और काजू जैसी चीजों पर यूरोपीय संघ और वियतनामी आपूर्तिकर्ताओं पर 15-20फीसदी शुल्क था लेकिन भारतीय निर्यातकों को ज्यादा नुकसान उठाना पड़ रहा था क्योंकि ट्रंप ने कुछ भारतीय वस्तुओं के आयात पर टैरिफ दोगुना करके 50% तक कर दिया था।

हिंदुस्तान जिंक ने आंध्र प्रदेश में टंगस्टन ब्लॉक हासिल कर मजबूत की भविष्य की विकास यात्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। हिंदुस्तान जिंक ने आंध्र प्रदेश में टंगस्टन और संबंधित खनिज ब्लॉक के लिए आधिकारिक तौर पर सफल बोलीदाता घोषित होकर अपने खनिज अन्वेषण और संसाधन पोर्टफोलियो को राष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत किया है। कंपोजिट लाइसेंस का औपचारिक अनुदान न केवल कंपनी की तकनीकी दक्षता और क्षमताओं का प्रमाण है, बल्कि भारत के खनिज क्षेत्र में उसके निरंतर विस्तार और नेतृत्व की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। 15 नवंबर 2025। दुनिया की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक और भारत की एकमात्र जिंक उत्पादक कंपनी, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड, को आंध्र प्रदेश राज्य सरकार से कंपोजिट लाइसेंस प्राप्त होने के बाद टंगस्टन ब्लॉक के लिए आधिकारिक तौर पर सफल बोलीदाता घोषित किया गया। यह उपलब्धि कंपनी की मल्टी-मेटल रणनीति को सुदृढ़ करती है और उसे जिंक, लेड एवं सिल्वर के साथ-साथ महत्वपूर्ण व उच्च-मूल्य खनिजों के

क्षेत्र में नए अवसर प्रदान करती है– जो उन्नत विनिर्माण और भविष्य की औद्योगिक जरूरतों में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। यह सफलता हिंदुस्तान जिंक के द्वारा जिम्मेदार खनन, पर्यावरण-संवेदनशील अन्वेषण और सतत विकास की अपनी सिद्ध परंपरा को आगे बढ़ाने का प्रतीक है। कंपनी का उद्देश्य एक मजबूत मल्टी-मेटल पोर्टफोलियो विकसित करते हुए आत्मनिर्भर भारत के विज़न में सार्थक योगदान देना है। इस वर्ष की शुरुआत में केंद्र सरकार द्वारा आयोजित प्रतिस्पर्धी नीलामी में पसंदीदा बोलीदाता चुने जाने के बाद, सभी आवश्यक अनुमतियां और दस्तावेजीकरण सम्पन्न होने पर यह औपचारिक लाइसेंस प्राप्त हुआ। यह कदम हिंदुस्तान जिंक की देशभर में अन्वेषण क्षमताओं को बढ़ाने और अपने खनिज आधार में विविधता लाने की दीर्घकालिक रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हिंदुस्तान जिंक के सीईओ अरुण मिश्रा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि यह मील का पत्थर कंपनी की जिम्मेदार अन्वेषण प्रक्रियाओं, तकनीकी उत्कृष्टता और सभी हितधारकों के लिए स्थायी मूल्य निर्माण की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि भारत को महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों में आत्मनिर्भर बनाने की हमारी राष्ट्रीय यात्रा में एक महत्वपूर्ण योगदान है। जैसे-जैसे कंपनी भविष्य-निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रही है, हिंदुस्तान जिंक उन महत्वपूर्ण खनिजों और संसाधनों के विकास पर अपना फोकस बनाए रखेगा, जो भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में और अधिक सक्षम बनाते हैं।

जीएसटी सुधारों के बाद कृत्रिम धागों से मिलेगी कपड़ा उद्योग को गति

एजेंसी

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत नयी पीढ़ी के सुधारों में कपास और कृत्रिम धागों (एमएमएफ) पर कर की दर एक समान पांच प्रतिशत कर दी गयी है जिससे कपड़ा उद्योग की रफ्तार और बढ़ने की उम्मीद है। कपड़ा उद्योग पारंपरिक रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश के सकल घरेलू उत्पाद में कपड़ा एवं वस्त्र उद्योग का योगदान 2.3 प्रतिशत रहा। कुल औद्योगिक उत्पादन में इसका योगदान 13 प्रतिशत और निर्यात में 12 प्रतिशत है। भारत कपड़े और वस्त्रों का दुनिया में छठा सबसे बड़ा निर्यातक है। वित्त वर्ष 2023-24 में 34.4 अरब डॉलर का कपड़ा (तैयार वस्त्र और अन्य उत्पाद समेत) निर्यात किया गया था और इस क्षेत्र के वैश्विक व्यापार में देश की हिस्सेदारी 3.91 प्रतिशत है। कृषि के बाद यह सबसे बड़ा रोजगार देने वाला क्षेत्र है। इसमें 4.5 करोड़ लोग सीधे काम करते हैं। कपास उगाने में पानी की काफी खपत के कारण यह अधिक महंगा होता है। यही कारण है कि दुनिया में अब कृत्रिम धागे ही ज्यादा इस्तेमाल किये जाते हैं। जीएसटी के तहत सितंबर तक कपास पर पांच प्रतिशत और एमएमएफ पर 18 प्रतिशत कर लग रहा था। कारण देश में एमएमएफ का इस्तेमाल अब भी कपास से पीछे है। गत 22 सितंबर से लागू अगली पीढ़ी के सुधारों में अब कपास और एमएमएफ दोनों पर बराबर कर लगाया जा रहा है। डोढिया समूह के निदेशक भद्रेश डोढिया ने बताया कि जीएसटी सुधारों के बाद अब एमएमएफ को कॉटन से बेमेल प्रतिस्पर्धा नहीं करनी होगी। इससे कीमतें कम होंगी और निर्यात में भारती उत्पाद प्रतिस्पर्धी बनेंगे तथा घरेलू बिक्री बढ़ेगी।कॉटन और कृत्रिम धागों की तुलना पर उन्होंने कहा, 'यह सही है कि कपास का स्पर्श, संवदेन और वह जिस तरह से शरीर तक हवा पहुंचने देता है।

सोने में इस हफ्ते लौटी तेजी, चांदी की कीमत करीब 1.60 लाख रुपए प्रति किलो पर पहुंची

एजेंसी

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों में इस हफ्ते तेजी देखने को मिली है। सोने के दाम 4,600 रुपए प्रति 10 ग्राम से अधिक और चांदी की कीमतों में करीब 11,000 रुपए प्रति किलो का इजाफा हुआ है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,24,794 रुपए प्रति 10 ग्राम है, जो कि पिछले हफ्ते इसी दिन 1,20,100 रुपए प्रति 10 ग्राम था। यह दिखाता है कि सोने की कीमतों में बीते एक हफ्ते के दौरान 4,694 रुपए प्रति 10 ग्राम का इजाफा हुआ है। 22 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,14,311 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,10,012 रुपए था। वहीं, 18 कैरेट सोने की कीमत 90,075 रुपए प्रति 10 ग्राम से

बढ़कर 93,596 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है। सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी तेजी बनी हुई है। चांदी की कीमत एक हफ्ते में 11,092 रुपए बढ़कर 1,59,367 रुपए प्रति किलो हो गई है, जो कि बीते हफ्ते 1,48,275 रुपए प्रति किलो थी। दीपावली के बाद से सोने और चांदी की कीमतों में लगातार कमजोरी देखी जा रही थी, जिससे सोने की कीमतें 1,18,000 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमतें 1.45 लाख रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई थीं। हालांकि, अब इनमें दोबारा से रिकवरी देखने को मिल रही है। सोने की कीमतों में तेजी की वजह दिसंबर में फेड की ओर से ब्याज दर कम करने की संभावना और डॉलर के लगातार कमजोर रहने को मान जा रहा है।

बाजार के जानकारों ने कहा कि सोने की कीमतों में बीते हफ्ते करीब 4 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली थी और वैश्विक कारकों चलते सोने में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है और यह 1,24,000 रुपए से लेकर 1,27,500 रुपए प्रति 10 ग्राम की रेंज में रह सकता है। इस हफ्ते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। सोना और चांदी का दाम क्रमशः 4,094 डॉलर प्रति औंस और 50.6 डॉलर प्रति औंस था, जो कि एक हफ्ते पहले 4,000 डॉलर प्रति औंस और 48 डॉलर प्रति औंस था।

भारत-यूरेशियन आर्थिक संघ ने मॉस्को में मुक्त व्यापार समझौते पर वार्ता की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और पांच देशों के समूह यूरेशियन आर्थिक आयोग (ईएईयू) ने वस्तुओं के क्षेत्र में प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता की प्रगति की समीक्षा की। इस प्रस्तावित समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने मॉस्को में कई बैठकों में भारत-यूरेशियन आर्थिक संघ के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत की प्रगति की समीक्षा की। इन बैठकों में वाणिज्य सचिव ने यूरेशियन आर्थिक आयोग के व्यापार प्रभारी मंत्री आंद्रे स्लेपनेव और रूसी संघ के उद्योग एवं व्यापार उप मंत्री मिखाइल युरिन से मुलाकात की और भारतीय एवं रूसी उद्योग जगत के सदस्यों के साथ एक व्यावसायिक नेटवर्किंग पूर्ण अधिवेशन को भी संबोधित किया। वाणिज्य सचिव राजेश

अग्रवाल ने पिछले सप्ताह यूरेशियन आर्थिक आयोग के व्यापार प्रभारी मंत्री आंद्रे स्लेपनेव और रूसी उद्योग एवं व्यापार उप मंत्री मिखाइल युरिन के साथ वार्ता करने के लिए मास्को का दौरा किया था।

मंत्री स्लेपनेव के साथ बैठक में वाणिज्य सचिव ने वस्तुओं के क्षेत्र में भारत-ईएईयू एफटीए के लिए अगले कदमों की समीक्षा की। साथ ही भारत और रूस के वरिष्ठ व्यापारिक नेताओं की उपस्थिति में आयोजित उद्योग सम्मेलन में वाणिज्य सचिव ने कंपनियों को अपनी परियोजनाओं को 2030 के द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य के अनुरूप बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। मंत्रालय ने बताया कि 20 अगस्त 2025 को हस्ताक्षरित संदर्भ की शर्तें एमएसएमई, किसानों और मछुआरों सहित भारतीय व्यवसायों के लिए बाजारों में विविधता लाने के उद्देश्य से 18 महीने की कार्य योजना की रूपरेखा तैयार करती हैं।

ऊर्जा सुरक्षा पर भारत का जोर, कोयला आयात में बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में कोयला का आयात लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा रिपोर्ट की माने तो बीते सितंबर के महीने में कोयले का आयात 13.54फीसदी बढ़कर 22.05 मिलियन टन (एमटी) हो गया है। त्योहारों से पहले बढ़ी मांग के चलते गैर-कोकिंग कोयले का आयात 13.90 एमटी और इस्पात उद्योग के लिए जरूरी कोकिंग कोयला 4.50 एमटी रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि इस्पात और औद्योगिक कोयले की मजबूत मांग बिजली क्षेत्र की कमजोरी को पीछे छोड़ सकती है। आंकड़ों के मुताबिक, गैर-कोकिंग कोयले का आयात इस साल सितंबर में 13.90 एमटी रहा, जो पिछले साल के 13.24 एमटी से थोड़ा ज्यादा है। वहीं, कोकिंग कोयले का आयात, जो इस्पात उद्योग के लिए जरूरी है, 4.50 एमटी रहा, जबकि पिछले साल यह 3.39 एमटी था। बता दें कि अप्रैल-सितंबर 2025 की अवधि में गैर-कोकिंग कोयले का आयात घटकर 86.06 MT हो गया, जबकि कोकिंग कोयले का आयात बढ़कर 31.54 MT हो गया। यह जानकारी एमजंक्शन सेवाएं ने दी है, जो टाटा स्टील और SAIL की साझेदारी वाली बी2बी ई-कॉमर्स कंपनी है।

टॉप 10 की 8 कंपनियों का मार्केट कैप 2 लाख करोड़ बढ़ा, भारती एयरटेल को सबसे ज्यादा फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण बीएसई की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 8 के मार्केट कैप में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदे में भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। दूसरी ओर टॉप 10 कंपनियों में से 2 कंपनियों के मार्केट कैप में 39 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इंफोसिस, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 2,05,185.08 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मार्केट कैप में 39,414.06 करोड़ रुपये की कमी हो गई। 10 से 14 नवंबर के बीच हुए कारोबार के दौरान भारती एयरटेल का मार्केट कैप 55,652.54 करोड़ रुपये उछल कर 11,96,700.84 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 54,941.84 करोड़ रुपये की छलांग लगा कर 20,55,379.61 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा टाटा

कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 40,75745 करोड़ रुपये बढ़ कर 11,23,416.17 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 20,834.35 करोड़ रुपये उछल कर 9,80,374.43 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मार्केट कैप 10,522.90 करोड़ रुपये उछल कर 8,92,923.79 करोड़ रुपये के स्तर पर, इंफोसिस का मार्केट कैप 10,448.32 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 6,24,198.80 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 9,149.13 करोड़ रुपये बढ़ कर 15,20,524.34 करोड़ रुपये के स्तर पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 2,878.25 करोड़ रुपये उछल कर 5,70,187.06 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 30,147.94 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 6,33,573.38 करोड़ रुपये के स्तर तक गिर गया। इसी तरह भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 9,266.12 करोड़ रुपये घट कर 5,75,100.42 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 20,55,379.61 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 15,20,524.34 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 11,96,700.84 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 11,23,416.17 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 9,80,374.43 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 8,92,923.79 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 6,33,573.38 करोड़ रुपये) इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 6,24,198.80 करोड़ रुपये), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) (कुल मार्केट कैप 5,75,100.42 करोड़ रुपये) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,70,187.06 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

नेपाल के आम चुनाव के लिए एकीकृत सुरक्षा योजना को मंजूरी, सेना भी तैनात होगी

एजेंसी

काठमांडू। 5 मार्च को प्रस्तावित प्रतिनिधि सभा चुनाव से पहले केंद्रीय सुरक्षा समिति ने एकीकृत चुनाव सुरक्षा योजना को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही चुनाव में नेपाली सेना की तैनाती को भी हरी झंडी दे दी गई है।यह निर्णय सिंह दरबार में गृह मंत्री ओमप्रकाश आर्यल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिया गया। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता तथा सहसचिव आनंद काफ्ले के अनुसार, चारों सुरक्षा एजेन्सियों की सहभागिता में गठित कार्यदल द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट पर चर्चा के बाद इस योजना को स्वीकृति प्रदान की गई। काफ्ले ने बताया कि इस योजना में विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच भूमिकाओं और जिम्मेदारियों का स्पष्ट विभाजन किया गया है। साथ ही राजनीतिक गतिविधियों से उत्पन्न संभावित सुरक्षा जोखिम, सीमा पार से घुसपैठ तथा अन्य सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के उपाय भी शामिल हैं।समिति ने प्रस्तावित समन्वित योजना के अनुसार रक्षा मंत्रालय के माध्यम से नेपाली सेना की तैनाती की सिफारिश करने का भी निर्णय लिया है। काफ्ले ने यह भी कहा कि हिंसा भड़काने या आम जनता को डराने-धमकाने वाली गतिविधियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त, समिति ने आगामी चुनाव को ध्यान में रखते हुए प्रांत स्तर पर सुरक्षा कार्यशालाएँ आयोजित करने का निर्णय लिया है।

Gen-Z प्रदर्शन के दौरान निजी क्षेत्र को लगभग 36 अरब रुपये का अनुमानित नुकसान

काठमांडू। वित्त मंत्री रमेश्वर खनाल ने कहा है कि प्रारंभिक आकलन के अनुसार Gen-Z प्रदर्शनों के दौरान तोड़फोड़ और आगजनी के कारण निजी क्षेत्र को लगभग 36 अरब नेपाली रुपए का नुकसान हुआ है। काठमांडू में नेपाल चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए मंत्री खनाल ने बताया कि 55 जिलों में 1,957 इकाइयों में क्षति दर्ज की गई है, जिनमें से 419 निजी क्षेत्र से संबंधित संरचनाओं को लगभग 36 अरब रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि निजी क्षेत्र में हुए नुकसान के लिए लगभग 23 अरब रुपए के बीमा दावे पहले ही दर्ज किए जा चुके हैं। खनाल ने आश्वस्त किया कि सरकार व्यवसायों के प्रति नियंत्रण-उन्मुख दृष्टिकोण नहीं अपनाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार निजी क्षेत्र और सरकार के बीच विश्वास को मजबूत करने पर जोर देगी और उच्चस्तरीय आर्थिक सुधार आयोग की सिफारिशों के अनुरूप आगे बढ़ेगी। साथ ही, पूंजी बाजार और रियल एस्टेट क्षेत्र के पुनर्जीवन को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि रियल एस्टेट उद्योग के सामने मौजूद चुनौतियों का समाधान करने के प्रयास जारी हैं।

उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति का प्रस्ताव– मध्य एशियाई देशों का क्षेत्रीय गठबंधन बनाने की पहल

एजेंसी

ताशकंद। उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शवकत मिर्ज़ियोयेव ने मध्य एशिया के देशों को एक साझा मंच पर लाने के लिए एक नई क्षेत्रीय संस्था – 'कम्युनिटी ऑफ सेंट्रल एशिया' – की स्थापना का प्रस्ताव रखा। उनका कहना है कि इस पहल का उद्देश्य 08 करोड़ से अधिक आबादी वाले इस क्षेत्र में आर्थिक एकीकरण और सहयोग को नई दिशा देना है। ताशकंद में आयोजित इस बैठक में मध्य एशिया के पांच पूर्व सोवियत गणराज्यों कजाखस्तान, किर्गिजस्तान, तुर्कमेनिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के नेताओं के साथ अजरबैजान के राष्ट्रपति भी शामिल हुए। मिर्ज़ियोयेव ने सुझाव दिया कि अब तक होने वाली अनौपचारिक क्षेत्रीय बैठकों को एक व्यवस्थित और संस्थागत स्वरूप दिया जाना चाहिए, ताकि स्थायी सहयोग सुनिश्चित हो सके। अपने संबोधन में उन्होंने आर्थिक, सुरक्षा और पर्यावरण से जुड़े क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। मध्य एशिया, जहां खनिज और ऊर्जा संसाधनों की भरमार है, परंपरागत रूप से रूस के प्रभाव में रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में पश्चिमी देशों ने भी इस क्षेत्र में अपनी दिलचस्पी बढ़ाई है। चीन पहले से ही यहां व्यापार और निवेश के मामले में प्रमुख भूमिका निभा रहा है।उज्बेक प्रस्ताव पर बाकी देशों की तत्काल प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, हालांकि पिछले कुछ वर्षों में सभी देशों ने क्षेत्रीय एकता को आगे बढ़ाने की इच्छा जताई है। कभी सीमा विवाद और राजनीतिक तनावों से ग्रस्त यह क्षेत्र अब सहयोग की नई राह तलाश रहा है।

दक्षिण कोरिया की परमाणु ऊर्जा चालित पनडुब्बियां चीन का मुकाबला करने में मदद करेंगी: अमेरिकी नौसेना प्रमुख

सियोल (दक्षिण कोरिया)। अमेरिकी नौसेना संचालन प्रमुख एडमिरल डेरिल कॉडल ने कहा कि चीन की आक्रामकता को रोकने के लिए संयुक्त प्रयासों की जरूरत है। दक्षिण कोरिया की परमाणु ऊर्जा संचालित हमलावर पनडुब्बियां इसमें मदद करेंगी। भविष्य में इनकी तैनाती स्वाभाविक है। उन्होंने भरोसा जताया कि ऐसी क्षमता हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोगियों के रणनीतिक सहयोग को और मजबूत करेगी। द कोरिया हेराल्ड अखबार की रिपोर्ट के अनुसार डेरिल कॉडल की यह टिप्पणी सियोल और वाशिंगटन के एक द्विपक्षीय तथ्य-पत्र के सामने आने के बाद यहां संवाददाता सम्मेलन में आई। इससे पहले अमेरिकी नौसेना संचालन प्रमुख एडमिरल डेरिल कॉडल ने शुक्रवार को सियोल में अपने दक्षिण कोरियाई समकक्ष एडमिरल कांग डोंग-गिल से बातचीत की। कॉडल ने सियोल में पत्रकारों के एक समूह से कहा कि एक बार जब दक्षिण कोरिया परमाणु ऊर्जा से चलने वाली हमलावर पनडुब्बी तैनात कर देगा तो अमेरिका उससे चीन का मुकाबला करने की अपनी व्यापक योजना में भूमिका निभाने की उम्मीद करेगा

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश

एजेंसी

ढाका (बांग्लादेश)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं। आज दोपहर बांग्लादेश अपराध न्यायाधिकरण-1 (आईसीटी-1) अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना व दो अन्य के खिलाफ फैसला सुनाने वाला है। इसके मद्देनजर ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) कमिश्नर शेख मोहम्मद सज्जात अली ने रविवार शाम कड़े आदेश जारी किए। उन्होंने ढाका में उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश दिया है। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, आगजनी, बम विस्फोट, पुलिस और नागरिकों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश में शामिल किसी भी व्यक्ति को देखते ही गोली मारने का आदेश जारी किया गया है। कमिश्नर ने कहा कि शांत व्यवस्था

भंग करने वाले किसी भी व्यक्ति को छोड़ा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि राजधानी के चप्पे-चप्पे में पुलिस, अर्ध सैन्य बल और सेना के जवानों को कल शाम से तैनात किया जा चुका है। रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस, सेना, बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी), रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी), सशस्त्र पुलिस बटालियन (एपीबीएन) और कई खुफिया इकाइयों की भारी तैनाती ने न्यायाधिकर और उच्च न्यायालय के चारों ओर एक बहुस्तरीय घेरा बना लिया है। प्रमुख इलाकों में छतों से निगरानी की जा रही है। फैसले का राष्ट्रीय और निजी टेलीविजन चैनलों पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। बताया गया है कि प्रतिबंधित अवामी लीग के 16-17 नवंबर को आहूत दो दिवसीय बंद के साथ ही राजधानी में विस्फोटों और आगजनी की घटनाओं में वृद्धि हुई है। पिछले दो दिन में ढाका के मीरपुर, हातिरझील, अगरगांव, न्यू एस्काटन और एयरपोर्ट रेलवे स्टेशन के पास आगजनी की नौ घटनाएं और विस्फोट हुए हैं। हुए एक विस्फोट में 50 वर्षीय अब्दुल बसीर घायल हो गया। पुलिस का कहना है कि एक नवंबर से ग्यारह नवंबर के बीच 15 स्थानों पर 17 विस्फोट हुए हैं।

इंडोनेशिया के मध्य जावा में भूस्खलन से कम से कम 18 की मौत, दर्जनों लापता

एजेंसी

जकार्ता। इंडोनेशिया के मध्य जावा प्रांत के दो क्षेत्रों में पिछले सप्ताह भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल हो गए। क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य जारी है। देश की आपदा राहत एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि सिलाकाप शहर में पिछले सप्ताह एक भूस्खलन में सीब्यूनयिंग गांव में दर्जन भर घर दफन हो गये हैं। अधिकारियों ने बताया कि बचाव कार्यों में बाधा आ रही है क्योंकि लोग 3 से 8 मीटर (10 से 25 फुट) की गहराई में फंसे हुए हैं। सिलाकाप क्षेत्र में हुए भूस्खलन में कम से कम 16 लोगों की मौत की खबर है जबकि सात लोगा लापता बताए गए हैं। एजेंसी के मुताबिक एक अन्य घटनाक्रम में मध्य जावा के बनजर्नेगा क्षेत्र में हुए एक भूस्खलन के बाद दो लोगों की मौत हो गई और 27 इससे 30 घरों के साथ-साथ बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचने की खबर है।

रूसी मिसाइल हमले में यूक्रेन में तीन की मौत, 10 घायल

कीव। पूर्वी यूक्रेन के बालाक्लिया शहर पर रविवार रातभर जारी रूसी मिसाइल हमले में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य घायल हो गए। घायलों में तीन किशोर भी शामिल हैं। खार्कीव क्षेत्रीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रूस से सटे इस क्षेत्र के गवर्नर ओलेह सिनेहुबोव ने 'टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप' पर बताया कि हमले से भारी तबाही हुई है। हमले में शहर के केंद्र में बहुमंजिला आवासीय भवनों को नुकसान पहुंचा और दर्जनों कारें नष्ट हो गईं। क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा जारी एक तस्वीर में बहुमंजिला ईंट की इमारत के क्षतिग्रस्त सामने वाले हिस्से को दिखाया गया है, जहां खिड़कियां उड़ गई हैं, ऊपरी मंजिल पर आग लगी हुई है और मलबा तथा टूटे हुए पेड़ों की शाखाएं बिखरी पड़ी हैं। बालाक्लिया में सैन्य प्रशासन के प्रमुख विटाली कराबानोव ने टेलीग्राम पर कहा कि घायलों में तीन किशोर शामिल हैं। नौ घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बीच रूस ने हमले पर फिलहाल

अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले चार साल से जारी युद्ध में यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्कीव पर नियमित रूप से रूसी मिसाइल, ड्रोन और तोपखाने के हमले जारी है जिससे घरों और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है, बिजली कनेक्शन कट गए हैं और निवासियों को लगातार हवाई हमले के अलर्ट का सामना करना पड़ रहा है। दोनों पक्ष युद्ध में नागरिकों को निशाना बनाने से इनकार करते हैं, लेकिन संघर्ष में हजारों लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें अधिकांश यूक्रेनी हैं। क्षेत्र के कुछ हिस्सों और दक्षिणी शहर इजियम में हुए इन हमलों के बाद रात भर बिजली की आपूर्ति बाधित रही।

मदीना के पास बस हादसा, 42 भारतीय उमराह तीर्थयात्रियों के मारे जाने की आशंका

एजेंसी

रियाद (सऊदी अरब)। मक्का से मदीना जा रहे भारतीय उमराह तीर्थयात्रियों की बस भारतीय समयानुसार रविवार रात लगभग डेढ़ बजे एक डीजल टैंकर से टकरा गई। टक्कर के बाद बस में आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 42 लोगों के मारे जाने की आशंका है। इनमें 11 महिलाएं और 10 बच्चों के शामिल होने की बात कही जा रही है। फिलहाल स्थानीय अधिकारियों ने संख्या की पुष्टि नहीं की है

गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यह हादसा मदीना से लगभग 160 किलोमीटर दूर मुहरास-मुफरीहाट के पास हुआ। सऊदी अरब के बचाव दल ने पुष्टि की है कि बस पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। किसी भी पीड़ित की पहचान करना बेहद मुश्किल है। एक व्यक्ति बचा लिया गया है। वह बुरी तरह झुलसा हुआ है। सऊदी नागरिक सुरक्षा और पुलिस दल सूचना मिलते ही घटनास्थल पर

पहुंचे। भारतीय अधिकारी और उमराह एजेंसी के प्रतिनिधि पीड़ितों के परिवारों से समन्वय बनाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत के हैदराबाद शहर में तीर्थयात्रियों के रिश्तेदार चिंता से घिर गए हैं। वह ट्रैवल ऑपरेटरों और अधिकारियों से संपर्क कर रहे हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हादसे पर गहरा दुःख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कुछ पीड़ित हैदराबाद के भी हो सकते हैं। हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी हादसे पर दुख व्यक्त किया है।

ट्रंप ने दिए वेनेजुएला में सैन्य अभियान शुरू करने के संकेत, 12 युद्धपोत, 15 हजार सैनिक तैनात

एजेंसी

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया कि वह वेनेजुएला में सैन्य अभियान शुरू करने की तैयारी से आश्वस्त हैं। उन्होंने वेनेजुएला में कार्रवाई का मन बना लिया है। अमेरिकी सेना ने पेंटागन के ऑपरेशन सदर्न स्पीयर अभियान के तहत एक दर्जन से अधिक युद्धपोत और 15,000 सैनिकों को इस क्षेत्र में तैनात कर दिया है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, सैन्य अधिकारियों ने इस सप्ताह ट्रंप को वेनेजुएला के अंदर सैन्य अभियानों के विकल्पों के बारे में जानकारी दी है। ट्रंप इस समय राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हटाने के लिए एक बड़े अभियान को शुरू करने के जोखिमों और लाभों का आकलन कर रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को संकेत दिया कि वह प्रवासियों और नशीली दवाओं के अवैध प्रवाह को कम करने और सत्ता परिवर्तन की संभावना को आगे बढ़ाने के करीब पहुंच रहे हैं। ट्रंप ने एयर फोर्स वन में पत्रकारों से कहा, मैंने अपना मन बना लिया है। मैं

आपको यह नहीं बता सकता कि क्या होगा, लेकिन मैंने लगभग तय कर लिया है कि वेनेजुएला के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले युद्ध सचिव पीट हेगसेथ और ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन सहित एक छोटे सैन्य समूह ने बुधवार को राष्ट्रपति को सैन्य विकल्पों की जानकारी दी। एक अमेरिकी अधिकारी के अनुसार, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और अन्य शीर्ष अधिकारियों सहित एक बड़ी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम ने गुरुवार को सिचुएशन रूम में ट्रंप से मुलाकात भी की।ट्रंप और उनकी टीम ने दोनों बैठकों के दौरान लक्ष्य विकल्पों की समीक्षा की। ट्रंप को अधिकारियों ने बताया कि वह उनकी योजना पर अमल को तैयार हैं। अमेरिकी सेना वेनेजुएला के सैन्य, सरकारी प्रतिष्ठानों और मादक पदार्थों की तस्करी के रास्तों पर हवाई हमले और मादुरो को सीधे तौर पर सत्ता से हटाने के लिए तैयार है। हालांकि ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि वह वेनेजुएला के अंदर हमले पर विचार नहीं कर रहे हैं। अमेरिका ने हाल के हफ्तों में वेनेजुएला में अपनी नौसेना तैनात की है। ट्रंप प्रशासन ने कथित तौर पर नशीली दवाओं की तस्करी करने वाली नौकाओं पर कम से कम 20 हमले किए हैं। दुनिया का सबसे बड़ा विमानवाहक पोत, यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड इस हफ़्ते की शुरुआत में इस क्षेत्र में पहुंच चुका है।

नेपाल में आगामी चुनाव के लिए अब तक 150 राजनीतिक दलों का पंजीकरण

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में अगले वर्ष 5 मार्च को होने वाले आम चुनाव के लिए अब तक 150 राजनीतिक दल पंजीकृत हो चुके हैं। राजनीतिक दल पंजीकरण के आखिरी दिन 28 नए दलों का पंजीकरण कराया है। आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में निर्वाचन आयोग ने बताया कि पंजीकरण प्रक्रिया में शामिल दल आवश्यक दस्तावेजों की जमा एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, इसी अवधि में सात राजनीतिक दलों की मान्यता को रद्द किया गया है। प्रतिनिधि सभा चुनाव के उद्देश्य से आयोग ने दल पंजीकरण के लिए आह्वान किया था। इसके जवाब में कई नए दलों ने भी औपचारिक रूप से पंजीकरण कराया है, जिनमें कुलमान घिसिंग, दुर्गा परसाई और हर्क सम्पाँग के नेतृत्व वाले दल भी शामिल हैं। नेपाल में जेन जी समूह के प्रदर्शन के बाद ओली की सत्ता से बहिर्गमन और पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार

गठन के बाद 5 मार्च को आम चुनाव की घोषणा की गई थी। जिसके बाद निर्वाचन आयोग ने 16 अक्टूबर से 16 नवंबर तक नए राजनीतिक दल का पंजीकरण कराने का आह्वान किया था। इन नए दलों में करीब एक दर्जन दल जेन जी आंदोलन में सहभागी युवाओं का है।

यूक्रेन ने ग्रीस के रास्ते अमेरिकी एलएनजी आयात सुनिश्चित किया, सर्दियों की गैस जरूरतें होंगी पूरी

एजेंसी

एथेंस/कीव। रूस द्वारा ऊर्जा ढांचे पर लगातार हमलों के बीच यूक्रेन ने इस सर्दी के लिए एक अहम कदम उठाते हुए ग्रीस से अमेरिकी तरलीकृत प्राकृतिक गैस आयात करने की व्यवस्था तय कर ली है। यह आपूर्ति दिसंबर से शुरू होकर अगले साल मार्च तक जारी रहेगी। इस समझौते की घोषणा यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की की एथेंस यात्रा के दौरान की गई। रिपोर्टों के मुताबिक, यूक्रेन को यह गैस ग्रीस से होकर बाल्कन देशों के पाइपलाइन नेटवर्क के माध्यम से प्राप्त होगी। रूस के हमलों से घरेलू गैस उत्पादन और ऊर्जा संयंत्रों को पहुंचे भारी नुकसान के बाद, यह आयात यूक्रेन की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी माना जा रहा है। जेलेंस्की ने कहा, 'हमारी ऊर्जा संरचना पर जितना नुकसान

रूस पहुंचाता है, उतना ही हमें हर बार फिर से निर्माण करना पड़ता है। लेकिन इसमें समय, संसाधन और उपकरण चाहिए। गैस आयात इसी कमी को पूरा करेगा।' इस समझौते से पहले जेलेंस्की ने बताया था कि कीव ने लगभग 2 अरब यूरो की गैस खरीद के लिए यूरोपीय साझेदारों, यूरोपीय आयोग की गारंटी वाले बैंकिंग तंत्र और घरेलू बैंकों के सहयोग से धन की व्यवस्था कर ली है। इसके अलावा, अमेरिका के साथ भी अतिरिक्त वित्तीय सहायता को अंतिम रूप दिया जा रहा है। यह करार ऐसे समय में हुआ है जब ग्रीस ने हाल ही में 2030 से अमेरिकी एलएनजी की यूरोप को दीर्घकालिक आपूर्ति का अपना पहला समझौता किया है। यह निर्णय उस संदर्भ में भी महत्वपूर्ण है कि यूरोपीय संघ ने 2027 से रूसी एलएनजी पर प्रतिबंध लगाने की मंजूरी दे दी है। ग्रीक प्रधानमंत्री क्यरियाकोस मित्सोताकिस ने कहा, 'ग्रीस अब आपके देश के लिए ऊर्जा सुरक्षा का भरोसेमंद भागीदार बन रहा है। यह कदम यूरोप में रूसी गैस के प्रभाव को और कम करेगा।' यूक्रेन की सर्दियों में ऊर्जा जरूरतें पूरी करने और यूरोप की ऊर्जा स्वतंत्रता मजबूत करने की दिशा में यह समझौता एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

नेपाल में मधेश सरकार का गठन रद्द करने की मांग, विधायकों का सातवें दिन भी धरना जारी

एजेंसी

काठमांडू। मधेश सरकार का गठन रद्द करने की मांग करते हुए सात दलों के विधायकों का सातवें दिन भी मधेश भवन के सामने धरना जारी रहा। इसी मामले में दायर रिट याचिका पर आज सर्वोच्च अदालत में सुनवाई हो रही है। नेपाली कांग्रेस, जसपा नेपाल, जनमत पार्टी, नेकपा माओवादी केंद्र, लोसपा, नेकपा एकीकृत समाजवादी और नागरिक उन्मुक्ति पार्टी एक सप्ताह से मधेश भवन के बाहर लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इन सात दलों के गठबंधन का कहना है कि संविधान की धारा 168 (3) के अनुसार तत्कालीन प्रदेश प्रमुख सुमित्रा सुवेदी भंडारी ने सबसे बड़े दल के रूप में नेकपा एमाले के विधायक दल के नेता सरोज कुमार यादव के नेतृत्व में सरकार का गठन किया था, जो

असंवैधानिक है, इसलिए इसे रद्द किया जाना चाहिए। मधेश प्रदेश सभा सदस्य राजकुमार गुप्ता ने अदालत पर विश्वास जताते हुए कहा कि न्यायालय संविधान की रक्षा करेगा और लोकतांत्रिक मूल्यों को कायम रखेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अदालत गैर-संवैधानिक समूह को न्याय के माध्यम से पराजित करेगी।

श्रीलंका के दक्षिणी प्रांत के गवर्नर बंदुला हरिश्चंद्र का निधन

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका के दक्षिणी प्रांत के गवर्नर बंदुला हरिश्चंद्र का सुबह कोलंबो नेशनल हॉस्पिटल में इलाज के दौरान निधन हो गया। उन्होंने 62 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। वह कुछ समय से बीमार थे। श्रीलंका के पूर्व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हरिश्चंद्र ने कई वर्षों तक कई विभागों में सार्वजनिक सेवा की। राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके ने उन्हें पिछले साल 25 सितंबर को दक्षिणी प्रांत का गवर्नर नियुक्त किया था। डेली न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार बंदुला हरिश्चंद्र की माध्यमिक शिक्षा श्रीपाली कॉलेज, होराना से हुई। उन्होंने केलानिया विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। वे 1991 में श्रीलंका प्रशासनिक सेवा में शामिल हुए। उन्हें सबसे पहले अम्पारा जिले के सहायक जिला चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया। इसके बाद उन्होंने गाले के सहायक जिला चुनाव आयुक्त के रूप में कार्य किया। इसके बाद हरिश्चंद्र ने गाले फोर ग्रेवेट्स के संभागीय सचिव और गाले के अतिरिक्त जिला सचिव के रूप में कार्य किया। वह कुछ समय तक गाले के कार्यवाहक जिला सचिव के रूप में भी काम किया। इसके बाद उन्हें रत्नपुरा जिला सचिव और हंबनटोटा जिला सचिव के पद पर नियुक्त किया गया।

नेपाल–भारत के बीच तीन दिवसीय सीमा सुरक्षा समन्वय बैठक संपन्न

एजेंसी

काठमांडू। भारत की राजधानी नई दिल्ली में नेपाल और भारत के बीच तीन दिवसीय सीमा सुरक्षा समन्वय बैठक विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के साथ संपन्न हुई। यह नौवीं बैठक 12 से 14 नवंबर तक आयोजित की गई। बैठक में दशगजा क्षेत्र में बने अस्थायी झोपड़ियों, कुछ स्थानों पर की गई खेती तथा धार्मिक स्थलों (मठ-मंदिर) को हटाने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। नेपाल की ओर से सशस्त्र पुलिस बल के महानिरीक्षक राजु अर्याल के नेतृत्व में

प्रतिनिधिमंडल शामिल हुआ, जबकि भारत की ओर से सीमा सुरक्षा बल (SSB) के महानिदेशक संजय सिंघल ने प्रतिनिधित्व किया। बैठक से लौटने के बाद आईजीपी अर्याल ने बताया कि दशगजा क्षेत्र खाली कराने के साथ-साथ सफाई व्यवस्था, सीमा पिलरों की मरम्मत और रंगरोगन जैसे मुद्दे भी उठाए गए। पहले भी स्स्क्रऔर सशस्त्र पुलिस के संयुक्त प्रयास से पिलरों की मरम्मत होती रही है। खुली सीमा के कारण रोजाना सैकड़ों लोग सीमा पार करते हैं, लेकिन अभिलेख न होने से सुरक्षा संबंधी चुनौतियाँ सामने आती हैं। इस पर भारतीय पक्ष ने सीमा आवागमन का रिकार्ड रखने का प्रस्ताव रखा। भारतीय गृह मंत्रालय के सचिव गोविंद मोहन ने इस संबंध में सुझाव दिया, जिसे सकारात्मक रूप से लिया गया, हालांकि अंतिम निर्णय अभी नहीं हो पाया है। संबंधित नेपाली अधिकारी के अनुसार, इस प्रस्ताव पर नेपाल के गृह सचिव स्तर से निर्णय होने के बाद ही आगे बढ़ा जाएगा। बैठक में यह भी चर्चा की गई कि अभिलेख रखने से आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों की पहचान करना आसान होगा, यदि वे भविष्य में किसी अवैध गतिविधि में लिप्त पाए जाते हैं। अभिलेख का मुद्दा इससे पहले भी नेपाल की ओर से उठाया जा चुका है। दो वर्ष पूर्व दिल्ली बैठक और पिछले वर्ष काठमांडू में हुई बैठक में भी नेपाल ने इसे प्रस्तावित किया था। नेपाल ने इस संबंध में बजट का प्रावधान कर प्रक्रिया शुरू की थी, लेकिन भारतीय पक्ष की ओर से प्रतिक्रिया न मिलने पर यह काम रुका रहा। इस बार भारतीय पक्ष स्वयं इस विषय पर सकारात्मक दिखा। बैठक में मुख्य रूप से 11 एजेंडों पर चर्चा हुई, जिनमें दशगजा क्षेत्र खाली कराना, सीमा रखरखाव, अभिलेख प्रणाली, फरार कैदियों की खोज में सहयोग, मादक पदार्थ नियंत्रण, तस्करी और अन्य सीमा सुरक्षा मुद्दे शामिल थे।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/18/2025 12:26 AM Page 2

पत्तागोभी फसलः पोषक तत्वों से भरपूर

पत्तागोभी एक ऐसा पौधा है जो पोषक-तत्वों से भरपूर, अच्छी जलनिकासी वाली मिट्टी में बढ़ता है। इसके लिए धूप वाली जगह की भी जरूरत होती है। बीज बोने से पहले या छोटे पौधों की रोपाई करने से पहले उपयुक्त खेत तैयार करना आवश्यक है। अनुभवी किसान बताते हैं कि पौधों की रोपाई या सीधे बीज बोने से पहले मिट्टी की जुताई करना और कम्पोस्ट या अच्छी तरह से सड़ी हुई खाद डालना मददगार होता है। ज्यादातर मामलों में, पत्तागोभी को 6 से 6,8 तक पीएच वाली उपजाऊ मिट्टी पसंद होती है। विकसित पौधे और अच्छी गुणवत्ता वाली पैदावार पाने के लिए मिट्टी को हमेशा नम रखना जरूरी होता है।

अन्य सब्जियों की तरह ही बेहतर फसल उत्पादन के लिए पत्ता गोभी के पौधों में भी सही समय पर पोषक तत्व की आपूर्ति की जानी आवश्यक है। फसल में भिन्न-भिन्न विकास चरण के दौरान दी जाने वाली खाद की मात्रा भिन्न होती है अत: आवश्यक है कि कृषि विशेषज्ञों से परामर्श लेने के बाद ही खेत में खाद का प्रयोग किया जाए।

पौधे लगाने से पहले किसान मिट्टी का विश्लेषण कर सकते हैं। खेत तैयार करने के लिए तर्कसंगत योजना बनाने के लिए किसी स्थानीय कृषि विज्ञानी से परामर्श लेने की सलाह दी जाती है।

⏩ पत्तागोभी की फसल में खाद संबंधी आवश्यकताएं

कोई भी खाद डालने से पहले मिट्टी का विश्लेषण करना आवश्यक है। मिट्टी का सही पोषक तत्व विवरण जानना सबसे सुरक्षित तरीका होता है। बड़ा होने के लिए और उत्पादन एवं पैदावार बढ़ाने के लिए पत्तागोभी को पोषक तत्वों से भरपूर मिट्टी की आवश्यकता होती है। पत्तागोभी के कुछ किसान पौधों की रोपाई से दो हफ्ते पहले खेत में अच्छी तरह से सड़ी हुई खाद डालते हैं और मिट्टी की जुताई करते हैं। वे यह भी बताते हैं कि रोपाई के लगभग दो या तीन सप्ताह बाद वो छोटे पौधों में खाद डाल सकते हैं। कोई भी खाद डालने से पहले गोभी के पौधों की लम्बाई बढ़ने देना महत्वपूर्ण है। ज्यादातर मामलों में, ड्रिप सिंचाई और फर्टिगेशन का प्रयोग किया जाता है (उन उर्वरकों के माध्यम से उर्वरीकरण, जिन्हें सिंचाई प्रणाली में मिलाया जाता है)। वैकल्पिक रूप से, खाद को मिट्टी में डाला जा सकता है। सामान्य तौर पर, अनुभवी किसान दानेदार रूप में आवश्यक पोषक तत्वों, जैसे नाइट्रोजन (एन), पोटैशियम (के) और फॉस्फोरस (पी) से युक्त, अच्छी तरह से संतुलित उर्वरक का सुझाव देते हैं। हम दानेदार खाद को सीधे मिट्टी की सतह पर डाल सकते हैं और सिंचाई कर सकते हैं। इस बात का ध्यान देना जरूरी है, खाद के दाने छोटे पौधों के संपर्क में नहीं आने चाहिए, क्योंकि इससे उनके जलने का जोखिम होता है।

हालाँकि, ये सिर्फ सामान्य पैटर्न हैं जिनका अपना स्वयं का शोध किये बिना पालन नहीं किया जाना चाहिए। हर खेत अलग है और इसकी अलग-अलग जरूरतें हैं। मिट्टी का विश्लेषण करने के बाद आप किसी कृषि विज्ञानी से सलाह ले सकते हैं।

पत्ता गोभी उन चुनिंदा सब्जियों के अंतर्गत आती है, जिसको नापसंद करने वाले लोग आपको बहुत कम संख्या में ही देखने को मिलते है। यह सब्जी न केवल तरह-तरह के खाने में स्वाद घोलने का काम करती है, बल्कि अपने पोषक तत्वों की उपस्थिति से भोजन के पोषण को भी कई गुना बढ़ा देती है। पत्ता गोभी में प्रोटीन, फाइबर, विटामिन-सी, के, मैंगनीज, बी6, कैल्शियम, फोलेट, पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे सभी तत्व पाए जाते हैं। इसके अलावा विटामिन-ए, आयरन और राइबोफ्लेविन सहित कुछ सूक्ष्म तत्व भी इस सब्जी से आसानी से प्राप्त किए जा सकते हैं।

पत्ता गोभी मुख्यत रबी की फसल है परन्तु साल भर मांग में बने रहने के कारण किसानों के लिए मुनाफे की फसल देखी गयी है। वर्तमान में देश के कई क्षेत्रों में फसल नर्सरी में या प्रारंभिक वानस्पतिक विकास चरण की अवस्था में है, जहां फसल में पोषक तत्वों की कमी के लक्षण दिखने शुरू हो चुके हैं। किसानों का कहना है कि नर्सरी में पौधे हल्के पीले पड़ रहे हैं जिससे उनके सूखने या सीधे तौर पर कहें तो फसल खराब होने की आशंका बढ़ती दिख रही है।

⏩ पोषक तत्वों की कमी से होने वाले नुकसान

- पोषक तत्वों की कमी के लक्षण पौधों में धीमी बढ़वार के रूप में पहचाने जा सकते हैं।
- पत्तियों का पीला होना और देखते ही देखते पौधों का सूखना भी पत्ता गोभी में पोषक तत्व की कमी की ओर इशारा करता है।
- नर्सरी में हुई पोषक तत्वों की कमी का प्रभाव पौधों पर लम्बे समय के लिए बना रहे तो आगे जाकर छोटे फूलों का निर्माण होता है।
- जड़ो का उचित विकास नहीं हो पाता है।

⏩ फूलगोभी में खाद एवं उर्वरक

फूलगोभी की खेती यों तो सभी प्रकार की भूमि में की जा सकती है, परन्तु अच्छी जल निकास वाली दोमट या बलुई दोमट भूमि जिसमें जीवांश की प्रचुर मात्रा उपलब्ध हो, काफी उपयुक्त है। इसकी खेती के लिए अच्छी तरह से खेत को तैयार करना चाहिए। इसके लिए खेत को 3-4 जुताई करके पाटा मारकर समतल कर लेना चाहिए।

⏩ खाद एवं उर्वरक

फूलगोभी कि अच्छी पैदावार प्राप्त करने के लिए खेत में पर्याप्त मात्रा में जीवांश का होना अत्यंत आवश्यक है। खेत में 20-25 तन सड़ी हुई गोबर कि खाद या कम्पोस्ट रोपाई के 3-4 सप्ताह पूर्व अच्छी तरह मिला देना चाहिए। इसके अतितिक्त 120 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस एवं 40 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर कि दर से देना चाहिए। नाइट्रोजन कि एक तिहाई मात्रा एवं फास्फोरस तथा पोटाश की पूरी मात्रा अंतिम जुताई या प्रतिरोपण से पहले खेत में अच्छी तरह मिला देना चाहिए तथा शेष आधी नाइट्रोजन की मात्रा दो बराबर भागों में बांटकर खड़ी फसल में 30 और 45 दिन बाद उपरिवेशन के रूप में देना चाहिए।

⏩ निकाई-गुड़ाई

पौधों कि जड़ों के समुचित विकास हेतु निकाई-गुड़ाई अत्यंत आवश्यक है। इस क्रिया से जड़ों के आस-पास कि मिटटी ढीली हो जाती है और हवा का आवागमन अच्छी तरह से होता है जिसका अनुकूल प्रभाव उपज पर पड़ता है। वर्षा ऋतु में यदि जड़ों के पास से मिटटी हट गयी हो तो चारों तरफ से पौधों में मिटटी चढ़ा देना चाहिए।

सूक्ष्म तत्वों का महत्व एवं उनकी कमी से

⏩ उत्पन्न विकृतियाँ

सूक्ष्म तत्व बोरन कि कमी से फूलगोभी का खाने वाल भाग छोटा रह जाता है। इसकी कमी से शुरू में तो फूलगोभी पर छोटे-छोटे दाग या धब्बा दिखाई पड़ने लगते हैं तथा बाद में पूरा का पूरा हल्का गुलाबी पीला या भूरे रंग का हो जाता है जो खाने में कड़ुवा लगता है। फूलगोभी एवं फूल का तना खोखला हो जाता है और फट जाता है। इससे फूलगोभी की उपज तथा मांग दोनों में कमी आ जाती है।

सके रोकथाम के लिए बोरेक्स 10-15 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर कि दर से अन्य उर्वरक के साथ खेत में डालना चाहिए।

एस सूक्ष्म तत्व की कमी से फूलगोभी का रंग गहरा हरा हो जाता है और किनारे से सफेद होने लगती है जो बाद में मुरझाकर गिर जाती है। इससे बचाव के लिए 1.0 से 1.50 किलोग्राम मॉलीब्डेनम प्रति हेक्टेयर कि दर से मिटटी में मिला देना चाहिए। इससे फूलगोभी का खाने वाला भाग अर्थात कर्ड पूर्ण आकृति को ग्रहण कर ले एवं रंग श्वेत अर्थात उजला एवं चमकदार हो जाय तो पौधों कि कटाई कर लेना चाहिए। देर से कटाई करने पर रंग पीला पड़ने लगता है और फूल फटने लगते हैं जिससे बाजार मूल्य घट जाता है।

खाद प्रबंधन

खेत की जुताई के समय 100 क्विंटल गोबर की खाद एवं 1 क्विंटल नीम की खली का प्रयोग प्रति एकड़ की दर से करें।

मुख्य खेत में 75 किलोग्राम यूरिया, 70 किलोग्राम डीएपी और 35 किलोग्राम पोटाश प्रति एकड़ की दर से इस्तेमाल करें 7 इसके साथ ही रोपाई के समय 4 किलो स्टार्टर प्रति एकड़ की दर से इस्तेमाल करने की भी सलाह दी जाती है

मिट्टी में जिंक की कमी होने पर 5 किलोग्राम जिंक सल्फेट की मात्रा प्रति एकड़ की दर से खेत में मिलाएं।

एनपीके 19:19:19 की 5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी में मिलाकर वानस्पतिक विकास के दौरान इस्तेमाल करें 7

फसल में रासायनिक खाद के प्रयोग से पहले मिट्टी की जांच अवश्य करा लें।

सूक्ष्मपोषकतत्व आवश्यक है प्राणी के अच्छे स्वास्थ्य के लिए

सूक्ष्मपोषकतत्व वो पोषक तत्व हैं जिनकी आवश्यकता जीवन भर लेकिन, बहुत कम मात्रा में पड़ती है। स्थूल पोषक तत्वों के विपरीत, मानव शरीर द्वारा यह बहुत कम मात्रा में लिया जाने वाला आवश्यक खनिज आहार है (आमतौर पर 100 माइक्रोग्राम/दिन से भी कम)। सूक्ष्म पोषक तत्वों में लोहा, कोबाल्ट, क्रोमियम, तांबा, आयोडीन, मैंगनीज, सेलेनियम, जस्ता और मोलिब्डेनम आदि शामिल हैं। (यहाँ प्रयुक्त ‘खनिज’ भूगोल मे प्रयुक्त खनिज से अलग है)।

विटामिन कार्बनिक रसायन होते हैं, जिनका सेवन किसी प्राणी के अच्छे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, पर इसका संश्लेषण प्राणी स्वयं नही कर सकते इसलिए इन्हें, उन्हें अपने आहार से प्राप्त करना पड़ता है। हमारा शरीर 33 प्रकार के तत्वों से मिल कर बना है जो हमे आहार से प्राप्त हो जाते है

आलू में खाद एवं उर्वरक

आलू बहुत खाद खाने वाली फसल है। यह मिट्टी के ऊपरी सतह से ही भोजन प्राप्त करती है। इसलिए इसे प्रचुर मात्रा में जैविक एवं रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता होती है।

इसमें सड़े गोबर की खाद 200 क्विंटल तथा 5 क्विंटल खल्ली प्रति हें. की दर से डाला जाता है। खल्ली में अंरडी, सरसों, नीम एवं करंज जो भी आसानी से मिल जाय उसका व्यवहार करे। ऐसा करने से मिट्टी की उर्वराशक्ति हमेशा कायम रहती है तथा रासायनिक उर्वरक पौधों को आवश्यकतानुसार सही समय पर मिलता रहता है।

रासायनिक उर्वरकों में 150 किलोग्राम नेत्रजन 330 किलोग्राम यूरिया के रूप में प्रति हें. की दर से डाला जाता है। यूरिया की आधी मात्रा यानि 165 किलोग्राम रोपनी के समय तथा शेष 165 किलोग्राम रोपनी के 30 दिन बाद मिट्टी चढ़ाने के समय डाला जाता है। 90 किलोग्राम स्फुर तथा 100 किलोग्राम पोटाश प्रति हें. की दर से डाला जाता है। स्फुर के लिए डी.ए.पी. या सिंगल सुपर फास्फेट दोनों में से किसी एक ही खाद का प्रयोग करें। डी.ए.पी. की मात्रा 200 किलोग्राम प्रति हें. तथा सिंगल सुपर फास्फेट की मात्रा 560 किलोग्राम प्रति हें. तथा पोटाश के लिए 170 किलोग्राम म्यूरिएट ऑफ़ पोटाश प्रति हें. की दर से व्यवहार करें।

सभी उर्वरकों को एक साथ मिलाकर अंतिम जुलाई के पहले खेत में छिंठ कर जुताई के बाद पाटा देकर मिट्टी में मिला दिया जाता है।

रोपनी के समय आलू की पंक्तियों में खाद डालना अधिक लाभकर है परन्तु ध्यान रहे उर्वरक एवं आलू के कंद में सीधा सम्पर्क न हो नहीं तो कंद सड़ सकता है। इसलिए व्हील हो या लहसूनिया हल से नाला बनाकर उसी में खाद डालें। खाद की नाली से 5 से 10 सेंमी. की दूरी पर दूसरी नाली में आलू का कंद डालें।

यदि पोटेटो प्लांटर उपलब्ध हो तो उसके अनुसार उर्वरक प्रयोग में परिवर्तन किया जा सकता है।

आलू में सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग

आलू के पौधे को एन.पी.के. के अलावा द्वितीय पोषक तत्व जैसे कैल्शियम, मेग्रिशियम, सल्फर व सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे आयरन, जिंक, मैगनीज, कॉपर, बोरान व माल्बिडेनम की आवश्यकता भी होती है। एन्डीसॉल्स प्रकार की मृदा में अगर हम आलू की खेती करते हैं उसमें सूक्ष्म पोषक तत्व की मात्रा बहुत कमी होती है जिसमें जिंक सबसे कम इसके बाद आयरन, कॉपर, मैंगनीज, बोरान व माल्बिडेनम की कमी पायी जाती है सूक्ष्म पोषक तत्वों के उपयोग से आलू की उपज व कंदों की गुणवत्ता दोनों में ही वृद्धि होती है।

सूक्ष्म पोषक तत्वों के उपयोग से आलू की उपज व कंदों की गुणवत्ता दोनों में ही वृद्धि होती है। जिंक व कॉपर के उपयोग करने से आलू के पौधे में बीमारी कम होती है। जिंक के प्रयोग से कंद की उपज में वृद्धि होती है। आलू में सूक्ष्म पोषक का प्रभाव मिट्टी का प्रकार आलू की किस्म तथा उनके उपयोग करने के तरीके पर निर्भर करता है विभिन्न प्रकार के प्रयोगों से ज्ञात होता है कि सभी पोषक तत्वों में जिंक सबसे महत्वपूर्ण है इसके बाद आयरन, कॉपर, मैंगनीज, बोरान व मॉब्लिडेनम है। अनुसंधान के आधार पर यह ज्ञात हुआ है कि एल्यूवियल व पर्वतीय क्षेत्रों की मृदाओं में कॉपर जिंक व मैंगनीज आदि कम पाये जाते हैं जबकि आयरन व मॉब्लिडेनम की कमी काली मृदा में पाई जाती है। जिंक की कमी से आलू में एल्यूवियल या लिटिल लीफ नामक बीमारी आती है एवं पौधे की बढ़वार रूक जाती है।

सूक्ष्म पोषक तत्वों के उपयोग की विधियां

मृदा का उपयोग

- जिंक सल्फेट को 25 किग्रा/हे. की दर से खेतों में डाल दें।
- घोल बनाकर - मैदानी क्षेत्रों में सूक्ष्म पोषण तत्वों का दो बार 40 व 60 दिन में छिड़काव करें व पर्वतीय क्षेत्रों बुआई के 60-80 दिन में करें।
- सूक्ष्म पोषक तत्वों द्वारा बीज उपचारण कंद को 2 प्रतिशत जिंक आक्साइड में लगाने से पहले उपचारित करें। कंदों को 0.05 प्रतिशत सूक्ष्म पोषक तत्व के घोल में 3 घंटे तक डुबा कर रखें।

आलू के खेत में जैविक खाद का उपयोग आलू फसल में जैविक खाद जैसे एजेटोवेक्टर व फास्फो वेक्टिरिया के उपयोग से आलू की उत्पादकता में वृद्धि के साथ-साथ उर्वरक के उपयोग में 25 प्रतिशत तक की कमी आती है। फास्फोरस घुलनशील जीवाणु से आलू के कंद को उपचारित करने से उत्पादन वृद्धि के साथ-साथ कंद के शुष्क पदार्थ में भी वृद्धि होती है। इसी प्रकार नाइट्रोजन की उपलब्धता बढ़ाने के लिए एजेक्टोवेक्टर के उपयोग से मध्यम व बड़े आकार के कंद प्राप्त होते हैं।

- (Compiled by: C M Sharma)

प्याज की खेती

हजारों वर्षों से प्याज भारतीय खान पान का एक अभिन्न अंग रहा है। कश्]मीर से लेकर कन्याकुमारी तक किसी ना किसी रूप में प्याज हमारी थाली की शोभा बढ़ाता है। व्यंजनों में प्याज का अपना एक विशिष्ट स्थान है। प्याज में कई औषधीय गुण होते हैं। इसे सलाद, सब्जी, अचार और मसाले की तरह भी खाया जाता है। प्याज में गंधक पाया जाता है। इसी वजह से प्याज में गंध और तीखापन होता है। इसके उपयोग से नसों में खून के प्रवाह में बाधा पैदा नहीं होती है।

भारत के साथ साथ विदेशों में भी बड़ी मात्रा में पूरे वर्ष ही इसकी मांग बनी रहती है। भारत के कई प्रांतों में प्याज की खेती किसानों की खुशहाली, समृद्धि और आय वृद्धि का कारण बनी है। ऐसे में देश के किसान कृषि वैज्ञानिकों की सलाह लेकर प्याज की खेती करके अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। तो आइए, जानें- कम लागत में प्याज की खेती कैसे करें

प्याज की खेती के लिए ज़रूरी जलवायु

प्याज की खेती समशीतोष्ण प्रदेश में खूब होती है। लेकिन इसे उष्णकटिबंधीय जलवायु में भी लगाया जा सकता है। इसके लिए 50-80 सेंटीमीटर बारिश की आवश्यकता होती है। हल्के गर्म मौसम में इसकी अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है। प्याज की फसल 13-24 डिग्री सेल्सियस की तापमान में अच्छी तरह से पनपती है। बीज अंकुरण के लिए 20-30ए सेंटीग्रेड का तापमान बेहतर होता है। फसल वृद्धि के लिए 13-23 सेंटीग्रेड और कन्द बनने की प्रक्रिया के लिए 15-25 एसेंटीग्रेड अनुकूल होता है।

प्याज की खेती के लिए उपयोगी मिट्टी

वैसे लगभग भारत के सभी राज्यों में इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है। अच्छी तरह से जल निकासी सुविधाओं के साथ लाल दोमट और काली मिट्टी प्याज की खेती के लिए सबसे उपयुक्त हैं। जीवांशयुक्त हल्की दोमट मिट्टी में इसकी पैदावार खूब होती है। अधिक अम्लीय और क्षारीय मिट्टी में प्याज की खेती करने से बचना चाहिए। प्याज लगाने से पूर्व मिट्टी की जांच करा लेनी चाहिए। 6.5 से 7.5 पीएच मान वाली मिट्टी मे उपयुक्त है 7

एक हेक्टेयर खेत में 20 से 25 तक गोबर की खाद रोपाई से एक माह पूर्व ही खेत में मिला देना चाहिए। अच्छे उत्पाद के लिए प्रति हेक्टेयर 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, 50 किलोग्राम फास्फोरस और 60 किग्रा पोटाश की आवश्यकता पड़ती है। गंधक और जिंक की कमी होने पर ही उपयोग करें।

प्याज की खेती का सही समय

प्याज की खेती किसान रबी और खरीफ दोनों मौसम में कर सकते हैं। खरीफ के मौसम में प्याज की खेती के लिए किसान अगस्त-सितंबर के प्रारंभिक सप्ताह में प्याज की रोपाई कर सकते हैं।

यदि किसान रबी के मौसम में प्याज की उन्नत खेती करना चाहतें हैं तो उसके लिए जनवरी से फरवरी में प्याज की रोपाई कर सकते हैं। रबी की मौसम में प्याज की खेती करना काफी उत्तम समय होता है।

खरीफ की फसल तैयार करने के लिए प्याज की नर्सरी 15 जून से 15 जुलाई तक तैयार की जा सकती है तथा इसकी नर्सरी 40 से 45 दिनों में तैयार हो जाती है तथा 35 से 40 दिनों की प्याज की पौध खेतों में रोपाई या रोपने के लायक हो जाती है।

यदि किसान रबी की फसल के लिए नर्सरी तैयार करते हैं तो नवंबर दिसंबर महीने में नर्सरी तैयार कर सकते है। रोपाई के लिए 40 से 45 दिनों बाद यानि जनवरी-फरवरी में प्याज की नर्सरी लगाने के लिए तैयार हो जाती है।

प्याज की खेती की तैयारी कैसे करें

प्याज की खेती की तैयारी करने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आप रबी की फसल लेना चाहते हैं या खरीफ की फसल। प्याज की रोपाई करने से पहले खेत की 2-3 बार जुताई करके उसे समतल बना लें। खेत की पहली जुताई के समय ही गोबर या वर्मी कंपोस्ट की खाद मिलाकर पाटा चला लें।

किसान प्याज की रोपाई दो तरह से कर सकते हैं।

1. सूखी रोपाई
2. गीली रोपाई

सूखी रोपाई में खेत को समतल करने के बाद प्याज की पौध को 10-15 सेंटीमीटर पर लगाएं। गीली रोपाई धान की रोपाई की तरह पानी वाले खेत में 10-15 सेंटीमीटर की दूरी पर करें। ध्यान रहें सूखी रोपाई के बाद तुरंत सिंचाई करें। पैदावार की दृष्टि से सूखी बुआई ही उपयुक्त होती है।

प्याज की खेती में ध्यान रखने वाली महत्वपूर्ण बातें

- यदि किसान बीज लगाकर सीधी बुआई करता है तो फसल 120 से 140 दिन में तैयार होती है, जबकि नर्सरी से पौध लगता है तो 60 से 90 दिन में प्याज की फसल पूर्ण रूप से तैयार हो जाती है।
- नर्सरी के लिए प्याज के बीज 3 से 3.5 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ की आवश्यकता होती है। रोपाई से पूर्व पौधों की जड़ों को कार्बेंडाजिम 9 प्रतिशत के घोल में डूबा देना चाहिए।
- प्याज के सफल उत्पादन में भूमि की तैयारी का विशेष महत्व हैं। खेत की प्रथम जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करना चाहिए। इसके उपरांत 2 से 3 जुताई कल्टीवेटर या हैरा से करें, प्रत्येक जुताई के बाद पाटा अवश्य लगाएं जिससे नमी सुरक्षित रहें, साथ ही मिट्टी भुरभुरी हो जाए।
- भूमि की तैयारी के साथ पौधशाला की भी तैयारी उतनी ही आवश्यक है। पौधशाला की तैयारी में खास ध्यान देकर उसे खरपतवार से मुक्त कर मिट्टी को भुरभुरी बना लें।
- पौधशाला में जल जमाव नहीं हो इसका विशेष ध्यान दें। पौधशाला को छोटी क्यारियों में बांट दें। पौधशाला अपनी आवश्यकता अनुसार बनाएं।

प्याज की उन्नत किस्में

किसी भी सब्जी के वैज्ञानिक तरीके से उत्पादन में उसके किस्मों का अधिक महत्व है। हमारी मिट्टी के लिए कौन सा अनुशंसित किस्मों हैं इसका ध्यान रखना अधिक आवश्यक है।

हिसार-2

इस किस्म की प्याज में तीखापन कम होता है। इसकी भंडारण क्षमता अधिक होती है। फूल और डंठल कम निकलते हैं। फसल 130-145 दिन में पककर तैयार हो जाती है। प्रति एकड़ लगभग 120 क्विंटल पैदावार होती है।

हिसार प्याज-3

इसमें भी तीखापन कम होता है। भंडारण की क्षमता अधिक होती है। इसकी खासियत यह है कि यह रोग प्रतिरोधि होती है। फसल 130-140 दिन में तैयार हो जाती है। प्रति एकड़ 125 क्विंटल तक पैदावार होती है।

पूसा रेड

इस किस्म की फसल 125-140 दिन में तैयार होती है। प्रति एकड़ 100-120 क्विंटल पैदावार होती है।

इनके अलावा प्याज की एरीफाउंड लाइट रेड, एरीफाउंड वाइट, पूसा माधवी, एरीफाउंड डार्क रेड और एन-53 किस्में भी अच्छी मानी जाती हैं।

प्याज की खेती में सिंचाई और उर्वरक प्रबंधन

प्याज एक ऐसी फसल है जिसमें बिचड़े की रोपनी के बाद यानि जब पौधे स्थिर हो जाते हैं तब इसमें निकौनी एवं सिंचाई की आवश्यकता पड़ती रहती है। इस फसल में अधिक सिंचाई की आवश्यकता होती है। इसकी जड़ें 15-20 सेंटीमीटर सतह पर फैलती है। इसमें 5 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करते रहना चाहिए। अधिक गहरी सिंचाई न करें। पानी की कमी से खेतों में दरार न बन पाए। आरम्भ में 10-12 दिनों के अंतर पर सिंचाई करें। गर्मी आने पर 5-7 दिनों पर सिंचाई करें।

उर्वरक प्रबंधन

प्याज की बेहतर पैदावार के लिए उर्वरक प्रबंधन की जानकारी होना बेहद जरूरी है। संतुलित मात्रा में खाद एवं उर्वरकों के प्रयोग से प्याज की अच्छी पैदावार होती है। प्याज की खेती के लिए खेत तैयार करते समय प्रति एकड़ खेत में 3-4 टन कम्पोस्ट खाद, 20 किलोग्राम यूरिया, 36 किलोग्राम डीएपी एवं 30 किलोग्राम पोटाश मिला लेनी चाहिए। जब फसल 60-65 दिनों की हो जाए तो 30 किलोग्राम यूरिया का प्रयोग कर सकते हैं।

अच्छी गुणवत्ता की प्याज लेने के लिए प्रति एकड़ भूमि में 10 किलोग्राम सल्फर एवं 2 किलोग्राम जिंक का भी प्रयोग करें।

ऐसे करें प्याज का भंडारण

- अधिक अवधि तक प्याज का भंडारण के लिए शीतगृहों का उपयोग करें।
- यदि आप अपने घरों में ही इसका भंडारण कर रहे हैं। तो प्याज के कंदों को अच्छी तरह सूखाकर प्याज को डंठल सहित भंडारण करें।
- भंडारण वाला स्थान हवादार होनी चाहिए।
- प्याज को बंडल बनाकर दीवार या रस्सी के सहारे टांगकर रखने से प्याज लंब अवधि तक सुरक्षित रहती है।
- इसे अंकुरण से बचाने के लिए मैलिक हाइड्राजाइड नामक रासायनिक दवा का (1000 से 1500 पी.पी.एम.) छिड़काव कर सकते हैं।

प्याज की खेती में लागत और कमाई

प्याज की खेती में अपार संभावनाएं हैं। प्याज की मांग बाजार में सालभर बनी रहती है। मंहगाई की दौरान प्याज ही लोगों को रुलाती है। ऐसे में प्याज के किसानों को अच्छा मुनाफा होता है।

लागत की बात करें तो प्याज की खेती में 50 हजार से 1 लाख रुपये तक का खर्च आता है। इस खेती से आप प्रति फसल 1.5 से 2 लाख रूपए आसानी से कमा सकते हैं।

प्याज की खेती पर एक नज़र

- महाराष्ट्र, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, यूपी, बिहार, गुजरात, कर्नाटक और राजस्थान इसके बड़े उत्पादक राज्य हैं।
- देश में सालाना प्याज उत्पादन औसतन 2.25 से 2.50 करोड़ मीट्रिक टन के बीच है।
- हर साल कम से कम 1.5 करोड़ मीट्रिक टन प्याज का निर्यात होता है।

- (Source: The Rural India) (Compiled by: C M Sharma)